अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 58 लखनऊ, बुधवार, 10 सितम्बर 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

सी पी राधाकृणन उप राष्ट्रपति निर्वाचित घोषित

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार सी पी राधाकृष्णन देश के नये उप राष्ट्रपति चुने गये हैं। श्री राधाकृष्ण ने उप राष्ट्रपति के पद के चुनाव के लिए मंगलवार को संसद भवन में हुए मतदान में इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी को प्रथम वरीयता के 152 मतों से हराया। निर्वाचन अधिकारी पी सी मोदी ने मतगणना के बाद श्री राधाकृष्णन को उप राष्ट्रपति पद के लिए निर्वाचित घोषित किया। उन्होंने बताया कि कुल 781 मतों में से 767 मत पड़े जिनमें से श्री राधाकृष्णन को प्रथम वरियता के आधार पर 452 मत मिले जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी श्री रेड्डी को प्रथम वरियता के 300 मत मिले। उन्होंने कहा कि 15 मत अवैध घोषित किये गये।

बिना मान्यता चल रहे संस्थानों के खिलाफ मामले में सुनवाई 12 को

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने उत्तर प्रदेश में कथित रूप से बगैर मान्यता के चल रहे शिक्षण संस्थानों के खिलाफ सख्त कारवाई के आग्रह वाली जनहित याचिका पर अगली सुनवाई 12 सितंबर को नियत की है। अदालत ने याची को, याचिका में बाराबंकी के श्रीराम स्वरुप विश्वविद्यालय को पक्षकार बनाने का निर्देश दिया है। याचिका में इस विश्वविद्यालय में कानून की कथित फर्जी डिग्री प्रकरण का मुद्दा भी उठाया गया है। न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ल की खंडपीठ ने यह आदेश आशीष कुमार सिंह की जनहित याचिका पर दिया। याची का कहना था कि श्रीराम स्वरूप विश्वविद्यालय के पास विधि शिक्षा पाठ्यक्रम की मान्यता नहीं होने के बावजूद छात्रों का एडमिशन लिया गया। यह न केवल छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है, बल्कि कानून के भी खिलाफ है।

लद्दाख के सियाचिन ग्लेशियर में भीषण हिमस्खलन, तीन सैनिकों का बलिदान

लद्दाख। सियाचिन ग्लेशियर में मंगलवार को हिमस्खलन ने सेना की एक पोस्ट को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में भारतीय सेना की महार रेजिमेंट के तीन जवान बलिदान हो गए, जिनमें से दो अग्निवीर थे। यह जवान करीब पांच घंटे तक बर्फ के नीचे दबे रहे, जिसके बाद बचाव दल मौके पर पहुंच पाया। सेना के मुताबिक एक आर्मी कैप्टन भी इस हिमस्खलन में फंस गए थे, लेकिन उन्हें सुरक्षित निकाल लिया गया। राहत और बचाव कार्य अभी भी जारी है। सेना की विशेष टीमें तुरंत सक्रिय हो गईं और बचाव कार्य में तेजी लाने के लिए लेह और उधमपुर से अतिरिक्त दल को बुलाया गया है।

हिमाचल में भारी बारिश का अलर्ट, भूस्खलन से पांच की मौत

● प्रधानमंत्री ने हिमाचल के बाढ़ग्रस्त इलाकों का किया दौरा, 1500 करोड़ की वित्तीय सहायता की घोषणा

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में आगामी दिनों में एक बार फिर मौसम के तेवर बिगड़ेंगे और मॉनसून के कड़े तेवर देखने को मिलेंगे। मौसम विभाग ने अगले दो दिन 10 व 11 सितम्बर को हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान जताया है। विभाग के मुताबिक 12 सितम्बर को राज्य के कई जिलों में अंधड़ और आसमानी बिजली गिरने की संभावना है, जिसके लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। यह चेतावनी ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, कंागड़ा और सिरमौर जिलों के लिए जारी की गई है। वहीं 13 सितम्बर को ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, कंागड़ा, मंडी, शिमला, सोलन और सिरमौर जिलों में भारी बारिश, अंधड़ और बिजली गिरने का येलो अलर्ट जारी हुआ है। 14 और 15 सितम्बर को भी मौसम खराब रहने का अनुमान है, हालांकि उन दिनों के लिए विभाग ने किसी तरह की चेतावनी नहीं दी है। बीते 24 घंटे में सोलन जिले के कसौली में सबसे अधिक 80 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

वहीं, कुल्लू जिला के निरमंड उपमंडल के शर्माणि गांव में सोमवार देर रात भूस्खलन की घटना सामने आई। भूस्खलन से दो मकान पूरी तरह जमींदोज हो गए और एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौके पर मौत हो गई। इनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। मलबे में दबे तीन लोगों को घायल अवस्था में स्थानीय लोगों और प्रशासन की मदद से बाहर निकाला गया।

इधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज हिमाचल के आपदा प्रभावित इलाकों में हुए नुकसान का हवाई सर्वेक्षण किया। उन्होंने हिमाचल के हालात पर कंागड़ा में एक समीक्षा बैठक भी की, जिसमें मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री ने यहां आपदा प्रभावितों के साथ भी मुलाकात कर उनका दर्द जाना। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने हिमाचल को आपदा से राहत के लिए 1500 करोड़ की वितीय मदद की घोषणा की।

इस बीच, बारिश और भूस्खलन के कारण प्रदेश में यातायात और जनजीवन भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार मंगलवार शाम तक पूरे प्रदेश में 4 नेशनल हाइवे और 680 सड़कें यातायात के लिए बंद रहीं। इनमें कुल्लू जिले में एनएच-03 और एनएच-305 समेत 214 सड़कें बंद हैं। मंडी में 158, शिमला में 88, कंागड़ा में 44, चंबा में 48 और ऊना जिले में एनएच-30 समेत 22 सड़कें अवरुद्ध हैं। किन्नौर में एनएच-05 भी बंद पड़ा है।

बाढ़ प्रभावित पंजाब को 1600 करोड़ रुपये की अतिरिक्त मदद की घोषणा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को प्राकृतिक आपदा प्रभावित हिमाचल प्रदेश के बाद पंजाब का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने गुरुदासपुर में बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की और नुकसान के आकलन के लिए राज्य के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।बैठक के बाद प्रधानमंत्री ने पंजाब के लिए 1600 करोड़ रुपये की अतिरिक्त वित्तीय सहायता की घोषणा की। यह राशि राज्य के पास उपलब्ध 12000 करोड़ की सहायता के अतिरिक्त है। इसके अलावा एसडीआरएफ और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की दूसरी किस्त अग्रिम रूप से जारी की जाएगी। प्रधानमंत्री ने प्राकृतिक आपदा में जान गंवाने वाले मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये और गंभीर रूप से घायलों को 50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की। केंद्र सरकार ने नुकसान का आकलन करने पंजाब के दौरे पर अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय दल भी भेजे हैं और उनकी विस्तृत रिपोर्ट के आधार पर आगे की सहायता पर विचार किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार स्थिति से निपटने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार प्रधानमंत्री ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया।

आरटीई के तहत निजी स्कूलों में गरीब बच्चों के प्रवेश पर निगरानी रखेगी सरकार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

● फर्जी दस्तावेजों के आधार पर प्रवेश कराने वालों पर होगी कार्रवाई, स्कूलों की मनमानी पर भी लगेगी रोक

लखनऊ। निःशुल्क शिक्षा अधिकार अधिनियम के तहत निजी स्कूलों में दाखिला लेने वाले गरीब परिवार के बच्चों के लिए पूर्व में निर्धारित व्यवस्था में उत्तर प्रदेश सरकार ने बदलाव कर दिया है।

संशोधन के बाद इसे लागू कर दिया गया है। जिसकी मॉनिटरिंग सरकार के स्तर से होगी। इसके तहत आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होगी और इसके लिए माता-पिता व बच्चे का आधार कार्ड अनिवार्य रहेगा। इस बाबत मंगलवार को बेसिक शिक्षा विभाग की तरफ से शासनादेश जारी कर दिया गया है। जारी शासनादेश के मुताबिक पूर्व-प्राथमिक कक्षाओं में प्रवेश की आयु सीमा 3 से 6 वर्ष और कक्षा-1 के लिए 6 से 7 वर्ष तय कर दी गई है। वहीं पहली बार जिलास्तर पर क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण समिति गठित की गई है, जिसकी अध्यक्षता डीएम करेंगे। इस समिति में दर्जन भर से अधिक जिला स्तरीय अधिकारी सदस्य होंगे, जो पूरी प्रक्रिया की निगरानी करेंगे। इतना ही नहीं, प्रवेश आवेदन एवं प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न होने वाले विवादों का त्वरित निस्तारण सीडीओ की अध्यक्षता वाली चार सदस्यीय विवाद समाधान समिति करेगी। शासनादेश से मिथ्या या फर्जी दस्तावेजों पर प्रवेश की कोशिश करने वाले अभिभावकों पर न केवल रोक लगेगी बल्कि उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई भी की जाएगी। इतना ही नहीं, इससे स्कूलों की मनमानी और उनके द्वारा फीस प्रतिपूर्ति में किये जाने वाले संभावित घालमेल पर रोक लगेगी। यदि किसी आवंटित बच्चे को बिना उचित कारण के प्रवेश से वंचित किया गया तो संबंधित विद्यालय की मान्यता तक प्रत्याहरण (रद्द) की जा सकती है।

सशक्त समाज के निर्माण में शिक्षा अहम: योगी

● मुख्यमंत्री ने सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बसहवा का किया भूमि पूजन व शिलान्यास

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बस्ती। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि शिक्षा से ही देशहित में सशक्त समाज का निर्माण होता है। बसहवां में सरस्वती विद्या मन्दिर के नये भवन का भूमि पूजन एवं शिलान्यास करने के बाद योगी ने मंगलवार को कहा कि सरस्वती शिशु मन्दिर शिक्षा की ऐसी नीव है जो पूरे भारत वर्ष में शिक्षा की अलख जगा रही है। 1947 में जब भारत आजादी हुआ तो उस समय शिक्षा को लेकर कोई चिन्हित नही था, नानाजी देशमुख ने शिक्षा की अलख जगाने के लिए गोरखपुर से सरस्वती शिशु मन्दिर का नींव रखी और आज पूरे भारत में 12 हजार से अधिक सरस्वती शिशु मन्दिर शिक्षा के साथ-साथ भारतीयता को अपनाने की सीख दे रहा है। नानाजी देशमुख ने शिक्षा की जो नीव रखी वह बिना सरकारी मदद से रखी थी ।कभी-कभी ऐसा होता है कि सरकारें सहायता करती है या नही करती है तब भी शिक्षण संस्थान चलते रहते है, आजादी के समय शिक्षा के रास्ते में ऐसी रूकावटे उत्पन्न हो गयी थी जो कभी समाप्त होने का नाम नही ले रही थी लेकिन राष्ट्रीय स्वयं संघ ने शिक्षा दिलाने के लिए पूरी तरह से अभियान चलाया । आज सरस्वती शिशु मन्दिर से शिक्षा प्राप्त करने के बाद यहां के विद्यार्थी समाज, सरकार, देश के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के अभियान का नेतृत्व कर रहे। उन्होने कहा कि शिक्षा से ही हम देश के लिए योग्य नागरिक बन सकते है और अपनी देश का संरक्षण कर सकते है । एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नही चलेंगे, इसके लिए भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने इसको हटाने का अभियान चलाया और इस अभियान को भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू कश्मीर से 370 हटाकर एक देश, एक कानून लागू किया और वहां के आतंकवाद का सफाया करने के लिए ठोस कदम उठाये।

नेपाल में और तेज हुआ हिंसक विरोध प्रदर्शन, प्रधानमंत्री ओली का इस्तीफा

एजेंसी

● नेपाल की संसद से लेकर सुप्रीम कोर्ट पर प्रदर्शनकारियों का कब्जा, मंत्रियों के आवास पर तोड़फोड़ और आगजनी

काठमांडू। नेपाल में हिंसक विरोध-प्रदर्शन के लगातार दूसरे दिन मंगलवार को प्रधानमंत्री केपी शर्मा 'ओली' ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। प्रदर्शनकारियों ने नेपाल की संसद से लेकर सुप्रीम कोर्ट पर कब्जा कर लिया है और कई मंत्रियों के घरों पर आगजनी की गई। पीएम ओली के इस्तीफ़े के बाद भी लोगों का गुस्सा शांत नहीं हो रहा। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल के निजी आवास पर भी प्रदर्शनकारियों ने कब्जा कर लिया है।

ओली ने राष्ट्रपति को लिखा, ''देश में व्याप्त वर्तमान असामान्य स्थिति को देखते हुए मैंने संविधान के अनुच्छेद 77 (1) (ए) के अनुसार प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है, ताकि संविधान के अनुसार राजनीतिक समाधान और समस्या समाधान की दिशा में कदम उठाया जा सके।'' प्रदर्शनकारियों ने आज काठमांडू में ओली के निजी आवास समेत प्रधानमंत्री कार्यालय, राष्ट्रपति भवन, संसद भवन में जमकर तोड़फोड़ की और उसे आग के हवाले कर दिया। नेपाली कांग्रेस के मुख्यालय समेत कई नेताओं के आवास पर भी पथराव और तोड़फोड़ किए जाने की खबर है।

काठमांडू में भैसपति स्थित मंत्रियों के आवास पर प्रदर्शनकारियों ने तोड़फोड़ और आगजनी की। मंत्रियों को फंसा देख नेपाली सेना का हेलीकॉप्टर आवास पर पहुंचा और कई मंत्रियों को आवास से निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। प्रदर्शन के बाद उत्पन्न परिस्थितियों में अभी तक 6 मंत्रियों समेत 21 से अधिक सांसदों ने इस्तीफा दे दिया है। प्रदर्शनकारी संसद भंग करने की मांग कर रहे हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें दिख रहा है कि नेपाल के उपप्रधानमंत्री एवं वित्त मंत्री विष्णु प्रसाद पौडेल को प्रदर्शनकारी काठमांडू की सड़कों पर दौड़ा-दौड़ाकर पीट रहे हैं। वीडियो में दिख रहा है कि प्रदर्शनकारी पौडेल को एक गली में घेर लेते हैं और पीट रहे हैं। दरअसल, ओली सरकार ने 4 सितंबर को फ़ेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, वाट्सऐप, रेडिट, एक्स समेत 26 सोशल मीडिया ऐप्स प्रतिबंधित कर दिए थे। इसके विरोध में सोमवार को जेन-जेड प्रदर्शन शुरू हो गया। प्रदर्शनकारियों के संसद भवन परिसर में घुसने पर पुलिस को गोलीबारी के आदेश दिए गए, जिसमें 20 की मौत हो गई और 300 से अधिक लोग घायल हुए। इसके बाद प्रदर्शनकारी और उग्र हो गए।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में इस बार रूस बनेगा पार्टनर कंट्री

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में लगातार तीसरे वर्ष होने जा रहे उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस 2025) में इस बार रूस पार्टनर कंट्री के रूप में शामिल होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश सरकार ने रूस को इस मेगा इवेंट में सहभागिता के लिए आमंत्रित किया है। रूस की ओर से भी इस आमंत्रण को स्वीकृत कर लिया गया है और इसकी जानकारी प्रदेश सरकार को दे दी गई है। इस मेगा इवेंट में रूस का उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल, उद्योग जगत के प्रमुख प्रदर्शक और सांस्कृतिक कलाकार शो का हिस्सा बनेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 सितंबर को यूपीआईटीएस 2025 का शुभारंभ करेंगे, जो 29 सितंबर तक चलेगा। इससे पहले 2024 में भी योगी सरकार की पहल पर वियतनाम को बतौर पार्टनर कंट्री यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में सम्मिलित किया गया था। इस दौरान भारत और वियतनाम के बीच आर्थिक और व्यापारिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए वियतनाम-इंडिया फोरम और यूपी-वियतनाम टूरिज्म कॉन्क्लेव आयोजित किया गया था।

वैश्विक सैन्य बजट के 10 प्रतिशत में दूर हो सकती है दुनिया की गरीबी: संयुक्त राष्ट्र

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र ने मंगलवार को कहा कि दुनिया के देश अपने सैन्य बजट पर जितना खर्च करते हैं उसके मात्र 10 प्रतिशत में दुनिया से भीषण गरीबी को समाप्त किया जा सकता है। सैन्य खर्च और सतत एवं शांतिपूर्ण भविष्य पर आज यहां जारी संयुक्त राष्ट्र महासचिव की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि साल 2024 में दुनिया का सैन्य बजट 2,700 अरब डॉलर रहा जबकि दुनिया से भीषण गरीबी को दूर करने के लिए हर साल मात्र 230 से 280 अरब डॉलर (लगभग 10 प्रतिशत) की जरूरत है। दुनिया से भुखमरी को पूरी तरह समाप्त करने के लिए हर साल 93 अरब डॉलर की जरूरत है जो सैन्य खर्च का महज 3.5 प्रतिशत है। उल्लेखनीय है कि स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की हाल में प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया था कि साल 2024 में दुनिया के देशों ने अपने सैन्य बजट पर 2,700 अरब डॉलर खर्च किये जो अब तक का रिकॉर्ड स्तर है। साथ ही यह 2023 की तुलना में नौ प्रतिशत अधिक है। शीत युद्ध के बात से कभी सैन्य बजट में इतनी तेज वृद्धि नहीं देखी गयी थी। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में कहा गया है कि मूलभूत सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सदस्य देशों के लिए अपनी सेना पर खर्च करना जरूरी है, लेकिन दीर्घावधि में शांति एवं सुरक्षा के लिए सतत विकास, इंसानों की बेहतरी और देशों के बीच शांतिपूर्ण संबंधों में निवेश सबसे महत्वपूर्ण है।

जल निगम कर्मियों व पेंशनरों ने प्रदेशभर में की सभाएँ एवं प्रदर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। जल निगम कर्मियों / पेंशनरों ने प्रदेश भर के जिला मुख्यालयों पर सभाएँ एवं प्रदर्शन कर 9 सितम्बर को जल निगम पेंशनरों/कर्मियों के लिए काला दिवस करार दिया। प्रदेश भर में सम्पन्न सभाओं के दौरान जल निगम संघर्ष समिति की ओर से एक ''श्वेत पत्र जारी किया गया। कुछ जनपदों में तो सभाओं / प्रदर्शन के दौरान काममकाज पूरी तरह ठप रहा। लखनऊ जल निगम के प्रधान कार्यालय पर सम्पन्न सभा को सम्बोधित करते हुए संयोजक वाई0एन0 उपाध्याय ने कहा कि उ0प्र0 जल निगम 1994-95 से लेकर 1975 तक राजकीय विभाग रहा। वेतन/पेंशन ट्रेजरी से मिलता था तब भी कार्यों पर सेन्टेज राशि 22% भारित की जाती थी। जल निगम बनने के बाद वेतन / पेंशन शासन ने ट्रेजरी से देना बन्द कर दिया, जल निगम को वेतन/पेंशन सहित सभी खर्चे 22% सेन्टेज से ही वहन करने के लिए बाध्य होना पड़ा। सभा को सम्बोधित करते हुए श्री एस0पी0 मिश्रा ने कहा कि वर्ष 1997 से सेन्टेज राशि 22 से घटाकर 12.5 कर दी गयी जिससे वित्तीय स्थिति खराब होने लगी। रही सही कसर सितम्बर 2021 को जल निगम को 2 टुकड़ो में बॉटने से पूरी हो गयी। जिससे दोनों निगमों असन्तुलन कायम हो गया एक निगम में 6 माह से वेतन/पेंशन नहीं मिला तो दूसरे निगम में एक माह से 14 साल से कार्मिक बोनस से वंचित हैं तो दोनों निगमों में सेवानैवृत्तिक देयों का भुगतान नहीं हो पा रहा है वहीं दोनों निगमों ने वेतन से जी0पी0एफ0 की धनराशि काटकर उसे कहीं निवेश न कर अमानत में खयानत कर रही है। सभा को सम्बोधित करते हुए राम अधार पाण्डेय, एम0के0 भट्ट, आकाश श्रीवास्तव ने कहा कि जल निगम विभाजन के बाद अब सेन्टेज राशि घटाकर मात्र 5 कर दी गयी जिससे जल निगम की कमर टूट गयी है। अब पेयजल तथा सीवर व्यवस्था ध्वस्त होने तथा उसकी शीर्ष संस्था जल निगम को बचाने का अब एक ही उपाय रह गया है कि जल निगम को सेन्टेज रहित घोषित करते हुए कर्मियों का वेतन/पेंशन ट्रेजरी से सम्बद्ध कर दिया जाय। जल निगम का एकीकरण कर दिया जाय जिससे दोनों निगमों में सन्तुलन के साथ नियमों को लागू करने, एवं प्रशासनिक तथा वित्तीय अराजकता समाप्त हो सकें। सभा के अन्त में मुख्यमन्त्री से अपील की गयी कि जल निगम को नौकरशाहों द्वारा ध्वस्त किये जाने से बचाने हेतु आगे आयें तथा जल निगम कर्मियों को भुखमरी से बचाने तथा उनके परिवारों को बचाकर कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को मजबूत करें। मुख्यमन्त्री जी द्वारा 9 लाख शिक्षकों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की घोषणा का स्वागत करते हुए जल निगम कर्मियों / पेंशनरों को भी कैशलेस चिकित्सा उपलब्ध कराने की अपील की गयी।

युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक साबित हो रहा कौशल विकास कार्यक्रम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सीएम योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में तेजी से बढ़ रहा व्यावसायिक व कौशल प्रशिक्षण नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार कौशल विकास और व्यावसायिक शिक्षा को प्राथमिकता दे रही है। प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत इसकी युवा आबादी है और योगी सरकार का लक्ष्य है कि प्रत्येक युवा को उसकी रुचि और योग्यता के अनुसार प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ा जाए। हर हाथ को हुनर और हर युवा को रोजगार इसी दृष्टिकोण के तहत प्रदेश में कई कौशल विकास योजनाएं संचालित हो रही हैं। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ने 2015 में राष्ट्रीय कौशल विकास और उद्यमिता नीति लागू की थी। योगी सरकार ने इस नीति को जमीनी स्तर तक ले जाकर प्रदेश के युवाओं को अधिक से अधिक लाभ दिलाने का कार्य किया है। प्रदेश के सभी जिलों में आईटीआई, पॉलिटेक्निक, जन शिक्षण संस्थान और दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना जैसे कार्यक्रम युवाओं को प्रशिक्षण देकर रोजगार की राह पर अग्रसर कर रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (गक्ध् 2020) के तहत कक्षा 6 से ही व्यावसायिक शिक्षा को शामिल करने की पहल को उत्तर प्रदेश में तेजी से लागू किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट कहा है कि छात्रों को केवल डिग्री नहीं बल्कि रोजगार योग्य शिक्षा और हुनर मिलना चाहिए। इसी सोच के तहत स्कूलों और कॉलेजों में व्यावसायिक प्रशिक्षण को बढ़ावा दिया जा रहा है। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मानना है कि कौशल विकास न केवल नौकरी के अवसर बढ़ाता है बल्कि स्वरोजगार की राह भी खोलता है। पर्यटन, आईटी, बैंकिंग, रिटेल और पारंपरिक शिल्प जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित युवा आत्मनिर्भर बनकर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में योगदान दे रहे हैं। उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी कम करने के लिए व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण को तेज गति से लागू किया जा रहा है। उद्योगों और शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि युवाओं को उसी तरह का प्रशिक्षण मिले जिसकी बाजार में मांग है।

लखनऊ : नहर में मिला युवक का शव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के निगोहा थाना क्षेत्र में मंगलवार को नहर में एक युवक का शव मिला। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर दो लोगों हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष अनुज कुमार तिवारी ने बताया कि मंगलवार सुबह आठ बजे थाना निगोहां के गौतमखेड़ा के पास नहर में एक युवक का शव मिला था। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नहर से निकाला। मृतक की पहचान मोहनलालगंज के शंकरबक्श निवासी रामनरेश ने बेटे शनि रावत (24) के रूप में हुई है। मामले में परिजनों ने हत्या की आशंका जताई। थाना प्रभारी ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर नामजद मुकदमा दर्ज करते हुए पूछताछ के लिए दो लोगों को हिरासत में लिया गया है।

रिकवरी एजेंट की सिर कूचकर हत्या, आंखें फोड़ीं

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में 26 साल के रिकवरी एजेंट की ईंट से सिर कूचकर हत्या कर दी गई। उसका खून से लथपथ शव ऑफिस में पड़ा मिला। मंगलवार सुबह महिला सफाईकर्मी ऑफिस पहुंची। देखा तो फर्श पर शव पड़ा हुआ था। भाई का कहना है कि आंखें भी फोड़ दीं। इस तरह मारा कि छत तक खून के छीटें पड़ी थीं। 5 से 6 लोगों ने मिलकर मारा है, उसका मोबाइल भी उठा ले गए हैं। घटना बंथरा थाना क्षेत्र की है। मृतक की पहचान बंथरा के न्यू डेस्टिन सिटी कॉलोनी में रहने वाले कुनाल शुक्ला के रूप में हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। हत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। सबूत को मिटाने के लिए हत्यारों ने ऑफिस में लगे सीसीटीवी को तोड़ डाला, साथ में डीवीआर भी उठा ले गए। मूल रूप से फैजाबाद के धनुआपुर निवासी अशोक शुक्ला फैजाबाद में रोडवेज के चालक हैं। उनका बेटा कुनाल शुक्ला (26) न्यू डेस्टिन सिटी कॉलोनी में मां सुधा और बड़े भाई सौरभ के साथ रहता था। पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि सोमवार रात 9 बजे ऑफिस में काम करने वाले सभी लोग घर चले गए। लेकिन कुनाल शुक्ला ऑफिस में ही रुका था। सफाई कर्मी संगम थारू ने बताया मैं मंगलवार सुबह 8 बजे ऑफिस की सफाई करने पहुंची। देखा तो कुनाल का खून से लथपथ शव जमीन पर पड़ा था। फर्श पर काफी खून बिखरा पड़ा हुआ था। मैंने आनन-फानन इसकी सूचना कंपनी मालिक विवेक सिंह को दी। इसके बाद उन्होंनें पुलिस बुलाई। विवेक सिंह ने दादूपुर में स्वास्तिक एसोसिएट नाम से ऑफिस बना रखा है। कुनाल शुक्ला ज्यादातर इसी ऑफिस में रहता था। विवेक सिंह के साथ फाइनेंस की गई गाड़ियों की किस्त न अदा होने वाली गाड़ियों की रिकवरी करता था। विवेक सिंह ने बताया कुनाल कई बार ऑफिस में ही रुक जाता था। यहां वह दरवाजा बंद करके अंदर सोता था। लेकिन आज सुबह जब संगम थारू ऑफिस की सफाई करने पहुंची तो दरवाजा खुला मिला। कुणाल का शव कमरे के अन्दर दीवान पर पड़ा था। उसका मुंह और आंखें कूची गई थीं। फर्श पर काफी खून फैला पड़ा था। इसके अलावा कमरे की छत में भी काफी तादाद में खून की छींटे पड़ी थीं। बड़े भाई सौरभ ने बताया-मेरे भाई को पांच-छह लोगों ने ईंट से कूचकर मारा है। उसकी एक आंख फूट गई थी। सिर पर गहरे घाव थे। ऑफिस के सीसीटीवी टूटे पड़े थे। मेरे भाई का मोबाइल भी गायब था। मां सुधा ने रोते हुए कहा मेरे बेटे को मारने की साजिश पहले से चल रही थी। इसी लिए यह घटना हुई। उसके साथ काम करने वाले लोगों ने उसको मारा है। एडीसीपी दक्षिणी रल्लापल्ली बसंत कुमार ने कहा-जिस ऑफिस में मृतक रहता था, वहां सीसीटीवी कैमरे लगे थे, लेकिन हत्यारे कैमरों को तोड़ ले गए। साथ ही डीवीआर भी उठा ले गए हैं।

शक्ति भवन पर किसानों का हल्ला बोल आंदोलन ट्रैक्टर से पहुंचे किसान

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में भारतीय किसान यूनियन ने हजरतगंज स्थित शक्ति भवन का घेराव किया। बिजली और पानी के मुद्दे को लेकर बड़ी संख्या में किसानों पहुंचे हैं। भारतीय किसान यूनियन (भानु) गुट के लोग शक्ति भवन और श्रीराम टावर के बीच की रोड को घेर लिया है। प्रदर्शन में शामिल होने के लिए लखनऊ और आसपास के क्षेत्र से बड़ी संख्या में किसान पहुंच रहे हैं। किसान ट्रैक्टर और दूसरी खुली गाड़ियों से पहुंचे हैं। इससे हजरतगंज चौराहा और श्रीराम टावर के बीच में भीषण जाम लग गया है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अन्नू ने कहा कि किसानों के साथ लगातार अन्याय हो रहा है। हमें नलकूप के लिए 15 घंटे बिजली की आवश्यकता है। मगर बिजली विभाग के द्वारा हर 2 घंटे पर कटौती कर दी जाती है। बिजली कटौती से किसान लगातार परेशान है। लाइन मैन कहीं भी किसानों की बात नहीं सुनता है। बिजली न होने से खेतों की सिंचाई नहीं हो पा रही है। बिना पानी के फसलों को कैसे उगाया जाए या संभव नहीं है। प्रदर्शनकारी किसानों ने कहा कि प्रदेश भर में खराब पड़े तमाम ट्रांसफॉर्मर को 24 घंटे में बदला जाए। प्रदेश के किसानों के निजी नलकूप और एग्रीकल्चर फीडर पर कम से कम 15 घंटे बिजली सप्लाई की जाए। प्रदेश भर के किसानों को नलकूप की बिजली मुफ्त उपलब्ध कराई जाए। यह तीन प्रमुख मांगे हैं जिसको लेकर आज घेराव कर रहे हैं। जब तक लिखित में आश्वासन नहीं मिल जाएगा यह प्रदर्शन जारी रहेगा। संगठन के महासचिव रणविजय सिंह ने कहा कि 19 जनपदों से 5000 से अधिक किसान इस आंदोलन में शामिल हो रहे हैं। योगी सरकार ने जो वादे किए थे वह अभी तक पूरे नहीं हुए इसलिए आज किसानों को सड़कों पर उतरना पड़ रहा है। हमारे ही सत्याग्रह पर बिजली नलकूप मुफ्त हुआ था मगर इसका क्या फायदा जब बिजली ही नहीं आती है। 7 घंटा बिजली आती है और उसमें 20 बार कटौती होती है। हम लोग राशन पानी किस तरह सब बांध के लाए हैं ट्रैक्टर हमारे खड़े हैं हमें किसी बात की चिंता नहीं है।

मेयर से नगर निगम सदन में जबरदस्त हॉट-टॉक, विरोध में पार्षदों का धरना

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम मुख्यालय में सदन का आयोजन किया जा रहा है। सदन के शुरुआत से ही पार्षद सभी वार्डों में 40-40 लाख रुपए देने की मांग उठा रहे हैं। इसको लेकर पार्षदों-मेयर में बहस जारी है। भाजपा से इस्तीफा दे चुके पार्षद मुकेश सिंह मोंटी और मेयर में जबरदस्त हॉट टॉक हुई है। मेयर ने कहा- बदतमीजी से बात मत करिए। इसके मोंटी बाद अपनी बात कहकर सदन को छोड़कर चले गए। भाजपा पार्षद रंजीत सिंह धरने पर बैठ गए। इससे सदन कुछ देर के लिए स्थगित रहा। भाजपा पार्षद गिरीश गुप्ता ने कहा इसके पहले सदन के पहले ही प्रश्नों का उत्तर मिल जाता था। आज ऐसा हुआ कि सदन से पहले प्रश्न का उत्तर नहीं मिला। सपा पार्षद सुरेन्द्र वाल्मीकि ने कहा उत्तर नहीं मिलने से पार्षद क्रॉस क्वेश्चन नहीं कर पा रहे हैं। कांग्रेस पार्षद मुकेश सिंह चौहान ने लेबरों-सफाई कर्मियों को मिलने वाली वेतन का मुद्दा उठाया।

एचडीएफसी बैंक ने 10,000 से ज़्यादा ऑफ़र के साथ अपना वार्षिक शॉपिंग बोनान्ज़ा - 'फ़ेस्टिव ट्रीट्स 2025' किया लॉन्च

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मुंबई। भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक, एचडीएफसी बैंक ने अपने वार्षिक 'फ़ेस्टिव ट्रीट्स 2025' अभियान की शुरुआत की घोषणा की है, जो देश में शॉपिंग सीज़न की शुरुआत का आधार तैयार करता है। यह अखिल भारतीय बोनान्ज़ा कार्ड, लोन, पे.ज़ैप और ई.ज़ीईएमआई पर 10,000 से ज़्यादा ऑफ़र लेकर आ रहा है, जिससे ग्राहकों के लिए त्योहारी खरीदारी ज़्यादा कि.फ़ायती और फ़ायदेमंद हो गई है। अभूतपूर्व बचतः राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अति-स्थानीय भागीदारों के बीच 10,000 से ज़्यादा चुनिंदा सौदे व्यापक वित्तीय समाधानः एचडीएफसी बैंक कार्ड के माध्यम से किफायती ऋण तक पहुँच; अन्य सुविधाओं के साथ साथ व्यक्तिगत, कार, दोपहिया, व्यावसायिक ऋण; ई.ज़ीईएमआई, पे.ज़ैप आदि। अति-स्थानीय पहुँचः 4,000 से ज़्यादा शहरों और कस्बों में ऑफ़र उपलब्ध हैं, जो पूरे भारत के बाज़ारों में गहरी पैठ सुनिश्चित करते हैं। बैंक के पास एक्सप्रेस पर्सनल लोन, बिजनेस लोन, कार लोन, टू-व्हीलर लोन, होम लोन, गोल्ड लोन, एग्री लोन, कमर्शियल व्हीकल्स, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, सेविंग अकाउंट, पेजैप, सिक्योरिटीज पर लोन, प्रॉपर्टी पर लोन जैसे कई उत्पादों पर कई ऑफर हैं। उपभोक्ताओं को एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड और ई.ज़ीईएमआई ऑन कार्ड्स के जरिए की गई खरीदारी पर त्योहारी खरीदारी पर 50,000 रुपये तक की बचत करने का मौका मिलेगा। बैंक ने जिन प्रमुख ब्रांडों के साथ साझेदारी की है उनमें एलजी भी शामिल है जो ग्राहकों को ई.ज़ीईएमआई ऑन कार्ड्स के साथ 50,000 रुपये कैशबैक के रूप में प्राप्त करने में सक्षम बनाता है और गूगल पिक्सल एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड और ई.ज़ीईएमआई ऑन कार्ड्स के साथ 10,000 रुपये तक कैशबैक देता है। फ़ेस्टिव ट्रीट्स ऑफर कई उत्पादों पर लागू हैं उसके बाद गणेश चतुर्थी, नवरात्रि, दुर्गा पूजा और फिर दिवाली। इस दृष्टिकोण से यह सुनिश्चित होता है कि ऑफ़र समय पर हों और सभी राज्यों के ग्राहकों के लिए प्रासंगिक हों। एचडीएफसी बैंक इस त्योहारी अभियान के लिए अपनी 9,499 शाखाओं, 21,251 एटीएम और छह लाख से ज़्यादा मर्चेंट व डीलर टचपॉइंट्स के व्यापक नेटवर्क का लाभ उठाएगा। बैंक की योजना ग्राहकों तक इन ऑफर्स को पहुँचाने के लिए रिटेल सेंटर्स, आवासीय परिसरों और कार्यालयों में 37,000 से ज़्यादा ऑन-ग्राउंड एक्टिवेशन करने की है। एचडीएफसी बैंक के कंट्री हेड ऽ पेमेंट्स, लायबिलिटी प्रोडक्ट्स, कंज्यूमर फाइनेंस एंड मार्केटिंग, श्री पराग राव ने कहा, ह्लजैसे-जैसे देश त्योहारों की खुशियों में डूब रहा है, हम अपने उपभोक्ताओं के लिए ढेरों ऑफर लेकर आ रहे हैं जो उन्हें वास्तविक मूल्य प्रदान करते हैं और उन्हें हमारे कार्ड्स, लोन्स, पे.ज़ैप और ई.ज़ीईएमआई की सुविधा के माध्यम से स्मार्ट तरीके से खर्च करते हुए जश्न मनाने में सक्षम बनाते हैं। फ़ेस्टिव ट्रीट्स हमारी वार्षिक पेशकश है जो हमारे ग्राहकों को त्योहारों पर अपनी बचत को अधिकतम करने के अवसर प्रदान करके मांग को बढ़ाती है और देश के उपभोग पैटर्न का समर्थन करती है। एचडीएफसी बैंक के ग्रुप हेड और सीएमओ, हेड ऽ डायरेक्ट टू कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, श्री रवि संथानम ने कहा, एक बहु-वर्षीय फ्रैंचाइज़ी, फ़ेस्टिव ट्रीट्स त्योहारों के मौसम के लिए एक आह्वान की तरह है।

आंचलिक विज्ञान नगरी धूमधाम से मना रही अपनी 36वीं वर्षगांठ

लखनऊ। राजधानी के अलीगंज स्थित आंचलिक विज्ञान नगरी में इन दिनों विज्ञान नगरी का 36वीं वर्षगांठ समारोह का आयोजन किया जा रहा है। सात सितम्बर से बीस सितम्बर तक चलने वाले इस समारोह में विभिन्न वैज्ञानिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है। विज्ञान नगरी के परियोजना समन्वयक डा0 स्वरूप मंडल ने इस आषय की जानकारी देते हुये बताया कि 36वी वर्षगांठ के अवसर पर बच्चों के लिये विभिन्न वैज्ञानिक गोष्ठियों, परिचर्चा, फिल्म शो आकाश दर्शन, गैलरियों का भ्रमण आदि का आयोजन किया जाता है। साथ ही जूनियर व सीनियर वर्गों में पोस्टर मेंक्रिग, एक्जिविट हंट, इन्नोवेटिव हैण्ड जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। जिसके विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया जाता है। वर्षगांठ उत्सव का समापन पुरस्कार वितरण के साथ बीस सितम्बर को होगा।

बीएसए-डीआईओएस की तरह होंगे जिला उच्च शिक्षा अधिकारी

लखनऊ। जिलों में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बीएसए व जिला विद्यालय निरीक्षक डीआईओएस की तर्ज पर जिला उच्च शिक्षा अधिकारी भी बनाए जाने की तैयारी की जा रही है। जिला स्तर पर निजी विश्वविद्यालयों व डिग्री कॉलेजों की जांच की जा सके, इसके लिए तैयारी की जा रही है।यूपी में निजी विश्वविद्यालयों व कॉलेजों की संख्या में बढ़ोत्तरी हो रही है। ऐसे में भविष्य में प्रभावी शिकंजा कसने पर मंथन किया जा रहा है। अभी प्रदेश में आठ मंडलों में ही क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी आरएचओ कार्यालय हैं। ऐसे में एक-एक क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारियों के पास अपने मंडल के अलावा कई जिलों की जिम्मेदारी है। अब 10 मंडल में आरएचओ कार्यालय खोलने और उसके लिए स्टॉफ की भर्ती प्रक्रिया चल रही है,जिसमें अलीगढ़, आजमगढ़, प्रयागराज, चित्रकूट, देवीपाटन, अयोध्या, बस्ती, विंध्याचल, मुरादाबाद व सहारनपुर मंडल शामिल हैं। अब पर्याप्त सख्ती बढ़ेगी। जिलों में मान्यता से संबंधित जांच और फीस के प्रकरणों को और बेहतर ढंग से सुलझाया जा सके, इसके लिए जिला स्तर तक अधिकारी तैनात करने की तैयारी है। पहले चरण में मंडलों में आरएचओ कार्यालय खोले जाने के बाद आगे दूसरे चरण में जिला स्तर पर जिला उच्च शिक्षा अधिकारी की तैनाती कर इसे और प्रभावी बनाने की तैयारी की जा रही है। अभी 45 निजी विश्वविद्यालय व 7422 निजी डिग्री कॉलेज संचालित किए जा रहे हैं।

क्लासिक लीजेंड्स ने अपनी मशहूर परफॉर्मेंस क्लासिक्स की नई कीमतों की घोषणा की

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। क्लासिक लीजेंड्स (सीएल) ने जावा-य.ज़दी मोटरसाइकिलों के तहत अपनी मशहूर परफॉर्मेंस क्लासिक्स की नई कीमतों की घोषणा की। इनमें से एडवेंचर, रोडस्टर, बॉबर से लेकर स्क्रैम्बलर तक ज़्यादातर मोटरसाइकिलें अब 2 लाख रुपये से कम कीमत पर उपलब्ध होंगी। दशकों पहले, नीतिगत बदलाव के चलते 2-स्ट्रोक मोटरसाइकिलों पर प्रतिबंध लग गया था, जिन्हें पर्यावरण के लिए अनुपयुक्त माना गया। इसी के साथ भारत में जावा और य.ज़दी की यात्रा थम गई थी, जो तब अपने सेगमेंट की मार्केट लीडर थीं। इस माह, एक और प्रगतिशील नीतिगत बदलाव ने इन्हें फिर से सुर्खियों में ला दिया है। जावा-य.ज़दी मोटरसाइकिल्स के सह-संस्थापक, अनुपम थरेजा ने कहा सरकार के साहसिक और समयानुकूल जीएसटी सुधार समाज के बड़े हित के लिए ऐतिहासिक बदलाव साबित होंगे, बिल्कुल वैसे ही जैसे 2-स्ट्रोक से 4-स्ट्रोक इंजन का संक्रमण हुआ था। क्लासिक लीजेंड्स इस जीएसटी सुधारों का स्वागत करता है, खासकर 350सीसी से कम मोटरसाइकिलों के लिए 18प्रतिशत की कम दर का, जिसमें हमारी 293सीसी और 334सीसी जावा और य.ज़दी परफॉर्मेंस क्लासिक्स आती हैं। भले ही इससे हमारी 652सीसी बीएसए गोल्ड स्टार जैसी हाई-सीसी मोटरसाइकिलों पर टैक्स बोझ बढ़ता है, लेकिन यह प्रगतिशील कर व्यवस्था का हिस्सा है। इस बदलाव से मिड-सेगमेंट की बाइक्स बड़े समुदाय के लिए सुलभ होंगी द् और यह भारत की मोटरसाइक्लिंग संस्कृति के लिए एक बड़ी जीत है। हम माननीय वित्त मंत्री का धन्यवाद करते हैं, जिन्होंने मांग को नया प्रोत्साहन दिया है, जो आर्थिक मंदी और वैश्विक शुल्क युद्ध के बीच अर्थव्यवस्था को ऊर्ज़ा देगा। दशकों पहले, नीतिगत बदलाव से हमारे ब्रांड्स का अस्तित्व धूमिल हो गया था; आज, नीति दृष्टिकोण उन्हें उनकी ऐतिहासिक पहचान वापस दिला रहा है। हम ग्राहकों को 100प्रतिशत जीएसटी लाभ देंगे। त्योहारी सीज़न के साथ यह संदेश है युवाओं के लिए, जो सच्ची प्रतिष्ठित परफॉर्मेंस मोटरसाइकिल का सपना देखते हैंरू अब आपका समय है। जीएसटी 2.0 सुधारों के साथ, जावा और य.ज़दी को पीपुल्स परफॉर्मेंस क्लासिक्स के रूप में नया जीवन मिल रहा है, जो एक बार फिर भारत की मोटरसाइक्लिंग संस्कृति का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। सभी जावा-य.ज़दी मोटरसाइकिलें या तो 293सीसी या 334सीसी अल्फा2 लिक्विड-कूल्ड इंजन के साथ आती हैं, जिनमें से 334सीसी इंजन 29 पीएस पावर और 30 एनएम टॉर्क के साथ अपने सेगमेंट की अन्य बाइक्स से बेहतर प्रदर्शन करता है। ऐसी कीमतों पर, जो युवा भारत की प्रतिष्ठित क्लासिक मोटरसाइकिल पाने की आकांक्षाओं को पहले से कहीं अधिक सुलभ बनाती हैं, जावा-य.ज़दी मोटरसाइकिलें हाई-फैशन रेट्रो मशीनों को वापस ला रही हैं, जिनमें सेगमेंट-तोड़ डि.ज़ाइन, विश्वस्तरीय इंजीनियरिंग और भारतीय सड़कों के लिए उपयुक्त परफॉर्मेंस टेक्नोलॉजी शामिल है।

उप्र अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में इस बार रूस बनेगा सहयोगी देश

लखनऊ। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में लगातार तीसरे वर्ष आयोजित होने वाले उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी (यूपीआईटीएस) 2025 में इस बार रूस सहयोगी देश के रूप में शामिल होगा। राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश सरकार ने रूस को इस बड़े आयोजन में सहभागिता के लिए आमंत्रित किया है। रूस की ओर से भी इस आमंत्रण को स्वीकार कर लिया गया है। इस आयोजन में रूस का उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल, उद्योग जगत की प्रमुख हस्तियां और सांस्कृतिक कलाकार शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 सितंबर को 'यूपीआईटीएस 2025' का शुभारंभ करेंगे, जो 29 सितंबर तक चलेगा। एक बयान के मुताबिक इससे पहले 2024 में भी उप्र सरकार की पहल पर वियतनाम को बतौर सहयोगी देश इस प्रदर्शनी में शामिल किया गया था। इस दौरान भारत और वियतनाम के बीच आर्थिक और व्यापारिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए वियतनाम-भारत मंच और उप्र-वियतनाम पर्यटन सम्मेलन आयोजित किया गया था। आदित्यनाथ ने दोनों देशों के बीच व्यापार एवं पर्यटन संबंधों पर जोर दिया था। उनका मानना है कि उत्तर प्रदेश न केवल भारत का ग्रोथ इंजन है, बल्कि वैश्विक निवेश का केंद्र भी बन रहा है। ऐसे में रूस के यूपीआईटीएस 2025 में सहयोगी देश बनने से इस आयोजन को नई दिशा मिलेगी और प्रदेश के उद्योगों को वैश्विक बाजार तक पहुंचने का अवसर मिलेगा। रूस की ओर से आने वाले प्रतिनिधिमंडल में बैंकिंग, ऊर्ज़ा, कौशल विकास, शिक्षा और आईटी/आईटीईएस क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि शामिल होंगे।

दबंग से परेशान युवती, दी सीएम आवास के सामने आत्महत्या की चेतावनी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में एक युवती और उसके घरवाले दबंगों से परेशान हैं। उनका कहना है कि वे लोग शिकायत करने थाने गए। वहां पुलिस ने उन पर समझौता करने का दबाव बनाया। कहीं सुनवाई न होती देख पीड़ित परिवार की युवती ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर दिया। वीडियो में युवती कहती दिख रही है कि यदि उसे न्याय नहीं मिला, तो वह मुख्यमंत्री आवास के सामने आत्महत्या कर लेगी। आरोप है कि एक दबंग युवक उसे लगातार परेशान कर रहा है, लेकिन मड़ियांव पुलिस ने चार दिनों तक शिकायत करने के बावजूद एफआईआर दर्ज नहीं की। मड़ियांव निवासी अर्चना कुमारी ने बताया कि इलाके का एक लड़का उसको कई दिनों से परेशान कर रहा है। महिला ने वीडियो वायरल कर कहा, अगर किसी लड़की को न्याय चाहिए तो उसे मरना पड़ेगा... और शायद मुझे भी मरना पड़ेगा।पीड़िता के मुताबिक, 4 सितंबर से भोला यादव नाम का युवक लगातार उसके घर आकर उसे जातिसूचक गालियां देता है, अशब्द भाषा का इस्तेमाल करता है और डराता-धमकाता है। विरोध करने पर वह जान से मारने और बदनाम करने की धमकी देता है। अर्चना का आरोप है कि एक दिन आरोपी युवक अपनी मां और एक अज्ञात व्यक्ति के साथ आया, जो खुद को पुलिस का दीवान बता रहा था। तीनों ने जबरन घर में घुसने की कोशिश की, फिर बाहर सड़क पर जातिसूचक गालियां दीं और महिला के चरित्र पर सवाल उठाए। आरोपी ने धमकी दी कि अगर शिकायत की तो अच्छा नहीं होगा। पीड़िता जब शिकायत लेकर मड़ियांव थाने पहुंची तो उसे कहा गया अभी फोर्स नहीं है, 3 बजे बुलाएंगे। लेकिन शाम तक कोई कॉल नहीं आया। अगले दिन पीड़िता का भाई जब स्कूल से लौट रहा था तो आरोपियों ने उसे ईंट और तार से पीट दिया किसी तरह जान बचाकर घर पहुंचा। यह पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। पीड़िता ने बताया कि दोपहर में उसे थाने बुलाया गया और करीब 2 घंटे तक थाने में बिठाकर सिर्फ यही समझाया गया कि इन सब चीजों में कुछ नहीं रखा है समझौता कर लो। थाने और कचहरी के चक्कर काटना पड़ेगा, इसमें कोई फायदा नहीं है। पीड़िता का कहना है कि अब इस मामले में कोई सुनवाई नहीं हो रही है। पुलिस वाले हम पर ही समझौते का दबाव बनवा रहे हैं। पीड़िता ने कहा कि यदि इस मामले में न्याय नहीं मिला तो वह मुख्यमंत्री आवास के सामने जाकर खुद को खत्म कर लेगी और इसकी जिम्मेदार मड़ियांव थाना पुलिस होगी।

नाले में उतराता मिला युवक का शव

लखनऊ। मोहनलालगंज में नाले में एक युवक का शव उतराता मिला। पास ही सड़क पर खून के धब्बे और खून से सनी चप्पल बरामद हुई है। लोगों ने कहा कि युवक की हत्या करके नाले में शव फेंका गया है। घटना निगोहां थाना क्षेत्र के गौतमखेड़ा गांव की है। मंगलवार सुबह बांक नाले के पास से गुजर रहे लोगों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी।

जनशिकायतों के निस्तारण में देवीपाटन मंडल अव्वल, मीरजापुर को दूसरा स्थान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की निगरानी से जन शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया में अभूतपूर्व तेजी आई है। आईजीआरएस की अगस्त माह की रिपोर्ट में देवीपाटन मंडल ने जन शिकायतों के निस्तारण में बाजी मारी है और प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। इसी तरह प्रदेशभर में मीरजापुर मंडल ने दूसरा और अलीगढ़ मंडल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। देवीपाटन मंडलायुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप जनशिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जा रहा है। इसके लिए देवीपाटन मंडल के जिलों क्रमशः श्रावस्ती, बहराइच, गोंडा और बलरामपुर में जनशिकायतों के पारदर्शी और त्वरित समाधान के लिए कई बिंदुओं पर लगातार काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिलों में जनशिकायतों की निस्तारण की रिपोर्ट

की लगातार मॉनीटरिंग की जाती है। मंडलायुक्त ने बताया कि वह खुद मंडल के सभी जिलों के जनशिकायतों के निस्तारण के पहलुओं की मॉनीटरिंग करते हैं। इसके साथ ही रेंडम पांच शिकायतकर्ता से मंडलायुक्त कार्यालय से फीडबैक लिया जाता है ताकि यह पता चल सके कि पीड़ित की शिकायत पर वास्तविकता में एक्शन लिया गया है या फिर रिपोर्ट ही लगायी गयी है। इसके साथ ही हर माह जनशिकायतों के मामलों की विभागीय आख्या की जांच की जाती है। यही वजह है कि देवीपाटन मंडल ने जन शिकायतों के निस्तारण में प्रदेश भर में पहला स्थान प्राप्त किया है।

HOMI BHABHA CENTRE FOR SCIENCE EDUCATION
TATA INSTITUTE OF FUNDAMENTAL RESEARCH

National Olympiad Programme 2025-2026
in Astronomy, Biology, Chemistry, Physics, Junior Science

All students wishing to participate in the programme must appear in corresponding **National Standard Examinations (NSEs)** (for science subjects) on **November 22 and 23, 2025**, conducted by **the Indian Association of Physics Teachers (IAPT).**

Qualification in NSE is the first step towards participation in the corresponding **International Olympiads of 2026.**

To enroll:
NSEs: https://www.iapt.org.in (Aug 21 - Sep 14, 2025)

For more details: https://olympiads.hbcse.tifr.res.in
https://www.iapt.org.in

CBC 48143/12/0007/2526

रूपापुर में सहकारी गन्ना विकास समिति की सामान्य निकाय बैठक सम्पन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना

सवायजपुर (हरदोई)। सहकारी गन्ना विकास समिति रूपापुर की सामान्य निकाय बैठक सोमवार को बड़े उत्साह के साथ सम्पन्न हुई। बैठक में गन्ना किसानों के निदेशक धीरेन्द्र प्रताप सिंह सेनानी उपस्थित रहे। उन्होंने किसानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि गन्ना उद्योग रूपापुर क्षेत्र के किसानों के लिए सदैव लाभकारी रहा है। इसे और अधिक सफल बनाने के लिए किसान, चीनी मिल और गन्ना विकास समिति तीनों को पारदर्शिता और आपसी समन्वय के साथ कार्य करना होगा। विधायक रानू ने समिति के कर्मचारियों को निर्देशित किया कि किसानों को उच्च गुणवत्ता वाली बीज वैराइटी आसानी से उपलब्ध कराई जाए ताकि उन्हें अधिक पैदावार मिल सके। साथ ही किसानों को समय से पर्चियां उपलब्ध कराना समिति की जिम्मेदारी है, जिससे उन्हें गन्ना आपूर्ति में कोई परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि किसानों के समस्याओं और समिति के विकास से जुड़े विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

मुख्य अतिथि के रूप में सवायजपुर विधायक माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू और गन्ना संघ उत्तर प्रदेश अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश ब्लॉक प्रमुख संघ के प्रदेश अध्यक्ष धीरेन्द्र प्रताप सिंह सेनानी तथा क्षत्रिय महासभा के जिला अध्यक्ष राजपाल सिंह मौजूद रहे।

बैठक में कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु विस्तृत रूप से चर्चा की गई। मुख्य अतिथि सहित वरिष्ठ पदाधिकारियों ने क्षत्रिय बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता कर कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य ठाकुर श्याम सिंह, प्रधान संघ अध्यक्ष सत्यपाल सिंह चौहान, सहित क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारी एवं समाज के सम्मानित सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक का वातावरण उत्साहवर्धक एवं सौहार्दपूर्ण रहा। युवा वर्ग में विशेष उत्साह देखने को मिलाए जिसे समाज की एकता और जागरूकता का प्रतीक माना गया।

धूमधाम से मनाया जाएगा विजय दशमी पर्वः धीरेन्द्र प्रताप सिंह

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। आगामी तीन अक्टूबर को आयोजित होने वाले विजय दशमी एवं मेधा अभिनंदन समारोह की तैयारी को लेकर क्षत्रिय महासभा की तरफ से भरखनी ब्लाक मुख्यालय सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य

सफेद हाथी साबित हो रही हाईवे की हाईमास्क लाइटें

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। कई करोड़ की लागत से बन रहे लखनऊ.पलिया राष्ट्रीय राजमार्ग 731 लखनऊ से हरदोई के बीच कुछ महीने पहले बनकर तैयार हो गया है! यात्रियों का आवागमन भी पूर्णतया चालू है! इस हाईवे के बनने से कई लोगों ने सड़क के किनारे बने अपने घरों व जमीनों को खोया है, लेकिन उन्हें उम्मीद थी कि इसके बनने से यात्रियों व नागरिकों को सुविधा होगी! रात का सफर सुरक्षित होगा व हादसों में कमी आएगी! सरकार जन सुविधाओं को बढ़ाने व जनता तक पहुंचाने के लिए दिन.रात एक किए हैं लेकिन जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते सरकार की कई योजनाएं केवल कागजों तक ही सीमित रह जाती हैं!

■ यात्रियों व क्षेत्रीय नागरिकों ने जताया विरोध

लखनऊ हरदोई के बीच कछौना में बने लगभग 2 किमी लंबे फ्लाईओवर पर लगी अधिकांश हाई मास्क लाइटें कुछ ही महीने में खराब हो गई और जो सही है वे जलाई नहीं जाती! कुल मिलाकर शाम होते ही सड़क पर अंधेरा पसर जाता है! ज्यादातर दुकानदार समय से पहले ही अपनी दुकानें बंद कर देते है! रात के समय यात्रियों और नागरिकों को मजबूरन अंधेरे में निकलना पड़ता है! अंधेरे के कारण सड़कों पर घूमते आवारा जानवरों से बच्चोंए महिलाओं व बुजुर्गों को ज्यादा खतरा रहता है! राहगीरों के आवागमन में किसी अनहोनी की संभावना बनी रहती है! इस संबंध में सूचना देने के उद्देश्य से नागरिकों ने जब हाईवे का 1033 टोल फ्री नंबर मिलाया तो उन्होंने सिर्फ हाईवे के लिए ही अपने को जिम्मेदार बताया और यह मामला फ्लाई ओवर वालों का है कहकर बात को टाल दिया! जबकि नगर सीमा में कई लाइटें फ्लाई ओवर से नीचे भी लगी हैं जो निष्क्रिय है ! अभी कुछ दिनों पूर्व इसी हाईवे की अनियमितताओं की शिकायत आबकारी व मद्य निषेध मंत्री नितिन अग्रवाल ने उच्च अधिकारियों से की थी! नागरिकों ने मांग की है कि इन लाइटों का रखरखाव सुनिश्चित किया जाए ताकि सरकारी धन से की गई व्यवस्थाएं व्यर्थ न जाए व यात्रियों को अंधकार से मुक्ति मिल सके!

समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश-2047 कार्यशाला का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। महाराणा प्रताप राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हरदोई के आडिटोरियम में समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश-2047 अभियान के क्रम में अभिमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का नेतृत्व वरिष्ठ सेवानिवृत्त आई0ए0एस0 के0 रविन्द्र नायक, हरदोई की मुख्य विकास अधिकारी, सान्या छावड़ा, ब्रिगेडियर राकेश कुमार सूद, प्रो0 नरेश चन्द्र शुक्ला, राघवेन्द्र प्रताप सिंह, अरविन्द कुमार जैन एवं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 निखिलेश शरण द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में हरदोई जनपद के सी0एस0एन0 पी0जी0 कालेज, आर्य कन्या पी0जी0 कालेज, स्वायत्तशासी मेडिकल कालेज हरदोई के छात्र-छात्राओं एवं प्राध्यापकों ने प्रतिभाग किया। समर्थ उत्तर प्रदेश.विकसित उत्तर प्रदेश-2047 के अन्तर्गत टीम का नेतृत्व कर रहे के0 रविन्द्र नायक ने कहा कि छात्र-छात्राओं को पूरी लगन से अपनी शिक्षा पर ध्यान देना है एवं निरन्तर प्रतियोगिता में बने रहना है। यह एक विस्तृत संवाद कार्यक्रम रहा जिसमें महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने नीतिगत विषयों पर गम्भीर चर्चा की एवं अनुपालन के स्तर पर आने वाली कठिनाईयों पर बातचीत की गयी। छात्र-छात्राओं एवं प्राध्यापकों ने पाठ्यचर्या एवं आधारभूत सुविधाओं से जुड़ी अनेक समस्याओं पर बातचीत की। मुख्य विकास अधिकारी सान्या छावड़ा ने विद्यार्थियों की समस्याओं एवं सुझावों पर केन्द्रित रहते हुए उसके समाधान प्रस्तुत किये एवं शासन की तरफ से प्रेषित क्यू0 आर0 कोड पर विशेष चर्चा की तथा सभी को यह सुझाव दिया कि इस क्यू0 आर0 कोड के माध्यम से वे शासन तक अपने सुझाव एवं फीडबैक पहुँचा सकते हैं। महाविद्यालय के समारोहक डॉ0 अजित आनन्दमणि ने जनपद के विभिन्न महाविद्यालयों से आये प्राध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया एवं भ्रमण टीम के सभी सम्मानित सदस्यों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

अनियंत्रित होकर बाइक सवार गहरे पानी में गिरा, डूब कर हुई मौत

मल्लावाँ (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। चौकी क्षेत्र राघोपुर के गांव माहिमपुर मोड़ के पास मल्लावां की ओर रिश्तेदारी से लौट रहा युवक कन्नौज मल्लावा मार्ग पर घर जाते समय अनियंत्रित हुई मोटरसाइकिल जो माहिमपुर मोड़ के पास गहरे पानी में जा गिरी जिससे मोटरसाइकिल चालक की डूबकर मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मोटरसाइकिल चालक वीरू पुत्र मुन्नू निवासी ग्राम नेरा थाना कन्नौज अपनी मोटरसाइकिल से रात्रि के समय मल्लावां से कन्नौज मार्ग से अपने घर जा रहा था कि मगरहा माहिम पुर मोड के पास चालक अनियंत्रित होकर सामने गहरे पानी मे मोटरसाइकिल सहित चला गया जिससे उसकी पानी मे ढूबकर मौत हो गई सुबह जब ग्रामीणों ने उसे देखा तो राघोपुर चौकी पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंचे चौकी इंचार्ज प्रदीप पांडेय हमराही पुलिस बल के साथ शव को बाहर निकाल कर पंचायत नामा कर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया।वही ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पीडब्ल्यूडी विभाग से कई बार मांग की गई कि माहिमपुर मोड़ के दोनों तरफ ब्रेकर बनवाए जाने से दुर्घटनाएं रुक सकती है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी हरदोई से ब्रेकर बनवाएं जाने की मांग की है।

भारतीय किसान यूनियन ने चार सूत्रीय ज्ञापन सौंपा

माधौगंज (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने मासिक पंचायत बैठक कर चार सूत्रीय ज्ञापन बीडीओ को सौंपा। मंगलवार को ब्लाक कार्यालय परिसर में बीडीओ सर्वेश कुमार वर्मा को दिए ज्ञापन में कहा कि ग्राम शहब्दा के मजरा डेरा से गौन्तरा स्टेशन तक कच्चे मार्ग को पक्का बनाया जाए जिससे गड्ढे व कीचड़युक्त मार्ग से निजात मिल सके। किसानों को डीएपी व यूरिया खाद का नियमित वितरण कराया जाए। प्रधानमंत्री आवास योजना की सर्वे की पात्र लोगो की सूची सार्वजनिक स्थानों पर जारी की जाए। ग्राम पंचायत न्योली में राम सच्चे के मकान से राजेन्द्र के बाग तक कच्चा नाला बन्द होने के कारण किसान श्यामा कुमार के खेत मे जलभराव से फसल को नुकसान होने से बचाया जाए।

जनसुनवाई मे लोगों को मिल रहा योजनाओं का लाभ

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कलेक्ट्रेट कक्ष में जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने आमजन की समस्याओं को सुना। जन सुनवाई में कुल 121 शिकायतें प्राप्त हुई जिनके त्वरित निस्तारण के निर्देश

जिलाधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों को दिए। पात्रों का वृद्धावस्था पेंशन, निराश्रित महिला पेंशन व दिव्यांग पेंशन हेतु मौके पर ही पंजीकरण कराया गया। 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों का मौके पर ही आयुष्मान कार्ड बनाया गया। आज कुल 02 बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बने। एक बच्चें को स्पान्शरशिप योजना से जोड़ा गया, एक व्यक्ति को वृद्धावस्था पेशंन से जोड़ा गया। 03 बच्चों को बाल सेवा योजना से जोड़ा गया, 04 महिलाओं को निराश्रित महिला पेशन से जोड़ा गया तथा 02 लोगों का दिव्यांग कार्ड बनाने के निर्देश सम्बन्धित को दिये। जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि पैमाइश व अंश निर्धारण के प्रकरणों के निस्तारण में देरी न की जाये। भूमि विवाद के स्थायी समाधान के लिए थाकबंदी के प्रकरणों का त्वरित निस्तारण कराया जाये। चकरोड व सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायतों को गंभीरता से लिया जाये। उन्होंने समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्ययोजना बनाकर अधिक से अधिक लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाये जाये। जन सुनवाई के दौरान अतिरिक्त मजिस्ट्रेट अरूणिमा श्रीवास्तव व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पीडीए की बैठक हुई

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक नेतृत्व के निर्देशों के अनुपालन में सांडी विधानसभा की विक्टोरियागंज ग्राम सभा में आयोजित पीडीए बैठक में पूर्व सांसद उषा वर्मा जिला अध्यक्ष शराफत अली अनुसूचित जाति के राष्ट्रीय महामंत्री अशोक वर्मा गोपार जिला महामंत्री चंद्रशेखर पाल जिला सचिव प्रदीप राजवंशी जिला उपाध्यक्ष सुशील हंस शिव शंकर लाल वर्मा के साथ-साथ महेंद्र वर्मा नरेश पाल इंद्रपाल मौर्य सुभाष पाल रामखेलावन गौतम पूर्व प्रधान अयोध्या प्रसाद कुशवाहा गया प्रसाद मौर्य शिवकुमार मौर्य राकेश मौर्य राधेश्याम मौर्य छबीले मौर्य गुड्डू मौर्य रामसेवक मौर्य अशोक मौर्य अक्षय लाल कुशवाहा रामकिशोर मौर्य आदि सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का आयोजन विधानसभा अध्यक्ष मोहम्मद अयूब हाफिज उमैर वाजिद भाई विनोद राठौर अरविंद पाल अखिलेश यादव आदि कार्यकर्ताओं ने किया, वक्ताओं ने जन विरोधी महिला विरोधी युवा विरोधी किसान विरोधी भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने का आव्वाहन किया, जय भीम जय भारत नमो बुद्धाय जय समाजवाद जय अखिलेश जय संविधान।

प्रबुद्धजनों की टीम ने कृषक, छात्रों, बुद्धिजीवियों, श्रमिकों एवं मीडिया बन्धुओं के साथ चर्चा कर लिये बहुमूल्य सुझाव

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। समर्थ उत्तर प्रदेश विकसित उत्तर प्रदेश /2047 अभियान के अंतर्गत शासन के निर्देशों के क्रम में आज जनपद हरदोई के स्वामी विवेकानन्द सभागार कलेक्ट्रेट में जनपद भ्रमण पर आयी प्रदेश स्तर समिति के अरविन्द कुमार जैन की उपस्थिति मे किया गया। इन कार्यक्रमों में कृषकों, छात्रों, शिक्षकों तथा बुद्धिजीवियों ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग कर प्रदेश के भविष्य के विकास को लेकर अपने रचनात्मक सुझाव प्रस्तुत किए। कार्यशाला में सर्व प्रथम बेसिक एवं माध्यमिक प्रबुद्ध जनों ने मीडिया बन्धुओं से वार्ता करते हुये बताया कि इस अभियान के अंतर्गत नागरिक अपने सुझाव सीधे ऑनलाइन पोर्टल https://samarthuttarpradesh.up.gov.in पर दर्ज कर सकते हैं। इसका विकल्प सूचना सेतु एप पर भी उपलब्ध है। इस कार्यशाला में कृषकों ने विजन 2047 के अंतर्गत अपने बहुमूल्य सुझाव दिए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं गणमान्य नागरिकों ने हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने अपने सुझावों में कहा कि विजन 2047 की दिशा में सभी विद्यालयों में खेल सुविधाओं की उपलब्धता, खेल मैदानों का निर्माण, खेल शिक्षा को प्रोत्साहनए विद्यालयों तक पहुँचने हेतु दिया ट्रेड यूनियन कोऑर्डिनेशन सेंटर के जिला संयोजक आई0 पी0 सिंह दोहरे ने भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश का श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त केंद्रीय संगठन ने विषय: 'समृद्ध उत्तर प्रदेश 2047' के निर्माण हेतु मज़दूरों के आर्थिकए सामाजिक, सांस्कृतिक विकास, रोज़गार, कौशल विकास, सामाजिक सुरक्षा एवं जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए ठोस कदम उठाने संबंधी सुझाव दिए। उन्होंने बताया ट्रेड यूनियन कोऑर्डिनेशन सेंटर (TUCC) जो कि भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय से मान्यता प्राप्त केंद्रीय संगठन है, हरदोई जनपद सहित प्रदेश के मज़दूर वर्ग की परिस्थितियों एवं उनके भविष्य के विकास से संबंधित कुछ सुझाव है। 'समृद्ध उत्तर प्रदेश 2047' के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए श्रमिकों का आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक उत्थान आवश्यक है। इसी उद्देश्य से निम्नलिखित सुझाव प्रस्तुत किए जा रहे हैं। मुख्य सुझाव आर्थिक विकास हेतु,

न्यूनतम वेतन को महँगाई दर के अनुसार संशोधित किया जाए। असंगठित क्षेत्र के मज़दूरों को पेंशन, बीमा एवं स्वास्थ्य जैसी सामाजिक सुरक्षा मिले। प्रवासी मज़दूरों हेतु पोर्टेबल राशन कार्ड और स्वास्थ्य बीमा की गारंटी हो। महिला मज़दूरों को समान कार्य हेतु समान वेतन व मातृत्व लाभ सुनिश्चित हों। आई0पी0 सिंह दोहरी जिला संयोजक ग्राम सेवक वर्मा अध्यक्ष प्रगतिशील असंगठित मजदूर यूनियन नीलेश मिश्रा महामंत्री, अमरीश अमरेश कुमार मंत्री आकाश श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष देवेंद्र श्याम एवं संगठन के अन्य लोग उपस्थित है। इस मौके पर जिलाधिकारी अनुनय झा ने समिति को आश्वस्त किया कि कार्यशाला के दौरान जो भी भी सुझाव दिया गये है, उनका टीम भावना से जनपदीय अधिकारी व्यक्तिगत रूचि लेकर पालन करेगें।

उच्च शिक्षा राज्य मंत्री ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का लिया जाएगा

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। विधानसभा क्षेत्र के कई गांवों में उत्तर प्रदेश सरकार में उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया एवं बाढ़ प्रभावित परिवारों से सीधे संवाद कर उन्हें हर संभव सहायता और सहयोग का आश्वासन दिया निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया कि राहत व पुनर्वास कार्यों में कोई ढिलाई न बरती जाये मौके पर उप जिलाधिकारी शाहाबाद को निर्देशित किया कि जरूरतमंद को सहायता से वंचित न रखा जाए रजनी तिवारी ने नागामऊ असलापुर बूटामऊ ज्ञान पुरवा सकरौली निसौली विधानसभा के तमाम गांव में पहुंचकर बाढ़ पीड़ितों से सीधे संवाद किया उनकी समस्याएं सुनी और उन्हें अस्वस्थ किया कि प्रदेश सरकार प्रत्येक स्थिति में हर संभव मदद के लिए उनके साथ है उन्होंने राहत व बचाव कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख शाहाबाद त्रिपुरेश मिश्रा ने भी लोगों को भरोसा दिलाया कि पीड़ित परिवारों प्रभावित गांवों की हर संभव मदद सुनिश्चित की जाएगी उच्च शिक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ जनता की सेवा के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

इस मौके पर उप जिलाधिकारी अंकित तिवारी ब्लॉक प्रमुख त्रिपुरेश मिश्रा मंडल महामंत्री शिव नारायण द्विवेदी सकरौली प्रधान विश्वनाथ पाठक निखिल पाठक निसौली प्रधान उमेश फ़ौजी विवेक सिंह त्रिलोकी नाथ अग्निहोत्री आदि लोग मौजूद रहे।

पूर्व राष्ट्रीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष व पूर्व सांसद ने किया विराट दंगल का उद्घाटन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

मल्लावाँ (हरदोई)। ग्राम जलालाबाद में इस वर्ष प्राइजमनी विराट कुश्ती दंगल का आयोजन 8 सितंबर 2025 को किया गया। जिसमे पुरुष प्रतिभागी पहलवानो की संख्या 103 वहीं महिला प्रतिभागी पहलवानो की संख्या 30 जिसमें कानपुर वाराणसी एन इ आर, गोरखपुर, गौतम बुद्ध नगर, बागपत, शामली, गाजियाबाद, मेरठ, मुजफ्फरनगर, उन्नाव नंदी नगर, हरदोई, बहराइच, आदि टीमों ने प्रति भाग लिया।

मुख्य अतिथि बृजभूषण शरण सिंह पूर्व सांसद पूर्व अध्यक्ष भारतीय कुश्ती संघ ने हेलीकाप्टर से गंजजलालाबाद में प्रवेश किया। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ सचिव उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ चंद्रबली सिंह ओलंपिक कुश्ती कोच भारतीय टीम निर्णायक राम सज्जन यादव रवि कुमार गोरखनाथ यादव जितेंद्र राणा ऋषि श्वेत सिंह रमाकांत सुभाष भरद्वाज बलवंत जितेंद्र सिंह शुक्लापुर मल्लावां हरदोई आदि सभी कोच अपनी अपनी टीमों के साथ मौजूद रहे। वही 80 किलोग्राम वजन के ऊपर बिजेता पहलवानो में प्रथम स्थान शिवम पहलवान एन इ आर गोरखपुर द्वितीय प्रदीप गाजीपुर तृतीय मेअर्जुन सिंह बागपत मंयक तोमर बागपत 70 से 80 किलोग्राम में सौरभ पृथम वाराणसी द्वितीय हरिओम एसपीसी सौरभ राणा बागपत त्रतिय मे हरिओम एसपीसी बागपत चतुर्थ में अभय मेरठ ने स्थान प्राप्त किया। 65 से 70 किलोग्राम में हिमांशु बरेली मोनू नंदी नगर तृतीय स्थान नदीम बरेली गोलू वाराणसी रहे। 55 से 65 किलोग्राम में महिला पहलवानो में प्रथम कशिश वाराणसी द्वितीय रिया नागर गौतम बुद्ध नगर भारती कानपुर ने स्थान प्राप्त किया। 50 किलोग्राम से 60 किलोग्राम में प्रथम स्थान अनीस बरेली द्वितीय में अभिषेक एसपीसी तृतीय स्थान पर चंदन वाराणसी और नीरज वाराणसी ने स्थान प्राप्त किया। इस तरह से पहलवानों ने अपने दाव पेच दिखाकर अपना स्थान प्राप्त किया क्षेत्रीय लोगों ने दंगल देखकर बहुत ही प्रशंसा की। वहीं मुख्य अतिथि को प्रधान अभिषेक दीक्षित समाजसेवी नरेश दीक्षित ने स्वागत के दौरान गदा देखकर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि यह कुश्ती जमीन से जुड़ी है इस कुश्ती खेल को जल्द ही ओलंपिक स्थान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री खेलो इंडिया में कुश्ती प्रतियोगिता का भी गौरव बढ़ेगा। इस मौके पर एन राम उप जिलाधिकारी बिलग्राम रवि प्रकाश क्षेत्राधिकारी बिलग्राम थाना प्रभारी मल्लावां भारी सुरक्षा बल के साथ मानीटिंग करते रहे। वरिष्ठ भाजपा नेता अभय शंकर शुक्ला, समाज सेवी विसाल जायसवाल, संपूर्णानंद प्रधान, रामू त्रिपाठी, मिथिलेश मिश्रा विनीत पटेल पूर्व अध्यापक, श्रीपाल वर्मा पूर्व पालिका अध्यक्ष बांगरमऊ, इजहार खां गुड्डू, तथा मीडिया कर्मी एवं कई गणमान्य मौजूद रहे। प्रधान अभिषेक दीक्षित ने अपने भाषण में मुख्य अतिथि से ग्राम पंचायत गंज जलालाबाद के लिए एक कुश्ती संघ से जुड़ा ट्रेनिंग सेंटर की मांग की। इस तरह से पुरुष पहलवान 130 एवं महिला पहलवान 30 ने दंगल मे भाग लिया। मौके पर पहुंचे क्षेत्रीय पहलवान कुश्ती देख कर आए हुए पहलवानो से कुश्ती लड़सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से दुखी शिक्षक आगामी 16 सितम्बर को प्रधानमंत्री को भेजेंगे ज्ञापन. अक्षत पांडेयने मे असफल रहे।

सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से दुखी शिक्षक आगामी 16 सितम्बर को प्रधानमंत्री को भेजेंगे ज्ञापनः अक्षत पांडेय

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक शिक्षक भवन में संगठन के प्रदेश कोषाध्यक्ष शिव शंकर पांडेय की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

प्रदेश कोषाध्यक्ष शिव शंकर पांडेय ने सदन को सम्बोधित करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा गुप.चुप तरीके से सेवारत शिक्षकों की सेवारत शर्तों में किए गए संशोधन और सुप्रीम कोर्ट द्वारा उसे बाध्यकारी किए जाने से आहत शिक्षकों की यह आपात बैठक बुलाई गयी है। केन्द्र सरकार द्वारा सेवा शर्तों में संशोधन किए जाने और सुप्रीम कोर्ट द्वारा इसे बाध्यकारी किए जाने से शिक्षक समाज हतप्रभ है। शिक्षक के समक्ष आज आजीविका का संकट खडा हो गया है, सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से दुखी शिक्षक आगामी 16 सितम्बर को प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारीए हरदोई को सौंपेंगे। जिलाध्यक्ष अक्षत पांडेय ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा गुप-चुप तरीके से किए गए संशोधन से देश भर में 10 लाख से अधिक सरकारी शिक्षकों के समक्ष बेरोजगारी का संकट खडा हो गया है। शिक्षक की भर्ती के जब भी, जो भी मापदण्ड सरकार द्वारा तय किए गए उनका पालन करते हुए शिक्षक भर्ती हुआ है। शिक्षक अपनी आजीविका के लिए क्रमबद्ध लडाई लडेगा। इस निर्णय से शिक्षक दु:खी एवं चिन्तित है, केन्द्र सरकार से लडाई लडी जाएगी। सरकार की मंशा शिक्षक समाज को तबाह करने की है। भारत सरकार द्वारा टीईटी को लेकर बनाये गये कानून के क्रम में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गये निर्णय से देश भर के लगभग 10 लाख से अधिक सरकारी शिक्षकों के सामने दो वर्ष बाद सेवा से बाहर किए जाने का खतरा उत्पन्न हो गया है। जिलाध्यक्ष अक्षत पांडेय ने कहा कि हम प्रधानमंत्री एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्री से अनुरोध करते हैं कि शिक्षकों के साथ न्याय करने की घोषणा करें, उनकी घोषणा ही शिक्षकों के लिए वास्तविक सम्मान होगा। बार-बार सरकार दवारा शिक्षको का अपमान किया जा रहा है और इस बार तो अपमान की कड़ी मे आखिरी कील ठोकने का कार्य टेट सभी के लिए अनिवार्य करके किया गया है और आपके अस्तिव को ही खतम करने की तैयारी कर ली गयी है। 20-25 साल से पढ़ा रहे शिक्षको से अब कहा जा रहा है की आप अपनी दक्षता साबित करे इससे बड़ा कोई अपमान हो सकता है क्या आपका? निर्णय भले सुप्रीम कोर्ट का है पर सारी रूप रेखा सरकार ने ही बनाई है। शिक्षको ने भी अपने इस अपमान का विरोध करने का फैसला अब कर लिया है। बैठक में जिला मंत्री विपिन सिंह, कोषाध्यक्ष गजेंद्र प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष ललित शुक्ला, नीरज अवस्थी, नीता गुप्ता, अनंत राम पांडेय, राजकुमार मिश्रा, हिमांशु श्रीवास्तव, विवेक मिश्रा, रूपेश अवस्थी, अनुराग अवस्थी, देवेंद बाजपेयी, संदीप त्रिवेदी, ओम कटियार, अमित पांडे, राधेश्याम सिंह, विवेक यादव, संतोष पटेल, प्रशुभ सिंह, क्षितिज़ मिश्रा, रमेश कुमार, मानवेद्र मिश्रा, अनिल कुमार, आशीष सिंह, धर्मेंद्र कुमार, निष्कर्ष चंदेल, मोहित तिवारी आदि उपस्थित रहे।

बंगाल चुनाव से पहले सांप्रदायिकता की खुराक

ताशकंद फाइल्स और कश्मीर फाइल्स जैसी फिल्मों के कारण विवादों में रहने वाले फिल्म निर्माता निर्देशक विवेक अग्निहोत्री अपनी नयी फिल्म बंगाल फाइल्स के कारण फिर चर्चा में हैं। श्री अग्निहोत्री की पहले की फिल्मों की तरह ही ये फिल्म भी वर्तमान की किसी घटना के साथ इतिहास के संदर्भ को जोड़ते हुए आगे बढ़ती है। हर बार की तरह इस बार भी बड़ी मासूमियत के साथ सांप्रदायिकता की नयी खुराक दर्शकों को पिलाने की कोशिश की गई है। हालांकि कुछ वक्त पहले ही इसी तरह की एक और फिल्म उदयपुर फाइल्स को दर्शकों ने नकार दिया था। जबकि उसके निर्माता-निर्देशक ने भी फिल्म के प्रचार में कोई कमी नहीं छोड़ी थी। उदयपुर में कन्हैयालाल नाम के दर्जी की नृशंस हत्या पर फिल्म बनाई गई थी, इसलिए उनके बेटों को सिनेमा हॉल में बिठाकर उनकी रोते हुई तस्वीरें और वीडियो भी सामने आए। लेकिन फिर भी फिल्म नहीं चली। कुछ ऐसा ही हाल बंगाल फाइल्स का भी रहा। पांच सितंबर को जब फिल्म प्रदर्शित हुई तो खास कलेक्शन नहीं आया, लेकिन इसके बाद सोशल मीडिया पर फिल्म के कई दृश्य प्रसारित किए गए और बताया गया कि फलाने दृश्य ने तहलका मचा दिया, ढिकाने दृश्य में गजब का अभिनय है। शायद इसी के कारण सप्ताहांत पर फिल्म की कमाई थोड़ी बढ़ी है। जिस तरह कश्मीर फाइल्स बनाकर विवेक अग्निहोत्री विदेशों में सैर सपाटा करते, रील बनाते दिखाई दिए थे, हो सकता है इस बार का मुनाफा भी उनके जीवन में मौज मस्ती के कुछ और आयाम जोड़ दे। आखिर में वे फिल्में समाजसेवा के लिए तो बना नहीं रहे हैं, उनका मकसद कमाई करना है जिसमें वे सफल हो रहे हैं। अब सोचना समाज को है कि इसमें उसे क्या नुकसान हो रहा है। प.बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं और भाजपा अब तक जिस काम में सफल नहीं हो पाई है, उसे वो इस बार पूरा करना चाहती है। पहले वाममोर्चे की सरकार थी और भाजपा की कमान अटल जी, आडवानी जी के हाथों में थी, तो प.बंगाल में भाजपा को कोई सफलता नहीं मिली। नरेन्द्र मोदी के आने के बाद भाजपा और संघ को यह खुशफहमी हुई कि जिस तरह मोदी लहर पूरे देश में कामयाब रही, प. बंगाल में भी इस पर सवार होकर भाजपा सत्ता तक पहुंच ही जाएगी। लेकिन ममता बनर्जी के कारण यह संभव नहीं हो पाया। पिछले चुनाव में श्री मोदी ने दीदी ओ दीदी कहकर बंगाल की सभ्यता, संस्कृति सबको चुनौती दी थी, शक्तिपूजक इस समाज को एक महिला मुख्यमंत्री और नेता के लिए यह अशोभनीय संबोधन रास नहीं आया। लिहाजा भाजपा हार गई। हालांकि उसकी ताकत में थोड़ा इजाफा हुआ, क्योंकि अघोषित तरीकों से ममता बनर्जी के करीबियों को भाजपा अपने खेमे में न केवल ले आई, बल्कि उन्हें ऊंचा ओहदा भी दे दिया। अब यही लोग ममता बनर्जी को चुनौती दे रहे हैं। इधर भाजपा ने दूसरे तरीके भी अख्तियार करने शुरु कर दिए हैं। एसआईआर को करवाने की तैयारी हो चुकी है, हालांकि ममता बनर्जी ने जिस तरह विधानसभा में वोट चोरी के मुद्दे पर मोदी सरकार को घेरा है, उसके बाद बिहार की तरह बंगाल में खेल करना थोड़ा कठिन हो सकता है। इसलिए अब भाजपा अपने चिर परिचित पैंतरे सांप्रदायिक नफरत पर उतर आई है। बीते कई दिनों से बांग्लादेशी घुसपैठियों का मुद्दा भाजपा ने उठा कर रखा है। हालांकि इसमें पहला सवाल गृहमंत्री अमित शाह से ही होता है कि सीमाओं की सुरक्षा आपकी जिम्मेदारी है, फिर किसी भी राज्य में आप घुसपैठियों के लिए विपक्षी दलों पर उंगली किस तरह उठा सकते हैं। लेकिन ऐसे सवालों से बेपरवाह भाजपा बांग्लादेशी घुसपैठियों के मुद्दे पर कार्रवाई करती जा रही है, जिसमें सबसे ज्यादा असर गरीब तबके के, कामगार अल्पसंख्यकों पर पड़ रहा है। कई जगह तो ऐसे प्रसंग भी आए जिसमें बांग्ला बोलने वालों पर ही शक किया जा रहा है। अब पुलिस प्रशासन की ऐसी क्षुद्र बुद्धि पर तरस खाएं या नाराज हों, जो दूसरे धर्म या भाषाओं को लेकर इतने शक्की हो चुके हैं कि यह भी भूल गए कि बांग्ला इस देश की संविधानसम्मत भाषाओं में से एक है।

हर बार की तरह इस बार भी बड़ी मासूमियत के साथ सांप्रदायिकता की नयी खुराक दर्शकों को पिलाने की कोशिश की गई है। हालांकि कुछ वक्त पहले ही इसी तरह की एक और फिल्म उदयपुर फाइल्स को दर्शकों ने नकार दिया था। जबकि उसके निर्माता-निर्देशक ने भी फिल्म के प्रचार में कोई कमी नहीं छोड़ी थी। उदयपुर में कन्हैयालाल नाम के दर्जी की नृशंस हत्या पर फिल्म बनाई गई थी, इसलिए उनके बेटों को सिनेमा हॉल में बिठाकर उनकी रोते हुई तस्वीरें और वीडियो भी सामने आए।

'द बंगाल फाइल्स': इतिहास का वो सच, जो हमें कभी नहीं बताया गया

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

'द बंगाल फाइल्स' महज एक फिल्म नहीं है, यह भारत के इतिहास की उस रक्तरंजित सच्चाई का आईना है जिसे दशकों तक छुपाया गया। यहां तक कि अध्ययन के स्तर पर कभी किसी स्कूल की पढ़ाई में तमाम इतिहास के किरादारों एवं घटनाओं के पठन-पाठन के बीच कभी यह सच नहीं बताया गया कि कैसे भारत का रक्त रंजित हिन्दू हत्याओं का इतिहास है। इसके उलट हमारे समाज को बार-बार यह भ्रम दिया गया कि हम एक शांतिपूर्ण, धर्मनिरपेक्ष और सभ्य देश में जी रहे हैं। दरअसल, यह भ्रम इतना गहरा बैठा है कि पीढ़ियाँ यह मानकर बड़ी हुईं कि इतिहास मे जो कुछ हिंसा हुई वह तो आपसी दुश्मनी या सत्ता प्राप्ति के लिए था, फिर भी जो थोड़े-बहुत जख्म थे, वह भर चुके हैं। लेकिन यह फिल्म उस नकली पट्टी को हटाती है और दिखाती है कि घाव आज भी रिस रहा है। जब कोई दर्शक इसे देखता है तो उसकी प्रतिक्रिया मनोरंजन की नहीं बल्कि आत्ममंथन की होती है। वह तालियाँ नहीं बजाता, बल्कि चुप हो जाता है, क्योंकि स्क्रीन पर दिख रहा दर्द महज कल्पना नहीं बल्कि इतिहास का जीवित दस्तावेज है। भारत का विभाजन केवल राजनीतिक समझौता नहीं था, यह मानव इतिहास का सबसे बड़ा जबरन विस्थापन था। 1947 में लगभग एक करोड़ चौबीस लाख लोग अपनी जमीन-जायदाद छोड़कर पलायन के लिए मजबूर हुए। आधिकारिक आँकड़े बताते हैं कि दस से बीस लाख लोग इस विभाजन की हिंसा में मारे गए। लेकिन इन आँकड़ों के पीछे जो पीड़ा छिपी है, उसका कोई हिसाब नहीं। लाखों स्त्रियाँ अपमानित हुईं, हजारों बच्चों का भविष्य अंधेरे में डूब गया। इतिहास में इस रक्तपात की जड़ें 16 अगस्त 1946 को बोई गईं, जब मुस्लिम लीग ने डायरेक्ट ऐक्शन डे घोषित किया। कोलकाता की सड़कों पर उस दिन से शुरू हुई हिंसा ने तीन दिनों में कम-से-कम 10,000 लोगों की जान ले ली। ब्रिटिश प्रशासन की रिपोर्टों और 'द स्टेट्समैन' जैसे अखबारों के समकालीन विवरणों से यह साफ है कि यह नरसंहार योजनाबद्ध था। लगभग डेढ़ लाख लोग विस्थापित हुए और हिंदू बहुल बस्तियाँ राख में बदल गईं। इसे ही इतिहास ने ग्रेट कलकत्ता किलिंग का नाम दिया। अभी यह जख्म ताजा ही था कि अक्टूबर 1946 में नोआखाली में और भी भयावह घटनाएँ घटीं। यह क्षेत्र आज बांग्लादेश का हिस्सा है। वहाँ पर सुनियोजित तरीके से हिंदुओं के गाँवों पर हमला किया गया। सैकड़ों गाँव जलाए गए, हजारों महिलाओं का जबरन धर्मांतरण किया गया और बलात्कार तो सामान्य वारदात बन गए। आँकड़े बताते हैं कि केवल कुछ ही हफ्तों में लगभग 1000 हिंदुओं की हत्या की गई और लगभग 70,000 से अधिक लोग बेघर हो गए। जिन स्त्रियों को जबरन मुसलमान बनाया गया, उनकी संख्या आज भी अज्ञात है क्योंकि पीड़ित परिवारों ने सामाजिक कलंक के डर से कभी अपनी कहानी दर्ज नहीं कराई। गाँधी जी वहाँ पहुँचे, उन्होंने उपवास किया, प्रवचन दिए, लेकिन पीड़ितों की पीड़ा पर कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया। वस्तुतः फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' इन घावों को याद कराती है और हमें बताती है कि इतिहास के ये अध्याय हमारे सामूहिक स्मृति से मिटा दिए गए। यह सब एकबारगी घटनाएँ नहीं थीं। 1947 के विभाजन में पंजाब और बंगाल दोनों जगहों पर नदियाँ खून से लाल हो गईं। आधिकारिक रूप से दस से बीस लाख लोग मारे गए, लेकिन कई स्वतंत्र इतिहासकार मानते हैं कि यह संख्या तीस लाख तक भी हो सकती है। 1947 से 1951 के बीच लगभग 72 लाख हिंदू और सिख भारत आए जबकि उतने मुसलमान पाकिस्तान नहीं गए। यह आँकड़े बताते हैं कि पलायन कितना असमान और हिंसक था। इतिहास की यह क्रूरता यहीं नहीं रुकी। 1971 में जब पाकिस्तान ने पूर्वी पाकिस्तान के लोगों पर 'ऑपरेशन सर्चलाइट' चलाया तो यह मानवता के इतिहास का एक और बड़ा नरसंहार बना। अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के अनुमान के अनुसार 20 से 30 लाख लोग मारे गए। इनमें बड़ी संख्या हिंदुओं की थी। लगभग 2 से 4 लाख महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ। करीब एक करोड़ लोग भारत में शरण लेने आए, जिनमें से अधिकांश बंगाल और त्रिपुरा में बसे। यह विस्थापन आज भी उन इलाकों के सामाजिक ढाँचे पर बोझ है। लेकिन हमारी किताबों में इसे एक युद्ध का परिणाम कहकर दबा दिया गया, जैसे यह कोई सामान्य घटना हो। इतिहास की इस लड़ी में 1990 का कश्मीरी हिंदुओं का पलायन भी शामिल है। आँकड़े बताते हैं कि उस समय घाटी में लगभग 3.5 लाख हिंदू रहते थे। देखते-देखते आतंक और हिंसा के चलते 95 प्रतिशत लोग अपने घर छोड़कर भागे। सरकारी आँकड़े कहते हैं कि लगभग 1000 लोग मारे गए, लेकिन कश्मीरी पंडित संगठनों का दावा है कि वास्तविक संख्या कई गुना अधिक थी। महिलाओं के साथ बलात्कार, बच्चों की हत्याएँ और भयावह धमकियाँ इस पलायन के पीछे थीं। यह सब कुछ उसी सिलसिले का हिस्सा था जो 1946 में बंगाल से शुरू हुआ था। 'द बंगाल फाइल्स' इस पूरे सिलसिले को जोड़ती है। यह कहती है कि कट्टरपंथ अगर आपके आसपास पनप रहा है, तो यह मत सोचिए कि यह केवल किसी और की समस्या है। परसों बंगाल की बारी थी, कल कश्मीर की थी और कल को शायद आपकी बारी हो। यही संदेश इस फिल्म को महज मनोरंजन से आगे बढ़ाकर सामाजिक चेतावनी बनाता है। फिल्म का केंद्रीय पात्र भारती बनर्जी दरअसल उस आहत भारतमाता का प्रतीक है जो बार-बार लहूलुहान होती रही। पल्लवी जोशी का अभिनय इसे जीवंत बना देता है। दर्शक यह महसूस करता है कि यह केवल एक स्त्री की नहीं, बल्कि एक सभ्यता की पीड़ा है। फिल्म में गोपाल पाठा जैसे भूले हुए नायकों का उल्लेख है, जिनका नाम हमारे बच्चों ने कभी नहीं सुना। स्कूलों की किताबों में यह जगह ही नहीं पा सके। क्यों? क्योंकि जिन इतिहासकारों ने किताबें लिखीं, उन्होंने वामपंथी दृष्टिकोण से प्रेरित होकर एकपक्षीय आख्यान गढ़ा। फिल्म के संवाद भी आँकड़ों की तरह कठोर और सच्चाई से भरे हैं। जब एक अफसर अपने वरिष्ठ से पूछता है कि ळक्यों हर अपराध को हिंदू-मुस्लिम का रंग देकर दबा दिया जाता है? तो यह सवाल केवल इतिहास का नहीं, बल्कि आज का भी है। हम हर समस्या को सांप्रदायिक कहकर टाल देते हैं और असली मुद्दे को छुपा देते हैं। यही कारण है कि यह फिल्म हमें असहज करती है। यह हमारी उस नकली आत्म-छवि को तोड़ देती है जिसमें हम मानते हैं कि सब कुछ ठीक है। 'द बंगाल फाइल्स' यही सवाल पूछती है। यह याद दिलाती है कि भारत का विभाजन केवल भौगोलिक नहीं था, यह सभ्यता और अस्मिता पर किया गया घाव था। गाँधी जी की नीतियों से लेकर कंग्रेस नेताओं की अधीरता तक, और वामपंथी इतिहासकारों की चुप्पी से लेकर मीडिया की अनदेखी तक, हर मोड़ पर हिंदुओं के नरसंहार को दबाने की कोशिश हुई। फिल्म यह भी दिखाती है कि यह हिंसा कोई एक बार की घटना नहीं, यह आज भी लगातार अनवरत किसी न किसी रूप में जारी है। यह भी याद रखना होगा कि दुनिया में जब-जब सच सामने आया है, समाज और संवेदनशील हुआ है। जर्मनी ने यहूदी नरसंहार की सच्चाई स्वीकार की, तभी वह आत्ममंथन कर सका। अमेरिका ने अश्वेतों और मूल निवासियों पर हुए अत्याचारों को स्वीकार किया, तभी सुधार संभव हुआ। भारत अगर अपने अतीत का सच नहीं देखेगा, तो वह भविष्य की त्रासदियों से कैसे बचेगा? 'द बंगाल फाइल्स' की सिनेमैटोग्राफी और संगीत दर्शक को उसी समय में खींच ले जाते हैं। जब बैकग्राउंड में पुराने बांग्ला गीत बजते हैं और दृश्य में जली हुई बस्तियाँ दिखती हैं तो लगता है कि हम इतिहास के पन्ने नहीं, बल्कि उस समय के बीचोबीच खड़े हैं। अनुपम खेर, मिथुन चक्रवर्ती, दर्शन कुमार जैसे कलाकारों का अभिनय इस संदेश को और गहरा बना देता है। लेकिन इस फिल्म की असली ताकत यह है कि यह केवल इतिहास की बात नहीं करती। यह वर्तमान और भविष्य को भी जोड़ती है। यह कहती है कि अगर समाज समय रहते सचेत नहीं हुआ, तो वही त्रासदी बार-बार लौटेगी। यह हमें चेतावनी देती है कि कट्टरपंथ को अनदेखा करना आत्मघाती है। राजेश खेरा, नमाशी चक्रवर्ती, मोहन कपूर, शाश्वत चटर्जी, सिमरत कौर समेत सभी कलाकारों ने अपने रोल के अनुसार बहुत अच्छा काम किया है, फिल्म के सभी पात्र अंत तक अपने किरदार में बने रहे हैं। और हर कोई किरदार आज की पीढ़ी को यह साफ संकेत और संदेश दे रहा है कि अब करना क्या है। आज हमें यह तय करना है कि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को कौन-सा भारत सौंपेंगे। क्या हम उन्हें वही झूठ बताएँगे कि सब कुछ शांतिपूर्ण है? या हम उन्हें सच बताएँगे ताकि वे सजग रहें? आँकड़े साफ कहते हैं कि लाखों लोग मारे गए, करोड़ों विस्थापित हुए और असंख्य स्त्रियाँ अपमानित हुईं। यह सब केवल इसलिए हुआ क्योंकि समाज समय रहते सचेत नहीं हुआ। 'द बंगाल फाइल्स' हमें यही बताती है कि यह महज एक फिल्म नहीं, इससे कहीं आगे इतिहास की जलती हुई चिंगारी है। यह हमें झकझोरती है, असहज करती है और चेतावनी देती है। यह कहती है कि अगर हमने समय रहते कट्टरपंथ का निर्मूलन नहीं किया, तो अगली बारी हमारी ही होगी। यही इस फिल्म का असली सबक है और यही इसकी विरासत भी है। यह हमें बताती है कि अगर हम अपनी आँखें मूँदे रहे, तो वही त्रासदी दोहराई जाएगी। समाज को चाहिए कि वह इस फिल्म को केवल एक कहानी न समझे। इसे चेतावनी की तरह देखे, सबक की तरह अपनाए।

बदलते वैश्विक परिदृश्य में विदेशी भाषाएं

विवेक रंजन श्रीवास्तव

भाषाओं की वैश्विक स्थिति पर नज़र डालें तो अंग्रेजी अभी भी सर्वाधिक प्रभावशाली है, जिसे लगभग 150 करोड़ लोग या तो मातृभाषा के रूप में या दूसरी भाषा के रूप में बोलते हैं। यह शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और व्यवसाय की केंद्रीय भाषा है।

मानव सभ्यता की प्रगति में भाषा का महत्व उतना ही है जितना प्राणों के लिए श्वास का। भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं बल्कि वह वहन करती है संस्कृति, ज्ञान और वैश्विक अवसरों को। आज जब दुनिया के राष्ट्र सीमाओं से परे एक दूसरे से व्यापार, तकनीकी सहयोग और सांस्कृतिक आदान प्रदान में बंध रहे हैं, तब भाषाई दक्षता किसी भी समाज के लिए महाशक्ति बनने का पहला सोपान बन जाती है। हिंदी भाषियों के लिए यह अवसर और चुनौती दोनों है कि वे अपनी मातृभाषा की गरिमा बनाए रखते हुए वैश्विक भाषाओं की समझ हासिल करें। अंग्रेजी तो अब तक वैश्विक स्तर पर कामकाज की अनिवार्य भाषा बन चुकी है किंतु केवल उसी पर टिके रहना पर्याप्त नहीं है, क्योंकि विश्व राजनीति और अर्थशास्त्र की धुरी अब बहुध्रुवीय हो चुकी है। भाषाओं की वैश्विक स्थिति पर नज़र डालें तो अंग्रेजी अभी भी सर्वाधिक प्रभावशाली है, जिसे लगभग 150 करोड़ लोग या तो मातृभाषा के रूप में या दूसरी भाषा के रूप में बोलते हैं। यह शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और व्यवसाय की केंद्रीय भाषा है। लेकिन संख्यात्मक दृष्टि से देखें तो चीनी भाषा मंदारिन इस समय दुनिया की सबसे बड़ी भाषा है, जिसके बोलने वालों की संख्या लगभग 110 करोड़ है। मंदारिन चीन की आर्थिक शक्ति के साथ मिलकर एक अनिवार्य भाषा बन चुकी है, विशेषकर उन लोगों के लिए जो व्यापार और विनिर्माण क्षेत्र में चीन से जुड़ना चाहते हैं। इसके अतिरिक्त जापानी भाषा भी तकनीकी और शोध क्षेत्र में अपनी मजबूती रखती है। जापान का ऑटोमोबाइल, रोबोटिक्स और इलेक्ट्रॉनिक्स में वैश्विक वर्चस्व इस भाषा को विशेष महत्व देता है। जापानी भाषा को लगभग 12 करोड़ लोग बोलते हैं और दुनिया भर की तकनीकी कंपनियों में इसके जानकारों की मांग निरंतर बनी हुई है। इसी प्रकार जर्मन भाषा यूरोप में विज्ञान और दर्शन की धरोहर लेकर चलती है। जर्मनी यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और इंजीनियरिंग,ऑटोमोबाइल तथा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी है। लगभग 9.5 करोड़ लोग जर्मन बोलते हैं और जर्मनी की विश्वविद्यालय प्रणाली विदेशी छात्रों को आकर्षित करती है। रूस की भाषा रूसी भी संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक भाषाओं में है, जिसे लगभग 25 करोड़ लोग बोलते हैं। रूस की ऊर्जा नीति,अंतरिक्ष अनुसंधान और सामरिक दृष्टि से रूसी भाषा का महत्व कभी कम नहीं होता। कोरियन भाषा भी धीरे धीरे अपना प्रभाव बढ़ा रही है। दक्षिण कोरिया की इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर और मनोरंजन उद्योग ने कोरियन भाषा को एक नए स्तर पर पहुँचा दिया है। लगभग 8 करोड़ लोग कोरियन बोलते हैं और विश्वभर में के पॉप और के ड्रामा के कारण इसके सीखने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। हिंदी स्वयं विश्व की तीसरी सबसे बड़ी भाषा है, जिसे लगभग 60 करोड़ लोग मातृभाषा के रूप में बोलते हैं और यदि उर्दू समेत हिंदी पट्टी के रूपांतरों को जोड़ दिया जाए तो यह संख्या और भी अधिक हो जाती है। संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक भाषाओं में हिंदी को स्थान दिलाने का अभियान वर्षों से चल रहा है। किंतु हिंदी भाषियों के लिए केवल अपनी भाषा में सीमित रहना पर्याप्त नहीं है। वैश्विक नौकरी, व्यापार और तकनीकी क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा के लिए अंग्रेजी के साथ साथ चीनी, जापानी, जर्मन, रूसी और कोरियन भाषाओं का ज्ञान अनिवार्य हो चुका है। आज दुनिया भर के विश्वविद्यालय इन भाषाओं को औपचारिक पाठ्यक्रम के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। जापान फाउंडेशन, गोएथे इंस्टिट्यूट, कन्फ्यूशियस इंस्टिट्यूट, रशियन कल्चरल सेंटर जैसे संस्थान विदेशी छात्रों को इन भाषाओं में प्रशिक्षित कर रहे हैं। भारत में भी कई विश्वविद्यालयों और निजी संस्थानों ने विदेशी भाषाओं के विभाग स्थापित किए हैं। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, पुणे विश्वविद्यालय आदि में विदेशी भाषाओं के संकाय सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। इसके अलावा ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफार्म जैसे कोर्सेरा, डुओलिंगो और एडएक्स ने विदेशी भाषाओं को सीखना और भी सुलभ बना दिया है। इन संस्थानों के आंकड़े बताते हैं कि हाल के वर्षों में भारतीय छात्रों में जर्मन और जापानी भाषाएं सीखने की प्रवृत्ति विशेष रूप से बढ़ी है, जबकि व्यापारिक समुदाय चीनी भाषा सीखने की ओर झुकाव दिखा रहा है। इस परिप्रेक्ष्य में यदि आर्थिक दृष्टि से देखें तो भारत का व्यापारिक संतुलन एशिया के देशों के साथ तेजी से बढ़ रहा है। चीन, जापान और कोरिया भारत के प्रमुख व्यापारिक साझेदार हैं। यूरोप में जर्मनी भारत का सबसे बड़ा सहयोगी है और रूस के साथ भी ऊर्जा तथा रक्षा के क्षेत्र में सहयोग लगातार बना हुआ है। ऐसे में केवल अंग्रेजी जानने वाले भारतीय कारोबारी और तकनीकी पेशेवर उन अवसरों को खो देते हैं जो प्रत्यक्ष संवाद के अभाव में उनके हाथ से निकल जाते हैं। कई बार यह अनुभव किया गया है कि विदेशी व्यापार वार्ता में जब आप सामने वाले की भाषा में एक वाक्य भी बोलते हैं तो उसका असर किसी बड़े समझौते से कम नहीं होता। यह केवल व्यापार नहीं बल्कि विश्वास का सेतु भी है। तकनीकी दृष्टि से भी भाषाई कौशल एक रणनीतिक निवेश है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और नैनो टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में जापान और कोरिया अग्रणी हैं। यदि भारतीय इंजीनियर और शोधार्थी जापानी और कोरियन भाषा में दक्ष हो जाएं तो उन्हें इन देशों में रोजगार और शोध के अवसर आसानी से प्राप्त होंगे। इसी तरह चीन के विनिर्माण उद्योग और जर्मनी की मशीन निर्माण तकनीक में प्रवेश करने के लिए संबंधित भाषाओं की समझ अनिवार्य है। रूस की अंतरिक्ष तकनीक और ऊर्जा संसाधन के साथ सहयोग हेतु रूसी भाषा का महत्व स्पष्ट है। यहां यह भी ध्यान देना आवश्यक है कि भाषा केवल रोजगार या व्यापार का औजार नहीं बल्कि संस्कृति और कूटनीति का सेतु भी है। कोरियन भाषा सीखने वाले युवा केवल नौकरी के अवसर नहीं पा रहे बल्कि वे कोरियन संगीत और संस्कृति को आत्मसात कर रहे हैं। जापानी भाषा जानने वाले छात्र केवल तकनीकी नहीं बल्कि जापान के अनुशासन और सौंदर्यबोध को भी अनुभव कर रहे हैं। जर्मन भाषा सीखने वाले विद्यार्थी न केवल विज्ञान और दर्शन तक पहुंच बना रहे हैं बल्कि गेटे और काफ्का जैसे साहित्यकारों की मौलिकता से परिचित हो रहे हैं। इस सबका विश्लेषण हमें यह सिखाता है कि हिंदी भाषियों को केवल अंग्रेजी पर निर्भर न रहकर वैश्विक भाषाओं का ज्ञान अर्जित करना चाहिए। इससे वे न केवल रोजगार के अवसर प्राप्त करेंगे बल्कि विश्व राजनीति, अर्थशास्त्र और संस्कृति की धारा में सक्रिय भागीदारी निभा सकेंगे। आंकड़ों के अनुसार यदि हिंदी भाषी युवाओं का मात्र दस प्रतिशत भी वैश्विक भाषाओं में दक्ष हो जाए तो भारत की वैश्विक पकड़ कहीं अधिक मजबूत हो जाएगी। अतः आज आवश्यकता है कि हिंदी भाषी समाज बहुभाषी समाज के रूप में विकसित हो। अपनी मातृभाषा को आत्मगौरव के साथ संभालते हुए अंग्रेजी, जापानी, रूसी, जर्मन, चीनी और कोरियन भाषाओं को सीखना और सिखाना हमारी शैक्षणिक और सांस्कृतिक नीति का हिस्सा होना चाहिए। यह वह निवेश है जो आने वाले दशकों में भारत को वैश्विक नेतृत्व की ओर ले जाएगा। एक बहुभाषी हिंदी भाषी समाज न केवल आर्थिक समृद्धि की गारंटी देगा बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखने में भी सक्षम होगा। यह एक ऐसा भविष्य होगा जहां हिंदी का गौरव सुरक्षित रहेगा और वैश्विक भाषाओं की समझ हमें विश्व नागरिक बनने की सामर्थ्य देगी।

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस

ललित गर्ग

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर साल लगभग 7.2 लाख लोग आत्महत्या करते हैं। यह सिर्फ व्यक्तिगत त्रासदी नहीं बल्कि सामाजिक, भावनात्मक और आर्थिक संकट भी है। 15 से 29 वर्ष की आयु वर्ग में मृत्यु का चौथा सबसे बड़ा कारण आत्महत्या है। यही वजह है कि हर साल 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है। 2024 से 2026 तक इसकी थीम चेंजिंग द नैरेटिव ऑन सुसाइड रखी गई है, जिसका उद्देश्य है आत्महत्या पर खामोशी तोड़कर इसे एक निष्क्रिय विषय से संवाद और सहयोग का सक्रिय विषय बनाना।

दुनिया में आत्महत्या आज एक गहरी एवं विडम्बनापूर्ण वैश्विक चुनौती बन चुकी है। हर साल लाखों लोग अपनी ही जिंदगी से हार मान लेते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर साल लगभग 7.2 लाख लोग आत्महत्या करते हैं। यह सिर्फ व्यक्तिगत त्रासदी नहीं बल्कि सामाजिक, भावनात्मक और आर्थिक संकट भी है। 15 से 29 वर्ष की आयु वर्ग में मृत्यु का चौथा सबसे बड़ा कारण आत्महत्या है। यही वजह है कि हर साल 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है। 2024 से 2026 तक इसकी थीम चेंजिंग द नैरेटिव ऑन सुसाइड रखी गई है, जिसका उद्देश्य है आत्महत्या पर खामोशी तोड़कर इसे एक निष्क्रिय विषय से संवाद और सहयोग का सक्रिय विषय बनाना। आत्महत्या पर दृष्टिकोण का यह बदलाव आत्महत्या के बारे में लोगों की सोच और बातचीत के तरीके को चुनौती देता है, खुले और ईमानदार संवाद को बढ़ावा देता है जो कलंक को तोड़ता है और समझ को बढ़ावा देता है। आत्महत्या के अलावा जीवन में और भी बेहतर विकल्प हैं। इसके अलावा एक ऐसी समाज-व्यवस्था को बढ़ावा देना है जहां लोग मदद लेने में हिचहिचाए नहीं, बल्कि एक-दूसरे के सहयोग के लिये आगे आये। निश्चित रूप से खुद्कुशी सबसे तकलीफदेह हालात के सामने हार जाने का नतीजा होती है और ऐसा फैसला करने वालों के भीतर वंचना का अहसास, उससे उपजे तनाव, दबाव और दुख का अंदाजा लगा पाना दूसरों के लिए मुमकिन नहीं है। आत्महत्या शब्द जीवन से पलायन का डरावना सत्य है जो दिल को दहलाता है, डराता है, खौफ पैदा करता है, दर्द देता है। आत्महत्या जीवन की सबसे बड़ी त्रासदी है, यह मनुष्य होने के अर्थ और गरिमा को धूमिल करती है। जब जीवन जीने का साहस कमज़ोर पड़ता है तो व्यक्ति निराशा और अंधकार में डूबकर स्वयं को समाप्त करने की ओर बढ़ता है। वैश्विक स्तर पर यह एक गंभीर समस्या है, दुनिया भर से आते नए आंकड़े इस चुनौती की गंभीरता को और उजागर करते हैं। 2021 में अनुमानित 7.27 लाख आत्महत्याएं हुईं और विश्व में हर 43 सेकेंड में कोई एक व्यक्ति खुद्कुशी कर रहा है। 73 प्रतिशत आत्महत्याएं निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों में होती हैं और सबसे अधिक असर युवा और गृहिणियों पर पड़ता है। भारत में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की 2021 की रिपोर्ट बताती है कि आत्महत्या करने वाली महिलाओं में 51.5 प्रतिशत गृहिणियां थीं। आत्महत्या की दर दो दशकों में 7.9 से बढ़कर 10.3 प्रति एक लाख हो गई है। उत्तराखंड जैसे राज्यों में पारिवारिक कलह आत्महत्या का बड़ा कारण है। युवा वर्ग की महत्वाकांक्षा क्षमता से अधिक हो चुकी है, पारिवारिक सामंजस्य खत्म हो गया है, असफलता का डर और तनाव सहने की क्षमता कम हो गई है। यही कारण है कि पढ़ाई के दबाव, नौकरी में असफलता, रिश्तों के टूटने और आर्थिक अभाव से युवा और किशोर आत्महत्या की ओर धकेले जा रहे हैं। भारत में स्थिति और भी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 में भारत में 1,70,924 आत्महत्याएं दर्ज की गईं, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है और आत्महत्या दर 12.4 प्रति लाख जनसंख्या रही। यह दर पिछले वर्षों की तुलना में सर्वाधिक है। इनमें 18 से 45 वर्ष की आयु के लोगों की संख्या दो-तिहाई से अधिक है, जो दर्शाता है कि देश का युवा और कार्यशील वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित है। राज्यवार आंकड़े भी चिंताजनक हैं-सिक्किम में आत्महत्या दर लगभग 43 प्रति लाख रही जबकि बिहार में यह 1 से भी कम है। आत्महत्या के पीछे अनेक सामाजिक, आर्थिक और मानसिक कारण जुड़े हुए हैं। बेरोज़गारी, गरीबी, पारिवारिक कलह, असफल प्रेम, नशे की लत और बीमारियां इसका बड़ा कारण बन रही हैं। मानसिक रोग और अवसाद ने इस समस्या को और गहरा किया है। एनसीआरबी के अनुसार 2018 से 2022 के बीच मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कारणों से आत्महत्या के मामलों में 44 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 2022 के आँकड़े बताते हैं कि आत्महत्या के प्रमुख कारणों में 33 प्रतिशत मामले पारिवारिक समस्याओं से जुड़े थे, लगभग 19 प्रतिशत मामले बीमारियों के कारण हुए, जबकि 6-7 प्रतिशत मामले विवाह सम्बन्धी समस्याओं और 6 प्रतिशत मामले ऋण और कर्ज से संबंधित थे। छात्र आत्महत्या का आंकड़ा भी बड़ा चिंताजनक है-2022 में यह कुल आत्महत्याओं का 7.6 प्रतिशत रहा। वैश्विक स्तर पर भी स्थिति गंभीर है, परंतु भारत में यह और ज्यादा जटिल इसलिए है क्योंकि यहां सामाजिक प्रतिस्पर्धा, उपभोक्तावादी जीवनशैली, परिवार का टूटता हुआ ढांचा और आर्थिक असमानता आत्महत्या की प्रवृत्ति को तेज़ कर रही है। आत्महत्या केवल एक जीवन का अंत नहीं है, बल्कि यह एक पूरे परिवार और समाज की आशाओं का विघटन है। इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए केवल व्यक्तिगत प्रयास पर्याप्त नहीं हैं बल्कि समाज और सरकार दोनों को संयुक्त रूप से कार्य करना होगा। भारत सरकार ने 2017 में मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम पारित करके आत्महत्या प्रयास को अपराध की श्रेणी से बाहर किया और 2020 में 'किरण' नामक राष्ट्रीय हेल्पलाइन शुरू की जो 13 भाषाओं में चौबीसों घंटे सहायता उपलब्ध कराती है। 2022 में राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति बनाई गई जिसका लक्ष्य 2030 तक आत्महत्या दर में 10 प्रतिशत की कमी लाना है। इसमें मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, परामर्श केंद्रों की स्थापना, रोजगार सृजन, परिवारिक संवाद को मजबूत करना, मीडिया की संवेदनशीलता और सामाजिक सहयोग जैसे उपायों पर जोर दिया गया है। साथ ही स्वयंसेवी संस्थाओं और हेल्पलाइन सेवाओं-जैसे आसरा, वंद्रेवाला, समैरिटन्स मुंबई-की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। आत्महत्या को रोकने का सबसे बड़ा उपाय यही है कि व्यक्ति को निराशा के अंधकार में छोड़ने के बजाय उसके जीवन में आशा, साहस और सहयोग का संचार किया जाए क्योंकि कठिनाइयों का समाधान आत्महत्या में नहीं बल्कि संघर्ष, विश्वास और सहारा देने वाले समाज में है। दुनिया का यह दुखद सच यह भी है कि चिकित्सा विज्ञान की प्रगति से बीमारियों से मरने वालों की संख्या घटी है पर आत्महत्या के कारण मरने वालों की संख्या बढ़ी है। भौतिकवादी जीवनशैली, प्रतिस्पर्धा, अवसाद और असंतुलन ने मनुष्य को भीतर से खोखला बना दिया है। प्रसिद्ध कलाकार, जिनका सार्वजनिक जीवन में हंसता खेलता चेहरा दिखाई देता है, कभी अचानक आत्महत्या कर लेते हैं क्योंकि भीतर का अकेलापन और दबाव उन्हें जीने नहीं देता। सवाल यह है कि जिनके पास साधन और सहयोग की कमी नहीं, वे भी क्यों जिंदगी के उतार-चढ़ाव को बर्दाश्त नहीं कर पाते। किसानों की आत्महत्या, आर्थिक तंगी, व्यापार में नुकसान, रिश्तों का टूटना, तलाक और अभाव की स्थिति आत्महत्या की सबसे बड़ी जड़ें हैं। समाज और परिवार का विघटन भी व्यक्ति को असहाय बना देता है। आत्महत्या किसी भी सभ्य समाज के माथे पर कलंक है। टॉयनबी ने ठीक ही कहा है कि कोई भी संस्कृति हत्या से नहीं बल्कि आत्महत्या से मरती है। इस स्थिति को बदलना जरूरी है। सरकारों, संगठनों, समुदायों और परिवारों की जिम्मेदारी है कि वे संवाद और सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा दें। जब कोई व्यक्ति संकट में हो तो परिवार, दोस्त, पड़ोसी और सहकर्मी उसे अकेला न छोड़ें बल्कि उसका हाथ थामें। हमें एक ऐसी सामाजिक संरचना बनानी होगी जहां मदद मांगना कमजोरी नहीं बल्कि साहस माना जाए। जहां तनाव और अवसाद को गंभीरता से समझा जाए और मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता मिले। जहां बच्चों को बचपन से ही संघर्षों से लड़ने की शिक्षा दी जाए और असफलताओं को जीवन का हिस्सा समझने का दृष्टिकोण विकसित किया जाए। आत्महत्या रोकथाम दिवस हमें यही संदेश देता है कि आत्महत्या से बचा जा सकता है, संवाद और सहयोग से जीवन बदला जा सकता है, और हर व्यक्ति को नई शुरुआत का अवसर दिया जा सकता है। यह दिन हमें यह समझाने आता है कि जिंदगी कठिन जरूर है लेकिन जीने के विकल्प हमेशा मौजूद हैं।

सदर विधायक ने किया टैबलेट व स्मार्टफोन का वितरण

- चौधरी खजान सिंह पीजी कॉलेज में आयोजित हुआ समारोह

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। चौधरी खजान सिंह पीजी महाविद्यालय, लोक नगर उन्नाव में मंगलवार को तकनीकी सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत टैबलेट और स्मार्टफोन वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सदर विधायक पंकज गुप्ता रहे। मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ समारोह की शुरुआत हुई। कॉलेज प्रबंध समिति की ओर से सदर विधायक का गुलदस्ता भेंटकर स्वागत किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि यह योजना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी सोच का प्रत्यक्ष प्रमाण है। इसके माध्यम से प्रदेश के युवाओं को डिजिटल युग से जोड़ने और शिक्षा व रोजगार के नए अवसर प्रदान करने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि टैबलेट और स्मार्टफोन के जरिए छात्र-छात्राओं को न सिर्फ पढ़ाई में मदद मिलेगी बल्कि भविष्य में नौकरी ढूंढने में भी आसानी होगी। कार्यक्रम के दौरान सदर विधायक ने छात्र-छात्राओं को टैबलेट और स्मार्टफोन वितरित किए। इस मौके पर निदेशक रविराज यादव, प्राचार्य डॉ. सुधा सिंह, अतुल शुक्ला, सौरभ पटेल, विजय नारायण, स्नेहा त्रिवेदी समेत विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

भाजपा कार्यालय में सेवा पखवाड़ा अभियान का शुभारंभ

उन्नाव। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में मंगलवार को सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश मंत्री एवं जिला प्रभारी अर्चना मिश्रा और सदर विधायक पंकज गुप्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर और दीप प्रज्वलित कर की गई। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी, पूर्व जिलाध्यक्ष अवधेश कटियार, विधायक आशुतोष शुक्ला, विधायक श्रीकांत कटियार, विधायक बृजेश रावत, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष अरुण सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष आनंद अवस्थी, गंगा प्रसाद वर्मा, राधेश्याम रावत, प्रभान शंकर दीक्षित, कोषाध्यक्ष मनीष जायसवाल सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

परियर में विकराल हुई गंगा की बाढ़

उन्नाव। सदर तहसील के परियर क्षेत्र में गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से हालात बिगड़ते जा रहे हैं। गंगा ने विकराल रूप धारण कर लिया है। उन्नाव-कानपुर को जोड़ने वाला परियरऽबिठूर मार्ग कई जगह दो से तीन फीट पानी में डूब गया है। यदि जलस्तर यूं ही बढ़ता रहा तो यह मुख्य मार्ग पूरी तरह प्रभावित हो जाएगा। बाढ़ से परियर क्षेत्र के करीब एक दर्जन गांवों का संपर्क मुख्य मार्ग से कट गया है। इन गांवों में मानाबांग्ला, ललतूपुरवा, महानंदापुरवा, टपरा, अतरी, बहरौला, पनपथा, जुड़ापुरवा, बाबूबंगला और वंदनपुरवा शामिल हैं। आवागमन का एकमात्र साधन अब नाव रह गया है। मंगलवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संगीता सेंगर और खंड विकास अधिकारी ने बाढ़ प्रभावित विद्यालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बाढ़ पीड़ित बच्चों को राहत सामग्री, किताबें, पेन, बिस्कुट और चॉकलेट वितरित किए। निरीक्षण और राहत वितरण के समय न्याय पंचायत प्रभारी गिरीश पांडेय, आनंद यादव, प्रदीप द्विवेदी, करुनेश तिवारी समेत कई शिक्षक भी मौजूद रहे।

एसपी दीपक भूकर ने पुलिस क्लब में किया वॉलीबाल प्रतियोगिता शुभारंभ

- मण्डलीय स्तर पर बालक-बालिकाओं ने दिखाया उत्साह, टीम भावना को बढ़ावा देने पर दिया जोर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बच्चो का उत्साहवर्धन करते एसपी दीपक भूकर

उन्नाव। पुलिस क्लब में मंगलवार को मण्डलीय माध्यमिक विद्यालीय बालक, बालिका (अंडर-14, 17 और 19 आयु वर्ग) वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने किया। उद्घाटन के अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने सभी खिलाड़ियों और आयोजकों से परिचय प्राप्त किया। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेलों में भागीदारी और टीम वर्क की भावना बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है। प्रतियोगिताओं से अनुशासन, आत्मविश्वास और सहयोग की भावना विकसित होती है।

एसपी ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जीत-हार से अधिक महत्वपूर्ण खेल भावना है। सभी खिलाड़ी अपने कौशल का प्रदर्शन करें और जिले का नाम रोशन करें। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों के बालक और बालिका खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। मैचों के दौरान खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। उद्घाटन कार्यक्रम में शिक्षकों, प्रशिक्षकों और अभिभावकों की भी मौजूदगी रही।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय लोक अदालत 13 को

बांदा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार आगामी 13 सितम्बर, 2025 दिन शनिवार को प्रातः 10.00 बजे से आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए आज दीवानी न्यायालय परिसर-बांदा से जनपद न्यायाधीश / अध्यक्ष-जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बांदा देवेन्द्र सिंह-प्रथम द्वारा प्रचार वाहन को हरी झण्डी दिखाकर नगर भ्रमण हेतु रवाना किया गया। प्रचार वाहन भ्रमण का उद्देश्य जनपद व तहसील स्तर पर आगामी 13 सितंबर 25 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत का व्यापक प्रचार-प्रसार कर आमजन / वादकारियों को राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभदिलाया जाना हैं।

रोपित किये गये वृक्षों की जियो टैगिंग शत-प्रतिशत रूप से करायें: डीएम

बांदा। जिलाधिकारी श्रीमती जे.रीभा की अध्यक्षता में कलेक्टेड्रट सभागार में जिला वृक्षारोपण समिति/जिला पर्यावरण समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने वर्ष 2025 में रोपित किये गये वृक्षों की जियो टैगिंग शत-प्रतिशत रूप से कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने ग्राम विकास विभाग को जियो टैगिंग कराये जाने के साथ वृक्षों को सुरक्षित रखे जाने हेतु ध्यान दिये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने एक हेक्टयर भूमि पर कराये गये वृक्षारोपण मर्का, दुरेडी, खप्टिहाकला आदि स्थानों पर वृक्षारोपण के उपरान्त वृक्षों की स्थिति को चेक करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने ग्रामों में ग्रीन चौपाल द्वितीय शनिवार को आयोजित कर पर्यावरण के सम्बन्ध में लोगों को जागरूक किये जाने के निर्देश दिये।

प्रभारी मंत्री ने तटबंध का दौरा कर अधिकारियों को दिए निर्देश

बिजनौर। जनपद के प्रभारी मंत्री/राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने जिला प्रशासन एवं सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि रावली बैराज पर बने तटबंध के कटान को तत्काल रोकने के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों के साथ आवश्यक प्रयास सुनिश्चित करें। किसी भी प्रकार के अतिरिक्त संसाधन की आवश्यकता हो तो तुरंत उन्हें अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा निर्देशित किया गया है कि किसी भी प्रकार से जनहानि नहीं होनी चाहिए। सभी अधिकारी पूरी जिम्मेदारी के साथ तटबंध को मजबूती के साथ निर्मित कराना सुनिश्चित कराएं। प्रभारी मंत्री मंगलवार को अपराह्न 1:30 बजे गंगा बैराज शीश महल में रावली तटबंध की जानकारी प्राप्त करने के बाद विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए निर्देशित कर रहे थे। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि तत्काल दो अतिरिक्त पोकलेन मशीन की व्यवस्था कर तटबंध की मरम्मत के कार्य में लगाएं और किसी भी स्तर पर मरम्मत के कार्य में लापरवाही अथवा शिथिलता न बरती जाए।

एटा में टीनशेड पड़ी दीवार गिरने से वृद्ध दम्पति की मौत, तीन बच्चे गंभीर रूप से घायल

एटा। उत्तर प्रदेश में एटा जनपद के एक गांव में मंगलवार को पुराने मकान की एक दीवार जिस पर टीन शेड पड़ा हुआ था,भरभरा कर गिर गई। हादसे में टीन शेड के नीचे लेटे हुए वृद्ध दंपति की मौत हो गई और उनके तीन नाती गंभीर रूप से घायल हो गए। थाना कोतवाली देहात क्षेत्र अंतर्गत ग्राम न्यौराई निवासी अमर सिंह (65) गांव में अपने पुराने मकान की दीवार पर पड़े टीन-शेड के नीचे पत्नी सरस्वती (60) एवं नाती कार्तिक, कृष्णा (05) सुरेन्द्र (04) के साथ लेटे हुये थे, अचानक भरभरा कर दीवार गिरने से सभी लोग मलबे में दब गये। दीवार गिरने की तेज आवाज होने पर अन्य परिजनों और पड़ोसियों ने मौके पर पहुंचकर दबे हुए पांचों लोगों को बाहर निकाल इलाज हेतु जिला अस्पताल एटा लाया गया, जहां पर उपचार के दौरान अमर सिंह एवं सरस्वती की मृत्यु हो गयी एवं गंभीर रूप से घायल तीनों बच्चों कार्तिक,कृष्णा एवं सुरेन्द्र को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेन्टर आगरा रेफर कर दिया गया है। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय थाना पुलिस एवं जिला प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा मौके पर पहुंचकर घटना के सम्बन्ध में जानकारी ली गयी।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर भड़के शिक्षक

- 16 सितंबर को होगा धरना-प्रदर्शन, पुरवा में बैठक कर बनी रणनीति

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

पुरवा (उन्नाव)। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सभी शिक्षकों के लिए टीईटी (टेट) अनिवार्य करने के आदेश पर शिक्षकों में गहरी नाराजगी है। मंगलवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, पुरवा इकाई की बैठक सुंदर लाल महाविद्यालय, रामापुर में आयोजित हुई। बैठक में न्यायालय के आदेश पर विशेष परिचर्चा हुई और आगामी 16 सितंबर को जिला मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन व ज्ञापन देने की रणनीति बनाई गई।

बैठक में शिक्षकों ने कहा कि वर्ष 2000 के पहले नियुक्त अनेक शिक्षक केवल इंटर पास हैं, कई का स्नातक 45 प्रतिशत से कम है। बीएड डिग्रीधारक टेट पास नहीं हैं। मृतक आश्रितों को नियुक्ति के समय प्रशिक्षण से मुक्त रखा गया था। बीपीएड और डीपीएड को टेट के लिए अयोग्य बताया गया है। उर्दू शिक्षकों को भी टेट से बाहर रखा गया है। ऐसे में टेट अनिवार्य करना आरटीई एक्ट के खिलाफ है। शिक्षकों ने केंद्र सरकार पर 2017 में चुपचाप संशोधन कर टेट अनिवार्य करने का आरोप लगाया।

संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि इस मुद्दे पर माननीय सर्वोच्च न्यायालय में विशेष अपील दाखिल करने की तैयारी चल रही है। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा के आह्वान पर 16 सितंबर को जिला मुख्यालय पर धरना व ज्ञापन देने की योजना तय की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलामंत्री एवं ब्लॉक अध्यक्ष गजेंद्र वर्मा ने की। उन्होंने शिक्षकों की समस्याओं को बिंदुवार रखा और संगठन की पूर्ववर्ती उपलब्धियों की जानकारी दी। तहसील प्रभारी शिवम चौरसिया ने कहा कि यह समय संघर्ष का है, हमें टेट और नॉन-टेट में बंटने की बजाय एकजुट रहकर लड़ाई लड़नी होगी। मंत्री संजय द्विवेदी और कोषाध्यक्ष श्रवण पटेल ने भी विचार रखे। बैठक का संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष विवेक पटेल ने किया। इस दौरान ऊषा वर्मा, सुरंगमा, रेखा देवी, सोनम विमल, सुनीता, पूनम चौरसिया, आसन फातिमा, अखिलेश कुमार सिंह, आशीष कुमार, शशिकांत, अजय चौरसिया, अमित कुमार, रामगोपाल समेत आधा सैकड़ा से अधिक शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

मेडिकल कालेज के डेंटल विभाग में जेआर स्टाफ का आतंक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज जहां गरीब और असहाय मरीजों के लिए एक ओर संजीवनी साबित होता है। वहीं दूसरी ओर नए-नवेले जेआर स्टाफ की करतूतों से राजकीय मेडिकल कालेज दबंगों की दबंगई का अड्डा बन गया। कम पैसे में उचित इलाज का आसरा लेकर गैर जनपद से आयी महिला मरीज के साथ जेआर स्टाफ ने जमकर अभद्रता की। वहां पर मौजूद स्टाफ के अन्य लोगों ने बीच-बचाव कर किसी तरह से मामला शांत कराया। स्टाफ बीच बचाव न करता तो महिला मरीज के साथ मारपीट होना कोई बड़ी बात नहीं होती।

जानकारी के अनुसार हमीरपुर जनपद के सुमेरपुर कस्बे की रहने वाली गरीब महिला बेबी अपना दांतों की सफाई कराने राजकीय मेडिकल कालेज आयीं थी। उनको पहले वरिष्ठ दंत चिकित्सक डा.निधि गुप्ता ने देखा और उनकी दांतों की सफाई कराने के लिए बोला और सरकारी शुल्क जमा करने के लिए स्लिप दे दी। इसके बाद बेबी के साथ आये उनकी बेटी और दामाद ने वह स्लिप काउंटर से में जाकर निर्धारित 267 रूपये की बकायदा रशीद भी बनवा ली। लेकिन जब बेबी पुनः ओटी के जूनियर डाक्टर स्नेहलता के पास गईं तो उन्होंने यह कहकर दांतों की सफाई करने से इंकार कर दिया। आप गुटखा खाती हैं, गुटखा खने वाले मरीजों के दांतों की सफाई नही होती है। इसके बाद मरीज बेबी पुनः डाक्टर निधि के पास अपनी पीड़ा बताने गयीं।

परिवार परामर्श केन्द्र पुलिस टीम और समाजसेवियों ने तीन परिवारों को बिखरने से बचाया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। सामाजिक रिश्तों को बचाने हेतु किये जा रहे प्रयासों के क्रम में परिवार परामर्श केन्द्र बांदा पुलिस टीम और समाजसेवियों द्वारा परिवारिक आपसी झगड़े को समाप्त कराकर सुलह कराते हुए 03 परिवारों को टूटने से बचाया । आवेदिका ममता पुत्री नत्थू निवासी बडोखर खुर्द थाना कोतवाली नगर जनपद बांदा ने अपने पति कमलेश पुत्र रामशरण निवासी देविन नगर थाना नरैनी जनपद बांदा, रजुलिया पुत्री भोला निवासी सिकलोढी थाना बिसंडा ने अपने पति चुन्नु पुत्र केशन निवासी पिपरी मजरा ओरन थाना बिसंडा तथा विनीता वाल्मीकि पुत्री लक्ष्मण निवासी जानकी कुण्ड जनपद सतना (म0प्र0) ने अपने पति दिलीप वाल्मीकि पुत्र होरीलाल निवासी ग्राम मोतियारी थाना नरैनी जनपद बांदा के विरुद्ध प्रार्थना पत्र दिया गया था । जिस पर परिवार परामर्श केन्द्र पुलिस टीम व समाजसेवियों द्वारा पति-पत्नी व उनके परिवारों को बुलाकर व्यक्तिगत व संयुक्त रुप से सुना गया एवं निष्पक्षता से मध्यस्थता की भूमिका निभाई तथा पारिवारिक, भावनात्मक एवं सामाजिक पहलुओं को ध्यान में रखते हुए उनकी समस्याओं का समाधान किया गया।

गर्भवती महिलाओं की डिलीवरी के पश्चात 48 घण्टें तक भर्ती रखा जाए : डीएम

- डीएम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। जिलाधिकारी श्रीमती जे. रीभा की अध्यक्षता में कलेक्टेड्रट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिये कि गर्भवती महिलाओं की डिलीवरी के पश्चात अस्पताल में प्रत्येक दशा में 48 घण्टें तक भर्ती रखा जाए, जिससे उनको बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सके। उन्होंने परिवार नियोजन के कार्य में बबेरू एवं बडोखर खुर्द में प्रगति लाने के निर्देश दिये। एम्बुलेन्स सेवा में समय की उपलब्धता का विशेष ध्यान रखे जाने हेतु निर्देशित किया। जिन स्वास्थ्य केन्द्रों में विद्युत कनेक्शन स्थायी रूप से नही किया गया है, उनमें तत्काल विद्युत कनेक्शन कराया जाए। जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत लाभार्थियों का समय से भुगतान करने एवं ई संजीवनी ओपीडी में तिन्दवारी एवं बिसण्डा में प्रगति लाने के निर्देश दिये।

उन्होंने प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत जीरो पावर्टी एवं 70 वर्ष से अधिक के लाभार्थियों का प्राथमिकता पर आयुषमान कार्ड बनाये जाने के निर्देश दिये। नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रभारी चिकित्सा अधिकारी तिन्दवारी एवं जसपुरा में सम्पूर्ण टीकाकरण कराये जाने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने ड्राप आउट बच्चों का शत्प्रतिशत टीकाकरण कराये जाने हेतु निर्देश दिये। कमजोर बच्चों को चिन्हीकरण के पश्चात एनआरसी सेन्टर में इलाज हेतु भर्ती कराये जाने तथा राष्ट्रीय दृष्टि रोग निवारण कार्यक्रम में ऑपरेशन एवं चश्मों का वितरण कराये जाने हेतु कैम्प आयोजित करने के निर्देश दिये। उन्होंने राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत हाई वर्नरेबल ग्राम पंचायतों एवं अन्य पंचायतों में क्षय रोगी का चिन्हाकंन किये जाने तथा ग्रामों को टीबी मुक्त पंचायत बनाये जाने के निर्देश दिये। परिवार नियोजन कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए विशेष ध्यान दिये जाने के निर्देश प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को दिये। उन्होंने आरआई एवं पेन्टावन के अन्तर्गत जसपुरा में ध्यान दिये जाने के निर्देश दिये। स्कूलों में आरबीएसके टीमों द्वारा बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किये जाने हेतु एक रजिस्टर बनायें एवं टीम के स्कूल में भ्रमण का डीटेल अंकित किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने आरबीएसके टीमों के द्वारा चिन्हित किये गये अति कुपोषित बच्चों को एनआरसी सेन्टर स्वास्थ्य लाभ हेतु भर्ती कराये जाने के सम्बन्ध में प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिये। उन्होंने जननी सुरक्षा योजना एवं संस्थागत प्रसव की समीक्षा करते हुए संस्थागत प्रसव बढाये जाने एवं अवशेष आशाओं का चयन शीघ्र कराये जाने के निर्देश दिये।उन्होंने प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान एवं प्रधानमंत्री मातृत्व वन्दना योजना की समीक्षा करते हुए चिकित्सा अधिकारियों को इन योजनाओं में विशेष ध्यान दिये जाने के निर्देश दिये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार पाण्डेय, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 बिजेन्द्र सिंह, एसीएमओ डॉ0 जय प्रकाश एवं आर एन प्रसाद, सीएमएस डॉ0 सुनीता सिंह, समस्त प्रभारी चिकित्सा अधिकारी सहित सम्बन्धित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एवं चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे।

मंडलायुक्त ने ग्राम पंचायत चिल्ला शहबाजी का किया निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। मण्डलायुक्त प्रयागराज विजय विश्वास पंत ने मंगलवार को ग्राम पंचायत-चिल्ला सहबाजी का निरीक्षण किया। मण्डलायुक्त द्वारा ऑगनबाडी केन्द्र के निरीक्षण के दौरान मौके पर वजन मशीन नहीं पायी गयी। आंगनबाड़ी कार्यकत्री ने अवगत कराया कि वजन माप यंत्र को टीकाकरण स्थल पर ले जाया गया है। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद की सभी आंगनबाड़ी कार्यक्रत्रियों से लिखित प्रमाण-पत्र प्राप्त कर लिया जाय कि उनके द्वारा पोषण टैंकर में भरी गयी समस्त विवरण सही है और रैण्डम आधार पर इसका सत्यापन भी कराया जाय। सत्यापन के दौरान अन्तर पाये जाने पर सम्बन्धित आंगनबाड़ी कार्यकत्री का वेतन अवरुद्ध किया जाय। मण्डलायुक्त ने कम्पोजिट विद्यालय चिल्ला सहबाजी के निरीक्षण के दौरान निपुण तालिका का अवलोकन किया एवं कार्यरत समस्त अध्यापकों को निर्देशित किया कि सितम्बर माह में पाठ्यक्रम के अनुसार प्रत्येक विद्यार्थी के दक्षताओं के अनुसार प्रतिदिन नियमानुसार निपुण तालिका का अवलोकन किया जाय। उन्होंने रसोई घर के निरीक्षण के दौरान मध्यान्ह भोजन में दाल, चावल बना था, जो मीनू के अनुसार सही पाया गया। कक्षा 2 की छात्रा सविता देवी से अंग्रेजी में नाम पूंछा गया। साथ ही उसी कक्षा में अध्ययनरत ऋषि नाम के विद्यार्थी से उसके नाम का अर्थ पूछा गया तो छात्र द्वारा अपने नाम का अर्थ सही बताया गया। इसके बाद मण्डलायुक्त ने ग्राम पंचायत चिल्ला सहबाजी में स्थित मॉडल शॉप के निरीक्षण के दौरान जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया कि वजन मशीन का मापांकन कराया जाय। ग्रामवासियों द्वारा अवगत कराया गया कि ग्राम पंचायत दानियालपुर में कोटा निलम्बित चल रहा है जिसके दृष्टिगत उन्होंने जिला पूर्ति अधिकरी को संज्ञान लेते हुए तत्काल कोटा बहाली के सम्बन्ध में नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने आरोग्य केन्द्र के निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद के समस्त ए.एन.एम. एवं आशा की एम.ओ.आई.सी. प्रत्येक महीने बैठक कर समीक्षा करें।

मण्डलायुक्त ने ग्राम चौपाल लगाकर सुनी ग्रामवासियों की समस्याएं

मण्डलायुक्त ने चिल्ला सहबाजी में निर्मित पंचायत भवन में बैठक की। उन्होंने ग्रामीण मो0 उबैद द्वारा अम्बेडकर पार्क के पास साफ-सफाई कराये जाने के मॉग पर ग्राम पंचायत में कार्यरत सचिव को निर्देशित किया कि अम्बेडकर पार्क की तत्काल वृहद रूप से साफ-सफाई करवा दिया जाय। उन्हांने उपस्थित ग्रामीणों से अपील की कि अम्बेडकर पार्क की साफ-सफाई होने के उपरान्त निरन्तर स्वच्छता बनाये रखें। उन्हांने ग्रामवासी अरई लाल द्वारा रामदीन के घर से पीपल के पेड़ तक 250 मीटर रोड बनवाये जाने की मॉग पर सचिव को नियमानुसार कराये जाने के निर्देश दिए। इसी प्रकार राम सरेमन द्वारा अवगत कराया गया कि राम बहोरे के घर के पास लगे हैण्डपम्प में सबमर्सिबल लगा हुआ है, जिस पर उन्होंने जिला पंचायतराज अधिकारी को निर्देशित किया कि इस हैण्डपम्प से तत्काल सबमर्सिबल हटवाकर हैण्डपम्प को पुनः चालू करवाया जाय। इस अवसर पर जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी एवं मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहें।

मंत्री राकेश सचान ने की विभागीय समीक्षा बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- सीएम युवा अभियान व एमवाईएसवाई योजना की प्रगति पर जताया संतोष

बांदा। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के माननीय मंत्री राकेश सचान ने मंगलवार को सर्किट हाउस बांदा में विभागीय समीक्षा बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री युवा अभियान (एमवाईएसवाई), विश्वकर्मा श्रम सम्मान टूलकिट योजना तथा एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) टूलकिट योजना की विस्तृत समीक्षा की गई। माननीय मंत्री ने विशेष रूप से सीएम युवा अभियान एवं एमवाईएसवाई योजना में जनपद बांदा की प्रगति को संतोषजनक बताते हुए अधिकारियों व कर्मचारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं से बड़ी संख्या में युवाओं और कारीगरों को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं, जिससे जिले की अर्थव्यवस्था में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। मंत्री राकेश सचान ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि लाभार्थियों के चयन से लेकर प्रशिक्षण व टूलकिट वितरण तक की सभी प्रक्रियाएं पारदर्शी और समयबद्ध ढंग से पूरी की जाएं। उन्होंने कहा कि व्वव्व योजना से जुड़े उद्यमियों को प्रोत्साहित कर स्थानीय उत्पादों की पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुँचाने पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि जिले के उत्पादों को व्यापक पहचान मिले।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा., मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, हजरतगंज, लखनऊ द्वारा निम्नांकित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है-

1.	ई-निविदा सूचना सं.	1182-वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा., मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, हजरतगंज, लखनऊ-द्वितीय कॉल दिनांक 08.09.2025
2.	कार्य का नाम	लखनऊ मण्डल में सबमर्सिबल पंप तथा मोटर के रिवाइंडिंग एवं ओवरहॉलिंग का शेष कार्य।
3.	अनुमानित लागत	रु. 13,27,849.00/- (तेरह लाख सत्ताईस हजार आठ सौ उनचास रुपये एवं शून्य पैसे मात्र)
4.	बयाना राशि	रु. 26,600/- (छब्बीस हजार छः सौ रुपये मात्र)
5.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	12 माह
6.	ई-निविदा फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय तथा खोलने की तिथि	दिनांक 30.09.2025 को 15:00 बजे तक तथा खुलने का समय उसी दिन 15:30 बजे वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा., उत्तर रेलवे, हजरतगंज, लखनऊ के कार्यालय में।
7.	प्रस्ताव की वैधता	ई-निविदा खुलने की तिथि से 60 दिन।
8.	उत्तर रेलवे की वेबसाइट	अतिरिक्त सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देख सी जा सकती है।

सूचना सं.: 1182-वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता-उत्तर रेलवे-लखनऊ-द्वितीय कॉल दिनांक 08.09.2025 2732/2025

पाठकों की सेवा में मुस्कान के साथ

जनता की सशक्त आवाज है पत्रकारिता : सुरेश राही

- पत्रकार सुरक्षा सेवा समिति के मनोनयन पत्र वितरण समारोह में मुख्य अतिथि रहे कारागार राज्य मंत्री

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। सीतापुर जिला पंचायत कार्यालय के नेहरू हाल में पत्रकार सुरक्षा सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित मनोनयन पत्र वितरण समारोह में उत्तर प्रदेश सरकार के कारागार राज्य मंत्री सुरेश राही मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए सुरेश राही ने कहा कि ल्लपत्रकार समाज का दर्पण होता है, जो शासन-प्रशासन के सामने गरीब, पीड़ित और शोषित जनता की आवाज बनता है। समाचार हमेशा तथ्यपरक और सत्य पर आधारित होने चाहिए। उन्होंने संगठन और पत्रकारों की सक्रियता की सराहना की और उन्हें कंधे से कंधा मिलाकर चलने की सलाह दी। पत्रकार सुरक्षा सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद कुमार वर्मा ने कहा कि समाज में पत्रकारों को खबर कवरेज करने में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ऐसे समय में संगठन पूरी मजबूती से पत्रकारों के साथ खड़ा रहेगा। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंजी. मुनीश मल्होत्रा ने अपने जोशीले संबोधन में कहा कि ल्लहम पत्रकारों की पीड़ा में हर समय साथ खड़े रहेंगे। यदि हमारे किसी पदाधिकारी को परेशान किया गया, तो हम चुप नहीं बैठेंगे। हम कलम चलाना भी जानते हैं और तलवार भी। इस अवसर पर सीतापुर जिला अध्यक्ष निशांत त्रिपाठी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष वर्मा और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मल्होत्रा का पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पत्रकार व पदाधिकारी मौजूद रहे। इसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष बिनोद कुमार वर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंजी. मुनीश मल्होत्रा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार सिंह, उत्तर प्रदेश सचिव अभिषेक सिंह तोमर, मोहित सिंह, केंद्रीय कोआर्डिनेटर धर्मेंद्र राणा, राष्ट्रीय महासचिव बृज किशोर, प्रदेश संरक्षक प्रताप तिवारी, प्रदेश सचिव अजय सिंह, लखनऊ मंडल अध्यक्ष राशिद खां चांद, उपाध्यक्ष आशिफ खां, जिलाध्यक्ष सीतापुर निशांत त्रिपाठी, जिला संरक्षक विमल शर्मा, जिला सलाहकार राजेंद्र प्रसाद वर्मा, सत्येंद्र प्रताप सिंह, दीपक कुमार मिश्र सहित शाहजहांपुर, लखीमपुर, बरेली, जालौन, बहराइच और सीतापुर जनपदों के पदाधिकारी व सैकड़ों की संख्या में पत्रकार उपस्थित रहे।

बैराज के किनारे वाइक खड़ी कर शारदा नदी में कूदा युवक, गाड़ी की डिग्गी से सुसाइड नोट बरामद

लखीमपुर खीरी। शारदानगर बैराज पर बाइक खड़ी कर एक युवक नदी में कूद गया. बाइक की डिग्गी में एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें एक युवती और उसके परिवार पर परेशान करने का आरोप लगाया गया है धौरहरा क्षेत्र में शारदानगर बैराज के किनारे बाइक खड़ी कर खीरी टाउन निवासी युवक प्रिंस जोशी नदी में कूद गया. जानकारी मिलने पर शारदानगर पुलिस मौके पर पहुंची. वहां उसकी बाइक खड़ी मिली, जिसकी डिग्री खुली थी. उसमें सुसाइड नोट रखा मिला. पुलिस ने युवक के परिजनों को सूचना दी। उसकी तलाश में गोताखोरों को लगाया गया है.। पुलिस के मुताबिक खीरी टाउन के मोहल्ला जोशी टोला निवासी प्रिंस जोशी (25 वर्ष) पुत्र कमलेश कुमार जोशी मंगलवार दोपहर करीब साढ़े बारह बजे शारदानगर बैराज पर पहुंचा. उसने अपनी बाइक बैराज के किनारे खड़ी कर दी और नदी में छलांग लगा दी. यह देख बैराज पर मौजूद पुलिसकर्मी दौड़कर पहुंचे, लेकिन तब तक युवक गहरे पानी में लापता हो गया. पुलिस ने बाइक की डिग्गी से सुसाइड नोट बरामद किया।

70 वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल ने सूरतनगर में लगाया नि:शुल्क पशु चिकित्सा शिविर, 81 जानवरों का हुआ उपचार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। भारत-नेपाल सीमा से सटे ग्राम सूरतनगर में 70 वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (ट्टट्टउ) द्वारा नागरिक कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत निःशुल्क पशु चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। यह शिविर कमांडेंट राजन कुमार श्रीवास्तव के दिशा-निर्देशन में और पशुचिकित्सा अधिकारी डॉ. सौरभ सिंघई (नीमगांव, लखीमपुर खीरी) के सहयोग से संपन्न हुआ। शिविर में ग्रामीणों के पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और निःशुल्क दवाइयाँ वितरित की गईं। कुल 81 पशुओं की जांच कर उन्हें दवाएँ उपलब्ध कराई गईं। डॉ. सौरभ सिंघई ने ग्रामीणों को बरसात के मौसम में पशुओं को होने वाली बीमारियों के बचाव के उपाय भी बताए। उन्होंने पशुपालकों से नियमित देखभाल और टीकाकरण पर विशेष ध्यान देने की अपील की। इस अवसर पर सशस्त्र सीमा बल की पशुचिकित्सा टीम, डी समवाय प्रभारी प्रदीप कुमार (सहायक कमांडेंट), अधीनस्थ अधिकारी और बलकर्मी उपस्थित रहे।

न्यायालय के आदेश को रौंदते दबंग पुलिस-राजस्व ने हटाया अतिक्रमण तीन दिन में रास्ते पर फिर कब्जा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

धौरहरा खीरी। ईसानगर थाना क्षेत्र के ग्राम कबिरहा में वर्षों पुराने रास्ते को लेकर न्यायालय द्वारा पारित आदेश की खुलेआम अवहेलना करते हुए दबंगों ने प्रशासनिक कार्रवाई के तीन दिन बाद ही दोबारा रास्ते पर कब्जा जमा लिया है। यह घटना न केवल न्यायिक अवमानना का घिनौना उदाहरण है, बल्कि प्रशासनिक कार्यवाही को ठेंगा दिखाने की खुली चुनौती भी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, लक्ष्मी देवी, लक्ष्मीकान्त, सन्तोष, नत्थू व अन्य को न्यायालय ने एक सप्ताह के भीतर वादीगण – कुमार, रामप्रकाश व रामबाबू के आने-जाने वाले सार्वजनिक रास्ते से अवैध कब्जा हटाने का आदेश दिया था। राजस्व विभाग व पुलिस ने संयुक्त रूप से मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाया भी। लेकिन हैरानी की हद तब पार हो गई जब मात्र तीन दिनों बाद दबंगों ने हथियारों से लैस होकर दोबारा रास्ते पर कब्जा कर लिया। वादी रमेश कुमार ने बताया कि विपक्षीगण पप्पू, इंदल, संतोष और नगरिया के पूर्व प्रधान रविन्द्र सिंह आधा दर्जन गुर्गों के साथ हथियार – तमंचा, बांका, हंसिया और लाठियों से लैस होकर पहुंचे और कब्जा करते हुए जान से मारने की धमकी देकर चले गए। इस घटना के बाद स्थानीय प्रशासन और पुलिस की भूमिका पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। आखिर कोर्ट के स्पष्ट आदेश और पहले से की गई कार्रवाई के बावजूद दबंगों का दुस्साहस क्यों नहीं रुक रहा? क्या पुलिस को ऐसी घटनाओं पर केवल काग़ज़ी कार्यवाही तक सीमित कर दिया गया है। पीड़ित पक्ष ने पुनः की सुरक्षा की मांग वादी पक्ष ने न्यायालय से तत्काल हस्तक्षेप व स्थायी पुलिस सुरक्षा की मांग की है, ताकि रास्ते का उपयोग निर्बाध रूप से किया जा सके।

छोटी काशी के कवि संत कुमार बाजपेई संत ने रचा इतिहास सबसे लंबी गजल से बना दिया विश्व रिकॉर्ड

गोला गोकर्णनाथ खीरी। छोटी काशी के प्रख्यात कवि संत कुमार बाजपेई 'संत' ने साहित्य की दुनिया में नया कीर्तिमान रचते हुए संसार की सबसे लंबी ग़ज़ल लिखकर विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया है। उनकी ग़ज़ल संग्रह पुस्तक ल्लजागो बन्धु जगाते लोगङ्क में कुल 1721 शेर शामिल हैं, जिसे द बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड, दुबई में दर्ज किया गया है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने गोला गोकर्णनाथ (छोटी काशी) का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर दिया। कवि के इस अनूठे योगदान पर नगर पालिका परिषद की पूर्व अध्यक्ष मीनाक्षी अग्रवाल उनके आवास पर पहुंचीं और स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र तथा पुष्पमालाओं से सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि ल्लसंत कुमार बाजपेई 'संत' ने अपने अथक साहित्यिक प्रयासों से छोटी काशी को विश्व साहित्य के मानचित्र पर स्थापित कर दिया है। यह पूरे नगर और जनपद के लिए गर्व का क्षण है।

गरीब गौपालक की गुहार

- 6 महीने से नहीं मिला गाय पालन के लिए बकाया पैसा, अधिकारियों से मिल रही धमकी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अजान खीरी। ब्लाक कुम्भी क्षेत्र के ग्राम रामखेड़ा निवासी झम्मा लाल पुत्र रामकिशन ने मुख्यमंत्री महोदय उत्तर प्रदेश सरकार को एक लिखित प्रार्थना पत्र भेजा है। जिसमें उन्होंने अपनी व्यथा बताई है कि गौवंश पालन वितरण योजना के तहत न्याय पंचायत मढिया सड़क गौशाला से 8 गायों को पालन पोषण हेतु लाए थे, जिनमें 4 गायें और 4 बछड़े हैं। झम्मा लाल को उक्त पशुओं के चारा पानी व रहने की उचित व्यवस्था करनी पड़ती है, लेकिन उनके पास पशुओं को खुले में बांधने के लिए जगह काफी पर्याप्त है, परंतु समुचित छाया की व्यवस्था नहीं है। मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि प्रार्थी झम्मा लाल एक गरीब मजदूर पेशा व्यक्ति हैं, जिनके पास मात्र 8 डिसमिल भूमि है। सरकारी योजना के तहत उन्हें गौवंश को पालने की जो धनराशि मिलती है, उसमें मात्र उन्हें 104400 रुपये ही मिले हैं, जबकि 85440 रुपये बाकी हैं। झम्मा लाल ने उक्त धनराशि को प्राप्त करने के लिए कई प्रार्थना पत्र तहसील स्तर, ब्लॉक स्तर और जिला स्तर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पास गोरखपुर जनता दरबार में गुहार लगाई, जिसमें उन्हें थोड़ा पैसा मिला, लेकिन अब 6 महीने से पैसा नहीं मिला है। जब झम्मा लाल विकास भवन के अधिकारियों से कहते हैं, तो पशु चिकित्सा अधिकारी रबी साहब और अन्य अधिकारी उन्हें डांट लगाते हैं और कहते हैं कि सभी गायें जल्दी से गौशाला छोड़कर आओ, झम्मा लाल तुम्हें एक पैसा नहीं मिलेगा। झम्मा लाल ने अधिकारियों से अनुरोध किया है कि उनके उक्त प्रकरण को संज्ञान में लेकर उन्हें गाय के पालन पोषण हेतु जो खर्च है, 6 महीने का उन्हें दिलाने की कृपा करें और 2021 व 2022 का ऑफलाइन बकाया पैसा दिलाने की कृपा करें। झम्मा लाल का कहना है कि वे गरीब किस्म के आदमियों को न्याय मिलना चाहिए और उन्हें अपने गौवंश के लिए टीन शेड की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। इस मामले में झम्मा लाल की गुहार सुनने वाला कोई नहीं है, जिससे वह काफी परेशान हैं।

सचिव प्रबलदीप अवस्थी को सम्मान पूर्वक विदाई

- भल्लिया बुजुर्ग सहकारी समिति का अतिरिक्त प्रभार अवनीश कुमार को सौंपा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। भल्लिया बुजुर्ग की बी-पैक्स केंद्र सहकारी समिति के सचिव प्रबलदीप अवस्थी ने भल्लिया बुजुर्ग सहकारी समिति का अतिरिक्त प्रभार बी-पैक्स केंद्र मैलानी से स्थानांतरित होकर आए सचिव अवनीश कुमार को सौंप दिया। बताते चलें कि सचिव प्रबलदीप अवस्थी के पास बस्तौली समिति का चार्ज था, और फरवरी 2020 में भल्लिया बुजुर्ग सहकारी समिति का चार्ज इन्हें अतिरिक्त सौंपा गया था। समिति का चार्ज अतिरिक्त संभाल रहे सचिव को उस समय यह समिति करीब डेढ़ करोड़ रुपयों की कर्जदार मिली थी, किंतु सचिव प्रबलदीप अवस्थी की कड़ी मेहनत व संघर्ष ने समिति को काफी हद तक कर्ज से निकलने का प्रयास किया, जिसमें काफी हद तक सफल भी रहे। उनके अच्छे आचरण व व्यवहार से क्षेत्रीय किसानों में उनके प्रति स्नेह व सम्मान बना रहा। चार्ज छूटने की सूचना पर पहुंचे दर्जनों किसानों ने सचिव प्रबलदीप अवस्थी को उज्जवल कामनाओं के साथ सम्मान पूर्वक विदाई दी। इस मौके पर मौजूद स्टाफ में मनोज वर्मा, मोहम्मद फहीम, संदीप कुमार व किसान अमित कुमार, घनश्याम, पवन वर्मा, उमेश अवस्थी, अमरनाथ मिश्रा, हीरा पांडे, रूपराम वर्मा सहित तमाम क्षेत्रीय किसान मौजूद रहे।

किसानों की आवाज़ बुलंद: धौरहरा में भारतीय किसान संघ ने मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

धौरहरा खीरी। भारतीय किसान संघ, अवध प्रांत के बैनर तले आज धौरहरा खंड कार्यालय में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। क्षेत्र के जागरूक किसानों ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें खरीफ सीजन में किसानों को आ रही समस्याओं को उजागर किया गया और उनके समाधान की मांग की गई। ज्ञापन में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया कि क्षेत्र के किसान बीज, उर्वरक, बिजली, पानी और वितरण प्रणाली में आ रही बाधाओं से परेशान हैं। किसानों ने सरकार से यह मांग की कि गुणवत्तापूर्ण बीज और उर्वरक समय से उपलब्ध कराए जाएं, मिलावटखोरी पर सख्त कार्रवाई हो, और नहरों व सरकारी नलकूपों की मरम्मत करवाई जाए ताकि सिंचाई सुविधाएं बेहतर हों। साथ ही, दिन में बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की भी अपील की गई। ज्ञापन में प्रशासनिक सुधारों की ओर भी इशारा किया गया है, जिसमें अधिकारियों और कर्मचारियों को किसान-हितैषी प्रशिक्षण देने की बात कही गई है।

राष्ट्रीय साहित्योत्सव 2025 में लखीमपुर खीरी के कवियों ने बढ़ाया जनपद का मान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था शब्दाक्षर के तत्वावधान में राजस्थान के झुंझुनू जनपद में भव्य राष्ट्रीय साहित्योत्सव 2025 का आयोजन हुआ। इस आयोजन में देशभर के प्रख्यात कवियों और साहित्यकारों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। विभिन्न राज्यों से आए कवियों ने अपनी-अपनी विधाओं में काव्यपाठ कर उपस्थित साहित्य प्रेमियों को मंत्रमुग्ध किया। इस अवसर पर शब्दाक्षर के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रविप्रताप सिंह, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष एवं संरक्षक आदरणीय बुद्धिनाथ मिश्र द्वारा आमंत्रित मूर्धन्य कवियों का सम्मान किया गया। साथ ही राष्ट्रीय साहित्यिक कवि सम्मेलन का भी आयोजन हुआ, जिसमें अनेक ख्यातिप्राप्त कवियों ने अपनी रचनाओं से साहित्यिक वातावरण को समृद्ध किया। जिला लखीमपुर खीरी (उत्तर प्रदेश) से चार कवियों ने इस साहित्योत्सव में भाग लेकर जनपद का गौरव बढ़ाया। इनमें उत्तर प्रदेश संगठन मंत्री शशिकांत मिश्र 'शशि', जिला अध्यक्ष डॉ. वीरेश चन्द्र बाजपेयी, जिला सचिव आलोक तिवारी तथा संगठन मंत्री प्रमोद गुप्ता 'भोले' शामिल रहे। साहित्योत्सव के मंच पर गोला छोटी काशी के कवियों का राजस्थानी वीर सम्मान किया गया। उन्हें साफा पहनाकर, शाल ओढ़ाकर और प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में पुस्तक विमोचन समारोह भी हुआ, जिसमें शशिकांत मिश्र 'शशि' जी की बालपुस्तक ''बच्चों आलस कभी न करना'' का लोकार्पण किया गया। काव्यपाठ के दौरान चारों कवियों ने अपनी सशक्त प्रस्तुतियों से सभी श्रोताओं का मन मोह लिया और खूब सराहना प्राप्त की। यह अवसर न केवल साहित्यिक उत्थान का प्रतीक बना बल्कि लखीमपुर खीरी जनपद के साहित्यिक गौरव को भी राष्ट्रीय पटल पर स्थापित करने में सफल रहा।

पंजाब में बाढ़ पीड़ितों के लिए मुस्लिम समुदाय का बड़ा सहयोग

सिंगाही खीरी। पंजाब में आई भीषण बाढ़ ने व्यापक तबाही मचाई है, जिससे कई गांव प्रभावित हुए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। इस मुश्किल समय में, सिंगाही खीरी के मुस्लिम समुदाय ने आगे आकर राहत कार्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जामा मस्जिद के इमाम तजम्मुल खान ने मस्जिदों के माध्यम से लोगों से अपील की थी कि वे बाढ़ प्रभावित लोगों की हर संभव मदद करें। इस अपील के बाद, कस्बे और गांवों में राहत सामग्री एकत्र करने का अभियान चलाया गया। विभिन्न मस्जिदों से बड़ी मात्रा में धनराशि और राहत सामग्री इकट्ठा की गई, जिसमें अनाज, बर्तन, चप्पल और तिरपाल आदि शामिल थे। सिंगाहा कलां और सिंगाहा खुर्द से भी काफी सहयोग मिला। आयशा मस्जिद से 51,200 रुपये, मदीना मस्जिद से 17,200 रुपये, सिंगाहा कलां से 21 हजार रुपये और सिंगाहा खुर्द से 15 हजार रुपये के साथ 70 कुन्तल अनाज, बर्तन, चप्पल और अन्य सामग्री एकत्रित की गई।

युवक मंगल दल शाहपुरराजा ने चलाया स्वच्छता अभियान, गाँववासियों से जुड़ने की अपील

मोहम्मदी खीरी। ग्राम पंचायत शाहपुरराजा में युवक मंगल दल के सदस्यों ने सामूहिक रूप से स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान विद्यालय, मंदिर और सचिवालय परिसर में साफ-सफाई की गई। अभियान में दल के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दल के सक्रिय सदस्य प्रसून दीक्षित ने बताया कि सार्वजनिक स्थल साफ-सुथरे और गंदगी मुक्त रहना सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। मंगल दल के सदस्य समाज और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझते हुए स्वच्छता अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं। हम ग्रामवासियों से भी इस अभियान का हिस्सा बनने का आह्वान करते हैं।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

महत्वपूर्ण जानकारी

रेलगाड़ियों के ठहराव की बहाली

रेलयात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा निम्नलिखित रेलगाड़ियों को उनके समक्ष दर्शाये गये स्टेशनों पर ठहराव को निम्नानुसार पुन: बहाल करने का निर्णय लिया गया है:–

रेलगाड़ी संख्या	स्टेशन से	स्टेशन तक	स्टेशन का नाम	समय–सारणी आगमन	समय–सारणी प्रस्थान	तिथि (आरंभिक स्टेशन से)
12590	चर्लपल्ली	गोरखपुर	बेल्लमपल्ली	01:09	01:10	11.09.2025
12591	गोरखपुर	यशवंतपुर	सिरपुर कागजनगर	08:29	08:30	13.09.2025
12592	यशवंतपुर	गोरखपुर	सिरपुर कागजनगर	10:54	10:55	15.09.2025
12721	हैदराबाद	हजरत निजामुद्दीन	जम्मीकुंटा	01:34	01:35	10.09.2025
12721	हैदराबाद	हजरत निजामुद्दीन	रामगुंडम	02:24	02:25	10.09.2025
12721	हैदराबाद	हजरत निजामुद्दीन	बेल्लमपल्ली	03:05	03:06	10.09.2025
12722	हजरत निजामुद्दीन	हैदराबाद	पेद्दपल्ली जं.	22:54	22:55	10.09.2025
12722	हजरत निजामुद्दीन	हैदराबाद	जम्मीकुंटा	23:19	23:20	10.09.2025
12751	हजूर साहिब नांदेड	जम्मू तवी	बसमत	12:19	12:20	12.09.2025
12752	जम्मू तवी	हजूर साहिब नांदेड	बसमत	13:44	13:45	14.09.2025
16031	चेन्नै सेंट्रल	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	बिट्रगुंटा	08:13	08:15	11.09.2025
16032	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	चेन्नै सेंट्रल	बिट्रगुंटा	02:13	02:15	12.09.2025
16093	चेन्नै सेंट्रल	लखनऊ जं.	बिट्रगुंटा	08:13	08:15	13.09.2025
16094	लखनऊ जं.	चेन्नै सेंट्रल	बिट्रगुंटा	02:13	02:15	11.09.2025
22669	एरणाकुलम जं.	पटना जं.	रामगुंडम	00:49	00:50	13.09.2025
22669	एरणाकुलम जं.	पटना जं.	बेल्लमपल्ली	01:19	01:20	13.09.2025
22683	यशवंतपुर	लखनऊ	मलकाजगिरी	11:05	11:06	15.09.2025
22684	लखनऊ	यशवंतपुर	मलकाजगिरी	00:39	00:40	18.09.2025

विस्तृत जानकारी के लिए रेलयात्री कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलगाड़ी पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in देखें।

274/25

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139

रेलमदद वेबसाइट देखें :– www.railmadad.indianrailways.gov.in

रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

उत्तर रेलवे

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

नेत्रदान से जगमगाएगी ज़िंदगी, श्रॉफ हॉस्पिटल में पखवाड़ा संपन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। डॉ. श्रॉफ चैरिटी आई हॉस्पिटल, मोहम्मदी खीरी में 25 अगस्त से 8 सितंबर तक राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा बड़े ही उत्साह और जागरूकता अभियान के साथ मनाया गया। इस दौरान नेत्र विकारों से ग्रसित मरीजों से संवाद, परिचर्चा, रंगोली, रोल-प्ले और पोस्टरों के माध्यम से लोगों को नेत्रदान के महत्व से अवगत कराया गया।

कार्यक्रम के दौरान हॉस्पिटल के सीनियर कंसलटेंट डॉ. आकाश ने कहा कि ल्लजन समुदाय को खुद आगे बढ़कर नेत्रदान के लिए पहल करनी होगी।ङ्क वहीं डॉ. ऋषभ ने कहा कि नेत्रदान के लिए व्यापक जागरूकता जरूरी है। उन्होंने संदेश दिया आंखें हैं तो जिंदगी आसान है, इसलिए अपनी आंखें दान करें और किसी और की जिंदगी को रोशन बनाएं। डॉ. गीतांशु ने नेत्रदान को बढ़ावा देने के लिए संस्था द्वारा किए जा रहे प्रयासों को विस्तार से साझा किया। संस्था के जन्मेजय अवस्थी ने बताया कि संस्था द्वारा संचालित सभी नेत्र जांच केंद्रों पर नेत्रदान पखवाड़ा सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इन केंद्रों में सिकन्दराबाद, बांकेगंज, गोला गोकर्णनाथ, मैगलगंज, जे.बी.गंज, मितौली, पिहानी, नकहा, शाहाबाद, पुवायां, खुटार और अलीगंज शामिल हैं। संस्था के कार्यक्रम अधिकारी विपिन पांडेय ने कहा कि प्राथमिक नेत्र जांच केंद्रों पर आए प्रत्येक महिला-पुरुष को नेत्र रोगों के प्रति जागरूक किया गया और नेत्रदान के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. प्रणव, डॉ. अभिषेक, हिना शाह, प्रखर पटेल, मजहर नबी, सुनील कुमार, सीओपी कोऑर्डिनेटर मरियम, जुबेर आलम सहित बड़ी संख्या में सीओपी छात्राएं मौजूद रहीं।

चोरी की बाइक के साथ दो शातिर चोर गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराधियों के विरुद्ध अभियान के तहत कोतवाली सदर पुलिस ने दो बाइक चोरों को गिरफ्तार कर चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है। थाना कोतवाली सदर में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार 8 सितंबर को विनोबा नगर रसूलाबाद (थाना आसीवन) निवासी राधा पत्नी रामजीवन ने तहरीर दी थी कि उनकी मोटरसाइकिल संख्या ठभ्-35 ड 8474 अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू की गई। मंगलवार को प्रभारी निरीक्षक संजीव कुशवाहा पुलिस टीम के साथ संदिग्धों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने कांशीराम मोड़, शेखफार्म से दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया। उनकी निशानदेही पर चोरी की गई स्प्लेंडर प्रो (सिल्वर रंग) मोटरसाइकिल बरामद की गई। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान विक्की कश्यप पुत्र जेठे लाल कश्यप निवासी बत्तूखेड़ा थाना अजगैन (उम्र 27 वर्ष) और शिवा सिंह उर्फ मोहित सिंह पुत्र सुघर सिंह निवासी बारादेव थाना औरास (उम्र 30 वर्ष) के रूप में हुई। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमे में धारा बढ़ोतरी कर कार्रवाई की है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक संजीव कुशवाहा, उपनिरीक्षक पंकज राज शरद, आरक्षी विनीत पाल, आरक्षी अक्षय गोस्वामी और आरक्षी संदीप कुमार रहे।

एशिया कप: अमीरात के खिलाफ भारतीय ऑलराउंडर निभाएंगे बड़ी भूमिका

एजेंसी

दुबई। खिताब का प्रबल दावेदार भारत एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में बुधवार को यहां जब मेजबान संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा तो ऑलराउंडर के जरिए टीम में पर्याप्त संतुलन स्थापित करने की कोशिश करेगा। भारत हालांकि अभी तक यह तय नहीं कर पाया है कि इस मुकाबले में तीसरे स्पिनर या विशेषज्ञ तेज गेंदबाज के साथ उतरना है या नहीं। मुख्य कोच गौतम गंभीर के कार्यभार संभालने के बाद से भारत ने सभी प्रारूपों में ऑलराउंडर को प्राथमिकता दी है। ऐसा विशेष कर बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए किया गया है ताकि आठवें नंबर तक उसके पास अच्छे बल्लेबाज रहें। अमीरात के खिलाफ मैच 14 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले महत्वपूर्ण मैच से पहले अभ्यास मैच की तरह होगा। कमजोर मानी जाने वाली यह टीम भारतीय टीम प्रबंधन को इस बात का अंदाजा देगी कि टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के लिए किस संयोजन के साथ मैदान में उतरना बेहतर होगा। यूएई के खिलाड़ियों के लिए यह सबसे बड़ा मैच होगा। जसप्रीत बुमराह का सामना करना या शुभमन गिल को गेंदबाजी करना किसी एसोसिएट देश के क्रिकेटर के जीवन में आम बात नहीं है और एशिया कप उन्हें खेल के वास्तविक माहौल से अवगत कराएगा।

भारतीय टीम में संजू सैमसन बनाम जितेश शर्मा की पहेली फिलहाल सुलझ गई है। जितेश की फिनिशर की भूमिका को सैमसन की विस्फोटक बल्लेबाजी पर प्राथमिकता मिलना तय है। शीर्ष क्रम में शुभमन गिल की वापसी से भी सैमसन के लिए अंतिम एकादश में जगह बना पाना मुश्किल हो गया है। गिल अब अभिषेक शर्मा के साथ बल्लेबाजी का आगाज करेंगे। ऐसे में तीसरा नंबर बचता है लेकिन इस स्थान पर तिलक वर्मा ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे वह टी20 विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव तीसरे या चौथे स्थान पर बल्लेबाजी के लिए उतर सकते हैं। इसके बाद ऑलराउंडर का नंबर आता है जिसमें हार्दिक पंड्या महत्वपूर्ण हैं। वह एक उपयोगी तेज गेंदबाज होने के साथ कुशल बल्लेबाज भी हैं। फिर आते हैं बाएं हाथ के बल्लेबाज शिवम दुबे, जो धीमी पिचों पर भी स्पिन गेंदबाजी की धज्जियां उड़ा सकते हैं। नंबर सात पर विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश आरसीबी की तरफ से आईपीएल में किए गए प्रदर्शन को देखते हुए फिट बैठते हैं। इसके बाद अक्षर पटेल का नंबर आता है जो कुशल स्पिनर होने के साथ उपयोगी बल्लेबाज भी हैं। कपिल देव के बाद भारत के सबसे कुशल तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और भारत के सबसे सफल टी20 गेंदबाज अर्शदीप सिंह का चयन तय है, जिससे केवल एक ही स्थान खाली रह जाता है। सितंबर में एशिया कप खेले जाने का मतलब है कि दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम की पिच मार्च की तुलना में अधिक हरी-भरी और ताजा होगी, जिसमें अधिक उछाल होगा। भारत ने मार्च में यहां चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान रविन्द्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती को उतारा था। लेकिन बदली परिस्थितियों में अगर टीम प्रबंधन अक्षर के साथ अन्य स्पिनर को अंतिम एकादश में रखता है तो उसके पास कुलदीप और चक्रवर्ती के रूप में दो अच्छे विकल्प हैं। यूएई के लिए यह टूर्नामेंट अपना कौशल दिखाने का एक शानदार अवसर है। मुहम्मद वसीम, राहुल चोपड़ा और सिमरनजीत सिंह जैसे खिलाड़ी अनुभवी कोच लालचंद राजपूत के मार्गदर्शन में अपनी छाप छोड़ने के लिए उत्सुक हैं।

भारतीय महिला रिकर्व टीम कांस्य पदक प्लेआफ में, पुरूष हारे

एजेंसी

ग्वांग्जू (दक्षिण कोरिया)। दीपिका कुमारी, गाथा खडके और अंकिता भकत की भारतीय महिला रिकर्व टीम विश्व तीरंदाजी चैम्पियनशिप में मंगलवार को कांस्य पदक के प्लेआफ मुकाबले में पहुंच गई लेकिन पुरूष टीम पहले दौर से बाहर हो गई । कंपाउंड तीरंदाज भी दो पदकों से आगे नहीं बढ सके । तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय महिला टीम सेमीफाइनल में जापान से 2 . 6 से हार गई। अब कांस्य पदक के लिये भारत का सामना दक्षिण कोरिया से होगा। भारतीय महिला टीम की नजरें 2015 के बाद विश्व चैम्पियनशिप में पहले पदक पर है।

भारत ने अभी तक दो पदक जीते हैं और दोनों कंपाउंड वर्ग में मिले है। पुरूष टीम ने पहली बार स्वर्ण पदक जीता और ऋषभ यादव तथा ज्योति सुरेखा वेन्नम ने मिश्रित टीम में रजत पदक हासिल किया । रिकर्व में महिला टीम की अगुवाई कर रही चार बार की ओलंपियन दीपिका क्वालीफिकेशन में 677 अंक के साथ छठे स्थान पर रही । वहीं 14वीं वरीयता प्राप्त गाथा ने 666 और 30वीं वरीयता प्राप्त अंकिता ने 656 अंक बनाये । टीम क्वालीफिकेशन में भारत तीसरे स्थान पर रहकर सीधे दूसरे दौर में पहुंचा । तीनों ने शानदार शुरूआत करते हुए दसवीं वरीयता प्राप्त स्लोवेनिया को 5-1 से हराया । क्वार्टर फाइनल में उन्होंने तुर्की को मात दी लेकिन सेमीफाइनल में जापान से हार गई । फाइनल में जापान का सामना चीनी ताइपै से होगा जिसने मेजबान दक्षिण कोरिया को शूटआफ में हराया । पुरूष रिकर्व टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा जिसे पहले दौर में 24वीं वरीयता प्राप्त डेनमार्क ने हराया।

संक्षिप्त समाचार

जर्मनी-दक्षिण अफ्रीका मुकाबले से होगा जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप का आगाज़, मेज़बानी करेगा तमिलनाडु

चेन्नई। एफआईएच हॉकी जूनियर पुरुष विश्व कप तमिलनाडु 2025 का मैच शेड्यूल सोमवार को चेन्नई में आयोजित भव्य समारोह में जारी किया गया। शेड्यूल के मुताबिक मौजूदा चैंपियन जर्मनी अपने अभियान की शुरुआत मदुरै में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रोमांचक मुकाबले से करेगा। मेज़बान भारत चेन्नई में चिली के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगा। यह पहला मौका होगा जब 24 टीमों की भागीदारी के साथ जूनियर वर्ल्ड कप आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट 28 नवंबर से 10 दिसंबर 2025 तक चेन्नई और मदुरै में खेला जाएगा। टूर्नामेंट के पूल इस प्रकार हैं: पूल इ: जर्मनी, दक्षिण अफ्रीका, कनाडा, आयरलैंड, पूल उ: भारत, पाकिस्तान, चिली, स्विट्ज़रलैंड, पूल ए: अर्जेंटीना, न्यूज़ीलैंड, जापान, चीन, पूल क: स्पेन, बेल्जियम, मिस्र, नामीबिया, पूल ब: नीदरलैंड्स, मलेशिया, इंग्लैंड, ऑस्ट्रिया, पूल क्ष: फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, कोरिया, बांग्लादेश, इस अवसर पर एफआईएच अध्यक्ष तैय्यब इक़राम ने कहा- पहली बार 24 टीमों के साथ जूनियर विश्व कप होना हमारे लिए ऐतिहासिक है। यह उभरते देशों को भी बड़े मंच पर मौका देगा। तमिलनाडु अपनी संस्कृति और हॉकी प्रेम से टूर्नामेंट को यादगार बनाएगा। उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कहा- ल्लतमिलनाडु के लिए यह गर्व का क्षण है कि हम चेन्नई और मदुरै में विश्व कप की मेज़बानी करेंगे। यह आयोजन युवाओं को हॉकी अपनाने के लिए और प्रेरित करेगा। हॉकी इंडिया अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा, यह ऐतिहासिक संस्करण भारतीय हॉकी के लिए गर्व की बात है। अब काउंटडाउन शुरू हो चुका है। महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, ल्लफिक्स्चर्स के ऐलान से खिलाड़ियों और दर्शकों की उत्सुकता दोगुनी हो गई है। चेन्नई और मदुरै मिलकर त्योहार जैसे माहौल में दुनिया का स्वागत करेंगे। समारोह में एफआईएच अध्यक्ष तैय्यब इक़राम, तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री थिरु उदयनिधि स्टालिन, अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. अतुल्य मिश्रा (आईएएस), स्पोर्ट्स डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ तमिलनाडु (एसडीएटी) के सीईओ/सदस्य सचिव थिरु जे. मेघनाथा रेड्डी (आईएएस), हॉकी इंडिया अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की, महासचिव भोला नाथ सिंह और कोषाध्यक्ष श्री शेखर जे. मनोहरन उपस्थित रहे।

एशिया पेसिफिक चैंपियनशिप में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे रक्षित और अंशुल

दुबई। मौजूदा अखिल भारतीय एमेच्योर चैंपियन अंशुल मिश्रा और रक्षित दहिया 23 से 26 अक्टूबर तक यहां होने वाली 16वीं एशिया पेसिफिक एमेच्योर गोल्फ चैंपियनशिप में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। मौजूदा प्रवेश सूची के अनुसार भारत से दहिया और मिश्रा के अलावा राघव गुलाटी और रणवीर मित्रो भी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे। इन चारों खिलाड़ियों को अच्छा-खासा अंतरराष्ट्रीय अनुभव है, खासकर गुलाटी ने दुबई में काफी खेला है, जहां वह अपना ज़्यादातर समय बिताते हैं। इस टूर्नामेंट के विजेता खिलाड़ी को 2026 में मास्टर्स टूर्नामेंट में खेलने का निमंत्रण मिलेगा जबकि उपविजेता खिलाड़ी क्वालीफाइंग सीरीज में भाग लेगा। इस प्रतियोगिता में दुनिया भर के 120 से अधिक खिलाड़ियों के भाग लेने की संभावना है।

बैजबॉल को लेकर गलतफहमी खिलाड़ियों का अनादर: मैकुलम

लंदन। इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम का मानना है कि क्रिकेट का बैजबॉल ब्रांड कोई कड़ी खेल शैली नहीं है बल्कि यह खिलाड़ियों को स्वच्छंद होकर खेलने की छूट देने से जुड़ा है तथा इसको लेकर गलत धारणाएं खिलाड़ियों के लिए अपमानजनक है। मैकुलम ने 2022 में इंग्लैंड की टेस्ट टीम की कमान संभाली और आक्रामक अंदाज में क्रिकेट खेलने को प्राथमिकता दी। क्रिकेट जगत ने इस शैली को बैजबॉल नाम दिया लेकिन मैकुलम को यह शब्द पसंद नहीं है। 'बीबीसी स्पोर्ट' की रिपोर्ट के अनुसार, मैकुलम ने 'फॉर द लव ऑफ क्रिकेट' पॉडकास्ट में कहा, ''हमारे अंदर कभी भी अपने बारे में ऐसी मानसिकता नहीं रही है। चीजों को लेकर हमारा रवैया सख्त नहीं है। उन्होंने कहा, ''हम जिस तरह की क्रिकेट खेलते हैं उसको लेकर कुछ गलत धारणा है। मुझे लगता है कि यह सभी खिलाड़ियों और टीम के अन्य सदस्यों के लिए अपमानजनक है। हम कड़ी मेहनत करते हैं और सफल होना चाहते हैं लेकिन हमें इस तरह से वर्गीकृत करना सही नहीं है। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ने कहा कि उनका जोर हमेशा खिलाड़ियों की मानसिकता पर रहा है, न कि किसी विशेष तरीके से खेलने पर। मैकुलम ने कहा, ''हमारे लिए यह एक ऐसा माहौल तैयार करने से जुड़ा है जिसमें हम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के दबाव को झेलने और अपनी भूमिका को अच्छी तरह से समझने पर जोर देते हैं। हम चाहते हैं कि हमारे खिलाड़ी अपने कौशल का खुलकर प्रदर्शन करें। इसलिए एक निश्चित शैली या खेलने के तरीके पर विश्वास रखने से हमारी सफलता की संभावना बढ़ जाती है।

जियो फाइनेंशियल, जर्मनी की आलियांज ने पुनर्बीमा कारोबार के लिए गठजोड़ किया

नयी दिल्ली। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) ने मंगलवार को कहा कि उसने और जर्मनी की आलियांज ने भारत में पुनर्बीमा व्यवसाय के लिए 'आलियांज जियो रीइंश्योरेंस लिमिटेड' (एजेआरएल) नाम से एक संयुक्त उद्यम कंपनी का गठन किया है। जेएफएसएल ने शेयर बाजार को बताया कि कंपनी एजेआरएल में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए 10 रुपये अंकित मूल्य वाले 25,000 इक्विटी शेयरों की प्रारंभिक सदस्यता के लिए 2.50 लाख रुपये का निवेश करेगी। एजेआरएल का गठन भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण से अनापत्ति प्रमाण पत्र मिलने के बाद किया गया है। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय से आठ सितंबर, 2025 को ईमेल से निगमन प्रमाणपत्र मिला। दोनों कंपनियों ने 18 जुलाई को 50:50 अनुपात वाले घरेलू पुनर्बीमा संयुक्त उद्यम के गठन के लिए एक पक्का समझौता किया था।

मैदान पर आक्रामकता के बिना काम नहीं चल सकता : सूर्यकुमार

दुबई। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मंगलवार को कहा कि उनकी टीम पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को होने वाले एशिया कप के मुकाबले में आक्रामकता पर अंकुश नहीं लगायेगी। भारतीय टीम बुधवार को यूएई के खिलाफ ग्रुप ए का पहला मैच खेलेगी जिसके बाद रविवार को उसका सामना चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से होगा। सूर्यकुमार ने टूर्नामेंट की पूर्व संध्या पर कप्तानों की प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' मैदान पर आक्रामकता हमेशा रहती है। अगर आपको जीतना है तो इसके बिना काम नहीं चल सकता। उनसे पूछा गया था कि पाकिस्तान के खिलाफ मैच में क्या खिलाड़ी आक्रामकता कम करेंगे। इसी सवाल पर पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने कहा ,'' अगर कोई आक्रामक होना चाहता है तो यह उसका फैसला है। जहां तक मेरी टीम का सवाल है तो मैं कोई दिशा निर्देश किसी को नहीं देता। सूर्यकुमार ने कहा कि अच्छे अभ्यास सत्र के बाद उनकी टीम लय में है।

भारत ने ओमान को हराकर सीएएफए नेशंस कप 2025 में तीसरा स्थान हासिल किया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम ने सीएएफए नेशंस कप में इतिहास रचते हुए ओमान को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। यह मुकाबला सोमवार को ताजिकिस्तान के हिसोर सेंट्रल स्टेडियम में खेला गया। यह पहली बार है जब भारत ने वेस्ट एशिया की इस उच्च रैंकिंग वाली टीम को मात दी है। हिसोर सेंट्रल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में निर्धारित समय तक स्कोर 1-1 से बराबर रहा। भारत की ओर से उदांता सिंह ने बराबरी का गोल दागा। इसके बाद मैच पेनल्टी शूटआउट में गया, जहां ओमान ने शुरुआती दो मौके गंवा दिए। भारत के गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने अंतिम पेनल्टी बचाकर टीम को जीत दिलाई। शूटआउट में भारत के लिए लालियानजुआला छांगते, राहुल भेके और जितिन एमएस ने गोल किए, जबकि अनवर अली और उदांता अपने प्रयासों में चूक गए। गौरतलब है कि दोनों टीमों ने अपने-अपने ग्रुप में दूसरा स्थान हासिल किया था, जिसके बाद यह तीसरे स्थान के लिए मुकाबला खेला गया। भारत और ओमान के बीच साल 2000 के बाद से अब तक नौ मुकाबले हुए हैं, जिनमें से छह बार भारत को हार का सामना करना पड़ा। दोनों टीमें आखिरी बार मार्च 2021 में आमने-सामने हुई थीं, तब मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा था।

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों की तिकड़ी में अभी काफी क्रिकेट बची है: हेजलवुड

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने उन अटकलों को खारिज कर दिया है कि आगामी एशेज श्रृंखला में उनकी, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क की खतरनाक तेज गेंदबाजी तिकड़ी आखरी बार एक साथ खेलते हुए दिखेगी। उन्होंने कहा कि तीनों तेज गेंदबाजों में अभी काफी क्रिकेट बची हुई है और वह कम से कम दो साल और खेल सकते हैं। इन तीनों तेज गेंदबाजों की उम्र 35 वर्ष के आसपास है। कमिंस कमर में खिंचाव की चोट से जूझ रहे हैं तथा स्टार्क ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है जिसके कारण माना जा रहा है कि ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजी इतिहास के एक युग का अंत निकट है। हेजलवुड स्वयं चोटों से जूझ रहे हैं लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि तीनों गेंदबाजों में से कोई भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बारे में नहीं सोच रहा है। एसईएन रेडियो ने हेजलवुड के हवाले से कहा, ''मुझे नहीं लगता कि हम अभी कुछ कहने की स्थिति में हैं।

प्रल्हाद जोशी बुधवार को अत्याधुनिक ईवी परीक्षण सुविधा का करेंगे उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी 10 सितंबर को कोलकाता के अलीपुर क्षेत्रीय प्रयोगशाला में अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) परीक्षण सुविधा का उद्घाटन करेंगे। मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि सतत गतिशीलता को बढ़ावा देने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के भारत के मिशन के अनुरूप यह उद्घाटन राजधानी नई दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान किया जायेगा। मंत्रालय के मुताबिक उन्नत बुनियादी ढांचे से सुसज्जित यह प्रयोगशाला ईवी बैटरियों और उनके पुर्जों पर महत्वपूर्ण परीक्षण करेगी, जिनमें विद्युत सुरक्षा, एफसीसी या आईएसईडी अनुपालन, कार्यात्मक सुरक्षा, स्थायित्व, जलवायु परीक्षण (आईपी, यूवी, संक्षारण) और यांत्रिक एवं भौतिक सुरक्षा (ज्वलनशीलता, ग्लो वायर, आदि) शामिल हैं। ये सुविधा विशेष रूप से पूर्वी भारत में ईवी बैटरी निर्माताओं को विश्वसनीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त परीक्षण और प्रमाणन प्रदान करेगी, जिससे उत्पाद सुरक्षा, प्रदर्शन और नियामक अनुपालन सुनिश्चित होगा। मंत्रालय के मुताबिक इस सुविधा की स्थापना एक सशक?त ईवी इकोसिस?टम बनाने, आयात पर निर्भरता कम करने और घरेलू निर्माताओं को किफायती परीक्षण सेवाओं के साथ दृढ़ बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस विकास के साथ एनटीएच भारत के सतत परिवहन में एक प्रमुख प्रवर्तक और गुणवत्ता आश्वासन अवसंरचना में एक वैश्विक अग्रणी के रूप में अपनी भूमिका को और मजबूत करता है।

तांबे के अन्वेषण, खनन में निवेश जुटाने के लिए नीतिगत सुधार जरूरी: रिपोर्ट

नयी दिल्ली। बढ़ती जरूरतों को देखते हुए भारत को तांबे के अन्वेषण और खनन में निवेश आकर्षित करने के लिए तत्काल नीतिगत सुधार करने चाहिए ताकि निवेश पर अनुकूल प्रतिफल सुनिश्चित हो सके। एक रिपोर्ट में यह सुझाव दिया गया है। 'सेंटर फॉर सोशल एंड इकोनॉमिक प्रोग्रेस' (सीएसईपी) की रिपोर्ट में कहा गया है कि तांबा ऊर्जा परिवर्तन की प्रक्रिया के केंद्र में है और यह पावर ग्रिड, इलेक्ट्रिक वाहन, निर्माण एवं उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, ''भारत की तांबे की बढ़ती जरूरत और वैश्विक मांग को देखते हुए देश को अधिक खोज और खनन करना चाहिए क्योंकि बड़े संसाधन और भंडार अब भी अनछुए हैं। निवेश पर अनुकूल प्रतिफल सुनिश्चित करने के लिए तत्काल नीतिगत सुधार जरूरी हैं। देश अपनी तांबे की जरूरत का 50 प्रतिशत से अधिक आयात से पूरी करता है।

नई जीएसटी दरों में निर्बाध बदलाव के लिए व्यवसायों का सहयोग जरूरी: सीबीआईसी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के प्रमुख संजय कुमार अग्रवाल ने व्यापार और उद्योग से वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए कर अधिकारियों की सक्रिय पहुंच की जरूरत पर जोर दिया है। कर अधिकारियों को लिखे एक पत्र में संजय अग्रवाल ने इस बात पर जोर दिया कि इन परिवर्तनकारी सुधारों के प्रभावी होने के साथ व्यापार और उद्योग जगत को इस बदलाव को सुचारू रूप से आगे बढ़ाने में मदद करना समय की मांग है। सीबीआईसी प्रमुख ने कहा कि करदाताओं को संशोधित कर दरों और अनुपालन सरलीकरणों की स्पष्ट समझ सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय पहुंच और प्रभावी संवाद बेहद जरूरी होंगे। उन्होंने कहा कि अधिक जागरूकता से न केवल भ्रम कम होगा, बल्कि व्यवसायों, विशेषकर छोटे व्यापारियों और एमएसएमई को सुधारों को सहजता से अपनाने और उनसे पूर्ण लाभ उठाने में भी मदद मिलेगी। संजय कुमार अग्रवाल ने 375 वस्तुओं पर घटी हुई जीएसटी दरों के प्रभावी होने पर व्यवसायों को सक्रिय सहयोग देने पर जोर दिया है। उन?होंने कर अधिकारियों से आग्रह किया है कि वे व्यापार और उद्योग जगत को इस बदलाव के दौरान मार्गदर्शन प्रदान करें, ताकि संशोधित दरों और अनुपालन सरलीकरण की स्पष्ट समझ सुनिश्चित हो सके। जीएसटी परिषद ने पिछले हफ़्ते अपनी 56वीं बैठक में जीएसटी दरों को 5 और 18 फीसदी की दो-स्तरीय संरचना बनाने को मंजूरी दी है, जिसमें तंबाकू और संबंधित उत्पादों तथा अति-विलासिता वस्तुओं पर 40 फीसदी की विशेष दर लागू होगी। नई दरें 22 सितंबर से प्रभावी होंगी।

बिहार के पूर्णिया से कोलकाता के लिए 15 सितंबर से नियमित उड़ान शुरू करेगी इंडिगो

नई दिल्ली। बजट विमानन कंपनी इंडिगो एयरलाइंस बिहार के पूर्णिया से पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के लिए सीधी उड़ान 15 सितंबर से शुरू करेगी। ये उड़ान सप्ताह में तीन दिन सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को उपलब्ध होगी। इसकी शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करने वाले हैं। विमानन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी इंडिगो ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि वह 15 सितंबर से पश्चिम बंगाल के कोलकाता और पूर्णिया बिहार के बीच सीधी उड़ानें शुरू करने के लिए तैयार है। इंडिगो की यह नई सेवा सप्ताह में तीन बार संचालित होगी और पूर्णिया हवाई अड्डे के उद्घाटन का प्रतीक होगी। केंद्र सरकार की छोटे शहरों तक हवाई सेवा को प्रोत्साहन देने वाली क्षेत्रीय संपर्क योजाना 'उड़ान' (उड़े देश का आम नागरिक) के तहत इंडिगो को इस रूट का आवंटन किया गया है।

एयरलाइंस ने बताया कि यह उड़ान सप्ताह में तीन दिन सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को उपलब्ध होगी। इसके साथ ही पूर्णिया इंडिगो का 94वां घरेलू और 137वां समग्र गंतव्य बन जाएगा। कंपनी ने बताया कि पटना, गया और दरभंगा के बाद पूर्णिया एयरलाइन से जुड़ने वाला बिहार का चौथा शहर बन जाएगा। इस नए रूट पर इंडिगो के एटीआर विमान सेवा उपलब्ध होगी, जिससे बिहार के सीमांचल क्षेत्र और पूर्वी भारत के प्रमुख केंद्र कोलकाता के बीच यात्रियों को हवाई यात्रा के विकल्प मिलेंगे।

सर्राफा बाजार में शिखर से फिसला सोना चांदी ने बनाया मजबूती का नया रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने की कीमत में मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। दूसरी ओर चांदी ने आज 3 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की छलांग लगाकर मजबूती का नया रिकॉर्ड बना दिया है। सोने की कीमत में आज आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,08,370 रुपये से लेकर 1,08,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, 22 कैरेट सोना आज 99,340 रुपये से लेकर 99,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,30,000 रुपये प्रति किलोग्राम के ऑल टाइम हाई लेवल पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,08,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 99,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,08,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 99,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,08,420 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 99,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,08,370 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 99,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,08,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 99,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,08,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 99,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की साई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

वाराणसी में खतरे के निशान की ओर बढ़ रही गंगा, घाटों से लगे निचले इलाकों में जलभराव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गंगा के जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार गंगा का जलस्तर चेतावनी बिंदु 70.262 मीटर को पार कर मंगलवार सुबह आठ बजे तक 70.71 मीटर पर पहुंच गया। जलस्तर में लगभग एक सेंटीमीटर प्रति घंटे की दर से बढ़ोतरी हो रही है। लहरें खतरे के निशान 71.26 मीटर की ओर बढ़ रही है। इस मानसून सीजन में यह तीसरी बार है जब गंगा चेतावनी बिंदु को पार कर खतरे के निशान की ओर बढ़ रही है। लगातार बढ़ते जलस्तर से गंगा के तटवर्ती इलाकों के निवासियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। घाटों से लगे निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति है। इससे लोगों को रोजमर्रा की गतिविधियों में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बाढ़ से अस्सी घाट से लेकर नमो घाट तक

सभी 86 घाटों का संपर्क आपस में कट गया है। एक घाट से दूसरे घाट पर जाना कठिन हो गया है। दशाश्वमेध घाट पर होने वाली विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती आयोजक गंगा सेवा निधि की छत पर हो रही है। केदार घाट, अस्सी, भैसासुर घाट आदि पर होने वाली गंगा आरती का स्थान बदल गया है। सांकेतिक रूप से मां गंगा की आरती की जा रही है। मोक्षस्थली मणिकर्णिका घाट पर जलस्तर बढ़ने से शवदाह की प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। निचले प्लेटफॉर्म डूब जाने के कारण अब छतों (उपरी प्लेटफॉर्म) पर अंतिम संस्कार किया जा रहा है। हरिश्चंद्र घाट की गलियों में भी शवदाह की नौबत आ गई है। दशाश्वमेध घाट पर जल पुलिस का कार्यालय पानी में डूब चुका है, जबकि अस्सी घाट पर जलधारा सड़क तक पहुंच गई है। गंगा के बढ़ते जलस्तर के कारण वरुणा नदी में पलट प्रवाह शुरू हो गया है, जिससे उसका पानी अब आबादी वाले इलाकों में घुस गया है। पुरानापुल क्षेत्र के पुलकोहना में नक्खी घाट पर दर्जनों मकान जलमग्न हो चुके हैं। ढेलवरिया, कोनिया, सरैंया, हुकुलगंज, पिपरहवा घाट जैसे क्षेत्रों में भी बाढ़ का पानी घरों तक पहुंच चुका है। स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने एक बार फिर बाढ़ राहत शिविरों को सक्रिय कर दिया है। एनडीआरएफ की टीमें मौके पर तैनात हैं और बाढ़ प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के प्रयास जारी हैं। एनडीआरएफ की टीम भी सतर्क है। जिन इलाकों में पहले ही पानी भर चुका है, वहां लोगों ने अस्थायी शिविरों और ऊंचे स्थानों पर शरण ले ली है। तटवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोग सुरक्षित स्थानों की तलाश में जुट गए हैं। जिला प्रशासन ने भी स्थिति की गंभीरता को देखते हुए आवश्यक कदम उठाना शुरू कर दिया है।

मंदिर में अराजक तत्वों ने खंडित की मां पार्वती की मूर्ति, पुलिस जांच में जुटी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के जनपद मीरजापुर में हलिया विकास खंड के सुप्रसिद्ध कोटार नाथ शिव मंदिर परिसर में सोमवार की रात अराजक तत्वों ने मां पार्वती की प्रतिमा के दाहिने हाथ को खंडित कर दिया है। मंगलवार सुबह इसकी जानकारी होते ही क्षेत्र में आक्रोश फैल गया। कोटार ग्राम प्रधान विनोद सिंह ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की और

संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष ने बताया मंदिर पुजारी जयराम गिरी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर अराजक तत्वों की तलाश की जा रही है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से शांति बनाए रखने और प्रशासन का सहयोग करने की अपील की है। बताया कि पुजारी नई प्रतिमा लाने के लिए वाराणसी रवाना गए हैं। मूर्ति आते ही सब के सहयोग से यहां पर स्थापित कर दी जाएगी। इसके लिए तैयारी की जा रही है। उल्लेखनीय है कि कोटार शिव धाम आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहां पूसी तेरस और महाशिवरात्रि पर लाखों श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती के दर्शन के लिए आते हैं। घटना के बाद मंदिर परिसर में पहुंचे भक्तों ने नाराजगी जताई और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की।

साहब मैं जिंदा हैं पेंशन के लिय वृद्ध महिला लगा रही गुहार

जौनपुर। कलेक्ट्रेट परिसर में मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक वृद्ध महिला गले में ''मैं जिंदा हूँ'' लिखी तख्तियां लटकाकर डीएम ऑफिस पहुंची और डीएम से पेंशन को लेकर गुहार लगाई। विकास खण्ड सुइथाकला के सुकर्णकलां की रहने वाली दौलती देवी को वृद्धावस्था पेंशन के लिए सरकारी रिकॉर्ड में मृत दिखा दिया गया है। वह सुकर्णकलां, उसरौली की रहने वाली हैं। उसका पेंशन रजिस्ट्रेशन नंबर 31581052844 है। 2021-22 में अचानक उनकी पेंशन बंद हो गई। जब वह समाज कल्याण विभाग पहुंचीं, तो उन्हें नया बैंक खाता खोलने को कहा गया। नया खाता खुलवाने के बाद पता चला कि उन्हें सरकारी रिकॉर्ड में मृत दिखा दिया गया है। दौलती देवी के पास वोटर आईडी, आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र और परिवार रजिस्टर सहित सभी जरूरी दस्तावेज मौजूद है। इनसे साबित होता है कि वह जीवित है। उनका वोटर आईडी नंबर ठघ्ख्8256117156 और आधार नंबर 3116 2563 6484 है। विभाग ने उन्हें बताया कि पेंशन फिर से चालू करवाने के लिए लखनऊ जाना होगा। कई जगह शिकायत करने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ है। पिछले दो साल से पेंशन न मिलने से उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस मामले में समाज कल्याण अधिकारी सुनिल कुमार ने बताया कि महिला का नाम सूची से कैसे कटा इसकी जांच की जाएगी। जो भी दोषी होंगे उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। फिलहाल महिला का पेंशन फिर से शुरू करने का प्रोसेस किया जा रहा है।

मुठभेड़ में हिस्ट्रीशीटर कमल चौहान हत्याकांड का मुख्य आरोपित शनि दिवाकर मुठभेड़ में गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

■ दो दिन पहले हिस्ट्रीशीटर कमल चौहान की हत्या करने के बाद फरार चल रहा था हत्यारोपित सनी दिवाकर

मुरादाबाद। थाना कटघर क्षेत्र के दस सराय पुलिस चौकी के पास दो दिन पहले हिस्ट्रीशीटर कमल चौहान की हत्या करने के बाद फरार चल रहे हत्यारोपित सनी दिवाकर को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान दबोच लिया। मुठभेड़ के दौरान आरोपित गोली लगने से घायल हो गया था।? आरोपित को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुठभेड़ की सूचना के बाद जिला अस्पताल पहुंचे नगर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पकड़े गए आरोपित पर विभिन्न थानों में नौ मुकदमें दर्ज हैं। कटघर क्षेत्र के भदौड़ा दुर्गेश नगर निवासी कमल चौहान पुत्र रमेश चौहान की रविवार की शाम पौने छह बजे घर के पास ही अपने गोलियां मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना के समय वह अपने दोस्त विशाल शर्मा के साथ स्कूटी से घर लौट रहा था। दस सराय पुलिस चौकी के पीछे कर्बला मैदान में हमलावरों ने गोली मारकर उसकी हत्या कर दी थी। कमल चौहान के भाई संजय चौहान ने मोहल्ले में रहने वाले हिस्ट्रीशीटर सनी दिवाकर, मोनू पाल, विक्की दिवाकर, निहाल वाल्मीकि, सुभाष यादव, नकुल यादव के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कराया था। इसके बाद से थाना कटघर पुलिस, एसओजी, सर्विलांस सेल समेत पांच टीमें हत्यारोपितों की तलाश में जुटी थीं। पुलिस अधीक्षक नगर कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि मंगलवार की दोपहर एक बजे पुलिस कटघर क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान एक बाइक से एक युवक आता हुआ दिखाई दिया पुलिस ने उसे रोकने का इशारा किया तो आरोपी ने बाइक मुड़ाकर दी, जिससे बाइक फिसल गई। इसके बाद उसने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने जवाबी फायरिंग की जिसमें आरोपित पैर में गोली लगी और वह वहीं गिर गया। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में उसने अपना नाम सनी दिवाकर बताया और कबूल किया कि कमल चौहान की हत्या की साजिश उसी ने ही रची थी।

टेम्पो चालक की हत्या में फरार आरोपित गिरफ्तार

बरेली। उत्तर प्रदेश में बरेली जिले के थाना कैण्ट क्षेत्र में सोमवार को हुई टेम्पो चालक की हत्या में पुलिस ने छह घंटे में हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया। कैण्ट थाना प्रभारी राजेश कुमार ने मंगलवार को बताया कि ग्राम उडला जागीर निवासी टेम्पो चालक अब्दुल हमीद सोमवार शाम बेटे नदीम के साथ वार्ड नंबर 11, ठिरिया निजावत खां स्थित जावेद की रेता-बजरी टाल पर गया था। तभी गांव का ही रहने वाला सारोज (27) वहां पहुंचा और उसने अब्दुल हमीद से रुपये मांगे। रुपये न देने पर गुस्साएं सारोज ने मौके पर खड़े एक टेम्पो से फावड़ा उठाकर अब्दुल हमीद के सीने पर वार कर दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
मेजर के किशोर
हरीशंकर शुक्ल पीपीएस (रि)

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

संपादक समन्वय
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
पीयूष त्रिपाठी

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालय: 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालय: 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

प्रयागराज में दुर्गा पूजा पंडालों की तैयारी तेज, अस्सी से अधिक स्थानों पर तैयार होते है बड़े पंडाल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। विश्व प्रसिद्ध तीर्थराज प्रयाग में दुर्गा पूजा का एक समृद्ध और विविध इतिहास है। दरभंगा कॉलोनी दुर्गा पूजा कमेटी का पंडाल तैयार हो रहा है। पंडाल सजाने के लिए बंगाल के अम्बा शिल्पकार प्रयागराज में आ चुके है और वह पूजा पंडाल शुरू कर दिया है। यह जानकारी मंगलवार को दरभंगा दुर्गा पूजा कमेटी के सदस्य विरेन्द्र ने दी। उन्होंने बताया कि यह कमेटी पहली बार 1958 में मां दुर्गा की पूजा करने का कार्य शुरू किया गया। जिसके बाद से अब तक चला आ रहा है। हालांकि बीच में दो वर्ष बंद हुई थी लेकिन इसे फिर से शुरू कर दिया गया है। वर्तमान में इस कमेटी के अध्यक्ष डी.वासु है। उनकी देखरेख में कमेटी के सदस्य इसका संचालन करते आ रहें है। बमरौली के अलका विहार कॉलोनी के दुर्गा पूजा पंडाल समिति के अध्यक्ष अजय तिवारी ने बताया कि यह पूजा पंडाल 24 वर्ष पूर्व शुरू किया गया और उसके बाद से प्रत्येक वर्ष मां दुर्गा की आराधना के लिए निर्धारित समय के अनुसार बंगाल से श्री अम्बा शिल्पालय कम्पनी के कर्मचारी प्रयागराज राज में आ जाते है और शहर के कर्नलगंज इंटर कॉलेज में रूकते है और वहां से प्रयागराज शहर में दुर्गा पूजा पंडाल तैयार करते है। पंडाल कार्य शुरू करने से पूर्व खूंटी पूजा की परम्परा है। जिसके बाद से कर्मचारी पंडाल तैयार करने लगते है। उन्होंने बताया कि प्रयागराज में दुर्गा पूजा का एक समृद्ध और विविध इतिहास है, जिसमें लूकरगंज बारवारी दुर्गा पूजा समिति का 1907 में एक सिख द्वारा निर्मित प्रतिमा के साथ पहला आयोजन सबसे पुराना और एक सदी से अधिक पुराना ऐतिहासिक आयोजन है। शहर के अन्य प्रमुख समितियों में अशोक नगर, मीरापुर, और जॉर्ज टाउन दुर्गा पूजा कमेटियाँ शामिल हैं, जो महिला सशक्तिकरण, काशी संस्कृति और भारतीय स्वतंत्रता के इतिहास जैसे विषयों पर केंद्रित होकर या महिला पुजारियों को नियुक्त करके अपनी अनूठी परंपराओं का पालन करती हैं।

जीवन का तरीका सनातन धर्म सेवा, स्पष्टता, क्रिया में निहित : अशोक पाठक

■ सोच, आंतरिक शक्ति, स्पष्ट जीवन दर्शन के प्रति छात्र हुए प्रेरित : सुष्मिता कानूनगो

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। सनातन एकता मिशन के अध्यक्ष पं. अशोक कुमार पाठक ने विज्ञान और भगवद गीता के बीच सनातन एकता मिशन के गहन सामंजस्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म सेवा, स्पष्टता और क्रिया में निहित जीवन का एक तरीका है। जगत तारन गोल्डेन जुबिली स्कूल में मंगलवार को आत्मनिर्भरता और उद्देश्यपूर्ण जीवन को बढ़ावा देने के लिए 'गीता में कल्पित कर्मयोग का विज्ञान' पर एक दिवसीय प्रबोधक कार्यशाला का आयोजन किया। इस सत्र में सनातन एकता मिशन के अध्यक्ष पं. अशोक कुमार पाठक ने छात्रों को अनिर्णय से ऊपर उठने की प्रेरणा दी। उन्होंने एक स्पष्ट उद्देश्य और आत्म-चलित मानसिकता विकसित करने के लिए कर्मयोग-निःस्वार्थ क्रिया के मार्ग को अपनाने के महत्व पर जोर दिया। विद्यालय की प्रधानाचार्या सुष्मिता कानूनगो ने बताया कि अशोक पाठक ने सकारात्मक सोच, आंतरिक शक्ति और स्पष्ट जीवन दर्शन के प्रति छात्रों को प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला ने छात्रों को अपने जीवन में कर्मयोग के सिद्धांतों को लागू करने और आत्मनिर्भरता और उद्देश्यपूर्ण जीवन के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। अंत में प्रधानाचार्या ने अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

क्रिकेटर भुवनेश्वर ने फोर्टिस अस्पताल में पीआईसीयू केंद्र का किया उद्घाटन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गौतम बुद्ध नगर। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर जनपद के ग्रेटर नोएडा में स्थित फोर्टिस अस्पताल में अत्याधुनिक पीडियाट्रिक इंटेंसिव केयर यूनिट (पीआईसीयू) का मंगलवार को मशहूर क्रिकेटर भुवनेश्वर कुमार ने उद्घाटन किया। इस मौक़े पर क्रिकेटर भुवनेश्वर कुमार ने कहा कि मैं फोर्टिस के ग्रेटर नोएडा में इस तरह की अत्याधुनिक पीआईसीयू की शुरुआत होने से बच्चों की गंभीर बीमारियों के इलाज में अहम भूमिका निभाएगा। यह दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याओं को रोकने में मदद करता है और मृत्यु दर को कम करने में सहायक साबित होता है। फोर्टिस ग्रेटर नोएडा के कंसल्टेंट पीडियाट्रिक्स, डॉ. कुशाग्र गुप्ता ने कहा कि पीआईसीयू विशेष रूप से बच्चों के लिए बनाया गया आईसीयू है। बच्चों की बीमारियां बड़ों से अलग होती हैं, इसलिए उन्हें वयस्क आईसीयू में रखना उनके लिए सुरक्षित नहीं होता। संक्रमण का खतरा भी अधिक रहता है। शहरी इलाकों और यहां आबादी बढ़ने के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन की वजह से बच्चों से जुड़ी बीमारियों में तेज़ी आई है। उन्होंने कहा कि डेंगू, मलेरिया, हेपेटाइटिस-ए, सांस का संक्रमण और एलर्जी-अस्थमा जैसी बीमारियां लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे समय में पीआईसीयू का होना बेहद ज़रूरी है। उन्होंने बताया कि फोर्टिस ग्रेटर नोएडा का नया पीआईसीयू इस क्षेत्र के सबसे बड़े पीआईसीयू में से एक है, जिसमें 10 बेड और विशेष आइसोलेशन रूम शामिल हैं। यह यूनिट एक माह से 18 वर्ष तक के बच्चों के इलाज के लिए बनाई गई है। इसमें अत्याधुनिक तकनीक जैसे पीडियाट्रिक वेंटिलेटर, नॉन-इनवेसिव वेंटिलेटर, कार्डियक और न्यूरोलॉजिकल मॉनिटरिंग, हीमोडायलिसिस, आर्टेरियल और सेंट्रल लाइन सपोर्ट, हाई-फ्रीक्वेंसी वेंटिलेटर और ईसीएमओ सपोर्ट उपलब्ध हैं।

वाराणसी: पितृ पक्ष में द्वितीया तिथि का श्राद्ध, लोगों ने पितरों को दिया तर्पण

■ पिशाचमोचन कुंड और गंगा तट पर उमड़ी लोगों की भीड़

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। सनातन संस्कृति के महत्वपूर्ण पक्ष पितृ पक्ष की शुरुआत हो चुकी है। धार्मिक नगरी काशी में पितृपक्ष के द्वितीया तिथि श्राद्ध के लिए मंगलवार को लोगों की भीड़ गंगाघाटों और पिशाचमोचन कुंड पर अलसुबह से ही उमड़ती रही। धूप और उमस भरे मौसम में गंगा तट और अनादि विमल तीर्थ पिशाचमोचन कुंड पर पिंडदान, तर्पण और श्राद्ध कर्म के लिए लोग अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। यहां देश के कोने-कोने से वाराणसी पहुंचे लोगों ने अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए विधिपूर्वक श्राद्ध कर्म किया। अकाल मृत्यु को प्राप्त पूर्वजों के लिए उनके परिवारीजनों ने कर्मकांडी ब्राह्मणों की सहायता से त्रिपिंडी श्राद्ध कराया। पिशाचमोचन कुंड के कर्मकांडी सनी मिश्र और राजेश उपाध्याय ने बताया कि पितृपक्ष के दौरान लोग अपने पितरों का श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करते हैं। मान्यताओं के अनुसार इस अवधि में किए गए अनुष्ठान से पूर्वजों की आत्मा को शांति मिलती है। पितृ दोष का शमन होता है और पूर्वजों की आत्मा को परम शांति प्राप्त होती है। पितृपक्ष की द्वितीया तिथि श्राद्ध में उन पूर्वजों का श्राद्ध होता है, जिनकी मृत्यु किसी भी महीने के कृष्ण पक्ष या शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को हुई हो। श्राद्ध के बाद गरीब ब्राह्मणों को भोजन कराना और दक्षिणा देने की भी परंपरा है। पितृ पक्ष की यह पुण्य अवधि 21 सितंबर को सर्वपितृ अमावस्या के साथ संपन्न होगी। जिन लोगों को अपने पितरों की पुण्यतिथि ज्ञात नहीं है, वे पूरे पखवाड़े प्रतिदिन तर्पण करते हैं और अंतिम दिन पितृ विसर्जन करते हैं। लोगों ने भाद्रपद पूर्णिमा के दिन ही अपने मातृकुल के पितरों-नाना, नानी, परनाना, परनानी-का तर्पण कर पितृ पक्ष का शुभारंभ कर दिया था।